देशबन्धु

जबलपुर, बुधवार 22 नवम्बर 2023 | वर्ष – 68 | अंक – 13 | पृष्ठ – 12 | मूल्य – 3.00 रु.

- कानून को फिर ठेंगा...
- कांग्रेस के हाथ में लौटा... 04
- बंधकों की रिहाई के प्रस्ताव पर भड़के...
- अमेरिका पहुंचा खालिस्तान के खिलाफ... 09
- शेयर बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 276 अंक...
- सरकार कच्चे और रिफाइंड पाम तेल के बीच... 11
- ऑस्ट्रेलिया की विश्वकप...
- एचएस प्रणय, चिराग... 10

सार संक्षेप

2020 दिल्ली दंगे: सबूतों के अभाव में 7 लोग हुए बरी

नई दिल्ली। साल 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े एक मामले में यहां की एक अदालत ने सोमवार को सात आरोपियों को सभी आरोपों से बरी कर दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमाचला की अगुवाई वाली अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष उचित संदेह से परे यह साबित करने में विफल रहा कि आरोपी शिकायतकर्ता की दुकान में आगजनी, तोड़फोड़ और चोरी में शामिल दंगाई भीड़ का हिस्सा थे। न्यायाधीश ने शिकायतकर्ता सलमान मलिक की दुकान में तोड़फोड़ और आगजनी पर ध्यान देते हुए, दंगाई भीड़ के हिस्से के रूप में आरोपियों की पहचान पर चिंता जताई।

सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 11 दिसम्बर तक बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 11 दिसंबर तक बढ़ा दी, जिन्हें अब खत्म हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि कई दस्तावेज जमा करना लंबित है और आरोपी व्यक्तियों के लिए प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दाखिल किया जाना है। साथ ही कोर्ट ने कहा कि मामले की सुनवाई जल्द से जल्द शुरू होनी चाहिए। उच्च न्यायालय ने जुलाई में ईडी द्वारा जांच की जा रही उत्पाद नीति मामले में सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर epaper.deshbandhump.com वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो- पांच राज्यों के चुनाव सिमटते जाने के साथ जुबानी जंग बढ़ रही है।
चुहिया- हां प्रिये- जनता के मुद्दों पर बात हो न हो लेकिन एक-दूसरे पर कीचड़ उछालना अब राजनैतिक फितरत बन गई है।

सिमटते चुनावों के बीच फैलती जुबानी जंग

तीन बुराईयों, भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण की प्रतीक है कांग्रेस : मोदी

अच्छा भला हमारे लड़के वर्ल्ड कप जीत जाते लेकिन पनौती ने हरवा दिया : राहुल

__जयपुर।__ पांच राज्यों के चुनाव जैसे-जैसे सिमटते जा रहे हैं, उसी रफ्तार से जुबानी जंग फैलती जा रही है। मध्यप्रदेश, छग और मिजोरम में मतदान हो चुका है और सियासी दल अब सारी शक्ति राजस्थान, तेलंगाना में झौंक रहे हैं। राजस्थान में मंगलवार को जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर और तीखा हमला करते हुए कहा कि- परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की प्रतीक है कांग्रेस, इसे कोने-कोने से खत्म करना होगा।

वहीं राहुल गांधी ने श्री मोदी को आड़े हाथों लेते हुए यह भी कहा कि- हमारे लड़के अच्छा भला वर्ल्ड कप जीत रहे थे लेकिन पनौती ने हरवा दिया। राहुल ने कहा कि कुछ उद्योगपतियों के मित्र मोदी खुद को ओबीसी बताते थे लेकिन जब जातिगत जनगणना की मांग आई तो कहने लगे सबकी जाति एक है। राहुल के बयान पर भाजपा ने माफी की मांग की।

मोदी ने मंगलवार को कानून व्यवस्था, महिला अपराध व भ्रष्टाचार को लेकर राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। आरोप लगाया कि उसने जनता को लुटेरों और दंगाइयों के हवाले कर दिया है। मोदी ने कांग्रेस को भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण नामक तीन बुराइयों का प्रतीक बताया। अंता (बारां) में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा,''अब हमारे सामने विकसित भारत का लक्ष्य है। लेकिन राजस्थान को विकसित बनाए बिना भारत को विकसित बनाने का लक्ष्य अधूरा है। जब तक भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण नाम के देश के तीन दुश्मन हमारे बीच हैं, तब तक ये संकल्प पूरा होना मुश्किल है। कांग्रेस इन तीन बुराइयों की सबसे बड़ी प्रतीक है।'' इसे कोने-कोने से खत्म करना होगा।

उधर राजस्थान के जालोर में मंगलवार को एक चुनावी सभा में राहुल गांधी ने राहुल गांधी ने कहा, 'अच्छा भला हमारे लड़के वर्ल्ड कप जीत जाते, लेकिन पनौती ने हरवा दिया'। राहुल जनसभा में मोदी का जिक्र कर निशाना साध रहे थे। इसी दौरान जनसभा में कुछ लोग पनौती-पनौती चिल्लाने लगे। इस पर राहुल ने कहा, अच्छा भला वहां हमारे लड़के वहां वर्ल्ड कप जीत जाते, लेकिन पनौती ने हरवा दिया। टीवी वाले ये नहीं कहेंगे, लेकिन जनता जानती है। इसके बाद राहुल फिर मोदी का जिक्र कर निशाना साधने लगे। राहुल ने कहा कि- कुछ अमीर लोगों के मित्र बने श्री मोदी उनका ही खजाना भर रहे हैं। देश में लोकतंत्र संकट में है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि एजेंसियों का दुरुपयोग कर भाजपा चुनाव जीतना चाहती है, लेकिन जनता इसे सफल नहीं होने देगी।

मणिपुर में आइआरबी जवान की गोली मारकर हत्या

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में सोमवार को उग्रवादियों ने इंडिया रिजर्व बटालियन (आइआरबी) के जवान और उनके ड्राइवर की गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों जनजातीय समुदाय से थे। अधिकारियों ने बताया कि दोनों एक वाहन में यात्रा कर रहे थे, जब उग्रवादियों ने हरओथेल और कोब्शा गांवों के बीच घात लगाकर हमला किया।

आदिवासी संगठन कमेटी आन ट्राइबल यूनिटी (सीओटीयू) ने दावा किया कि कुकी-जो समुदाय के लोगों पर बिना उकसावे के हमला किया गया। सीओटीयू ने कांगपोकपी जिले में बंद की घोषणा की है। मई की शुरुआत में मणिपुर में मैतेयी और कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष शुरू होने के बाद से इस क्षेत्र में सशस्त्र ग्रामीणों के बीच गोलीबारी की कई घटनाएं हुई हैं।

उग्रवादियों ने घात लगाकर किया हमला

पुलिस अधिकारी ने बताया कि इलाके में अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। घटना में शामिल लोगों की गिरफ्तारी के लिए तलाशी अभियान जारी है। अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मैतेयी समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में तीन मई को आयोजित आदिवासी एकजुटता मार्च के बाद भड़की हिंसा के बाद से 180 से अधिक लोग मारे गए हैं।

मणिपुर की आबादी में मैतेयी लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं, जबकि आदिवासी, जिनमें नगा और कुकी शामिल हैं, 40 प्रतिशत हैं और मुख्य रूप से पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

यंग इंडिया की 751.9 करोड़ की संपत्ति जब्त

दिल्ली, मुंबई व लखनऊ सहित कई जगहों की प्रॉपर्टी शामिल

नई दिल्ली,(एजेंसियां)। ईडी ने नेशनल हेराल्ड केस में यंग इंडिया की 751.9 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच की है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि जब्त की गई संपत्ति में एजेएल की दिल्ली, मुंबई और लखनऊ सहित कई जगहों की प्रॉपर्टी है। कांग्रेस से जुड़े यंग इंडिया के खिलाफ ये कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में की गई है। इस कंपनी में सोनिया-राहुल की 76 फीसदी हिस्सेदारी है। इसी मामले में ईडी ने 3 अगस्त 2022 को दिल्ली की हेराल्ड बिल्डिंग में स्थित यंग इंडिया कंपनी का ऑफिस सील कर दिया था। 2 और 3 अगस्त को ईडी की टीम ने सुबह से देर शाम तक नेशनल हेराल्ड के दिल्ली, मुंबई और कोलकाता समेत 16 ठिकानों पर छापेमारी की थी।

चुनाव में निश्चित हार से ध्यान हटाने की कोशिश : कांग्रेस

>>शेष पृष्ठ 2 पर

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने किया दावा

कोरोना वैक्सीन से युवा वयस्कों में अचानक होने वाली मौतों के खतरे को नकारा

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा मंगलवार को किए गए अध्ययन के निष्कर्ष के अनुसार, कोविड-19 टीकाकरण से भारत में युवा वयस्कों में अचानक होने वाली अज्ञात मौतों का खतरा नहीं बढ़ता है।

इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित शोध से पता चला है कि लाइफस्टाइल फैक्टर्स जैसे वर्तमान धूम्रपान की स्थिति, अत्यधिक शराब पीना, ड्रग्स/नशीले पदार्थों का सेवन आदि अचानक होने वाली अज्ञात मौतों से जुड़े हैं। अन्य चीजों की तुलना में, शराब के सेवन की आवृत्ति जितनी अधिक होगी, अचानक होने वाली अज्ञात मौत की संभावना उतनी ही अधिक होगी। अनुसंधान निकाय ने भारत के स्पष्ट रूप से स्वस्थ युवा वयस्कों में अचानक होने वाली अज्ञात मौतों की वास्तविक रिपोर्टों को देखते हुए एक अध्ययन किया, जो कि कोविड-19 संक्रमण या टीकाकरण से जुड़ा हुआ है।

टीकाकरण ने भारतीयों में मौत के जोखिम को किया कम

मौतों से जुड़े कारकों का विश्लेषण किया-शोधकर्ताओं ने पूरे भारत में 47 तृतीयक देखभाल अस्पतालों से 18-45 वर्ष की आयु के व्यक्तियों में ऐसी मौतों से जुड़े कारकों का विश्लेषण किया।

विश्लेषण में कम से कम 729 मामले और 2,916 नियंत्रण शामिल किए गए। शोधकर्ताओं ने खुलासा किया, कोविड-19 टीकाकरण से भारत में युवा वयस्कों में अचानक होने वाली अज्ञात मौतों का खतरा नहीं बढ़ा। पिछले कोविड-19 अस्पताल में भर्ती होने के बजाय पारिवारिक इतिहास और कुछ जीवनशैली व्यवहारों ने अचानक होने वाली अज्ञात मौतों की संभावना को बढ़ा दिया है।

बिहार में आरक्षण का दायरा बढ़कर 75 फीसदी हुआ, राज्यपाल ने दी मंजूरी

पटना, देशबन्धु। बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने मंगलवार को 'बिहार आरक्षण संशोधन विधेयक- 2023' को मंजूरी दे दी। इस विधेयक को मंजूरी देने के बाद इसे सरकार को लौटा दिया। बिहार में अब सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थाओं में आरक्षण का दायरा बढ़कर 75 प्रतिशत हो जाएगा। इससे पहले विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में इस विधेयक को सर्वसम्मति से पास कर दिया गया था और राज्यपाल के पास भेजा गया था।

नई आरक्षण नीति के तहत अनुसूचित जाति (एससी) के लिए मौजूदा 16 प्रतिशत की बजाए 20 प्रतिशत, एसटी के लिए 1 प्रतिशत की जगह 2 प्रतिशत, पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के लिए 12 प्रतिशत की जगह 18 प्रतिशत और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (इबीसी) के लिए 18 फीसदी की बजाय 25 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है। सामान्य वर्ग में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को पहले की तरह 10 प्रतिशत आरक्षण मिलता रहेगा। उल्लेखनीय है कि बिहार में जातीय गणना के बाद यह तय माना जा रहा था कि आरक्षण की सीमा बढ़ाई जाएगी।

नीतीश ने की उच्चस्तरीय बैठक-बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य के सभी सरकारी विभागों में आरक्षण (संशोधन) अधिनियम-2023 के प्रावधानों को लागू करने के लिए मंगलवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

आरआरटीएस प्रोजेक्ट को 415 करोड़ दे दिल्ली सरकार : सुको

कहा-जब विज्ञापनों पर 1100 करोड़ खर्च कर दिए तो विकास कार्यों पर भी करो

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम (आरआरटीएस) प्रोजेक्ट को फंड न देने पर सुप्रीम कोर्ट ने दिलली सरकार से नाराजगी जताई है। कोर्ट ने मंगलवार 21 नवंबर को कहा कि सरकार एक हफ्ते के अंदर 415 करोड़ रुपए दे। अगर नहीं दिया तो दिल्ली सरकार के विज्ञापन बजट पर रोक लगाकर फंडिंग दे देंगे। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच अब 28 नवंबर को मामले की सुनवाई करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से कहा कि विज्ञापनों पर आपका तीन साल का बजट 1100 करोड़ और इस साल का बजट 550 करोड़ है। आपके पास विज्ञापनों के लिए पैसा है, लेकिन आपके पास उस परियोजना के लिए पैसा क्यों नहीं है, जो लोगों को बेहतर सुविधा देगी। अगर विज्ञापन पर पैसे खर्च किए हैं तो विकास कार्यों पर भी करें। साथ ही कोर्ट ने दिल्ली सरकार से 2 हफ्ते में एक एफिडेविट फाइल करने को कहा है। साथ ही इसमें पिछले 3 वित्तीय वर्ष के दौरान विज्ञापनों पर किए गए खर्च की डिटेल देने का निर्देश दिया है।

सरकार एक हफ्ते के अंदर करे राशि का भुगतान

अनुच्छेद 348 को लेकर छिड़ी बहस

यह असंवैधानिक नहीं, आपराधिक कानूनों का नाम हिंदी में करने के फैसले पर संसदीय समिति की मुहर

नई दिल्ली। सरकार ने ब्रिटिश हुकूमत के दौर में बने कानून भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और साक्ष्य कानून में बदलाव की पहल की है। इस महीने की शुरुआत में, संसदीय पैनल ने कई संशोधनों की पेशकश की थी, लेकिन कानूनों के हिंदी नामों पर कायम रहे। कानूनों के नाम हिंदी में होने के फैसले पर करीब 10 विपक्षी सदस्यों ने विरोध जताया। राजनीतिक दलों द्वारा लगातार इस कदम की आलोचना करने पर संसद की एक समिति ने मंगलवार को साफ कर दिया कि तीन प्रस्तावित आपराधिक कानूनों का नाम हिंदी में होना असंवैधानिक नहीं हैं।भाजपा सांसद बृजलाल की अध्यक्षता वाली गृह मामलों की संसद की स्थायी समिति ने संविधान के अनुच्छेद 348 को संज्ञान में लिया। दरअसल, अनुच्छेद 348 के अनुसार शीर्ष अदालत और हाईकोर्ट के साथ-साथ अधिनियमों, विधेयकों और अन्य कानूनी दस्तावेजों में इस्तेमाल की जाने वाली भाषा अंग्रेजी भाषा होनी चाहिए।

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से
मोतियाबिंद ऑपरेशन
मध्य भारत का सबसे आधुनिक
नया युग
आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर
डॉ. पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894
जनज्योति सुपर स्पेशिलटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL
Affiliation No.: 1031302
School No.: 51319
An English Medium Co-educational School
ADMISSIONS OPEN
Class: Nursery 12th
(Science, Commerce & Humanities)
Call us: 0761-2676370, 9826587200
Sadar, Jabalpur Cantt, Web: www.apncbseschool.com
E-mail: apncbseschool@gmail.com

भावनात्मक | **उत्तरकाशी टनल में फंसे मजदूर ने भेजा संदेश**

मैं ठीक हूं मां, प्लीज समय पर खाना खा लेना...

पहली बार टनल में फंसे मजदूरों की तस्वीरें एंडोस्कोपिक फ्लेक्सी कैमरे से देखी गईं

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में सुरंग में फंसे मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। आज यानी मंगलवार को रेस्क्यू टीम के हाथ बड़ी सफलता लगी है।

एंडोस्कोपिक फ्लेक्सी कैमरे के माध्यम से पहली बार टनल में फंसे मजदूरों को देखा गया। यही नहीं कैमरे माइक के माध्यम से कुछ मजदूरों से बातचीत करने का प्रयास भी किया गया। राहत की बात यह है कि टनल में फंसे सभी मजदूर पूरी तरह से सुरक्षित हैं जल्द ही बाहर निकलने की उम्मीद लगाए हुए हैं।

इस बीच सिल्कयारा सुरंग में फंसे मजदूरों से उनके परिवार वाले पाइपलाइन के जरिए बातचीत कर रहे हैं। मजदूरों से बात करने के बाद उनके परिवार वालों ने राहत की सांस ली है। इस बीच टनल में फंसे अपनी मां के लिए ऐसा भावुक संदेश भेजा, जिसको सुनकर कोई भी इमोशनल हो सकता है। सुरंग में 10 दिन से फंसे एक मजदूर ने कहा कि...मां मैं बिल्कुल ठीक

हूं...आप अपना खाना समय पर खाती रहना। इस बीच उत्तरकाशी में सुरंग में फंसे एक श्रमिक के परिवार के एक सदस्य ने बताया, टनल में मेरा बड़ा भाई फंसा हुआ है। उसका नाम विश्वजीत कुमार है। मैं उनसे लगातार संपर्क में हूं। मेरा एक परिजन सुबोध कुमार भी अंदर है। वहां सभी लोग ठीक हैं। उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। वे खुश हैं कि दूसरी पाइप

>>शेष पृष्ठ 2 पर

देश-विदेश

खालिस्तान समर्थक नारे लिखने वाला पन्नू का गुर्गा धरा गया

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। पंजाब और हरियाणा में तलाशी के बाद, दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने सितंबर में आईएसबीटी फ्लाईओवर की दीवारों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे जाने के मामले में लगभग 35 साल की उम्र के एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। सूत्रों ने बताया कि प्रतिबंधित एसएफजे के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने उन्हें पैसे की पेशकश की थी। शख्स की पहचान मालक सिंह के रूप में हुई है और उसे हरियाणा के कुरूक्षेत्र से हिरासत में लिया गया। सूत्रों ने बताया कि उसे 'सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे)' के हैंडलर गुरपतवंत सिंह पन्नू ने नौकरी के लिए धन-संबंधी लाभ का वादा किया था। सूत्रों ने बताया कि पूरी साजिश का पर्दाफाश करने के लिए मालक सिंह से पूछताछ की जा रही है।

फिल्म फेस्टिवल में बोले अनुराग ठाकुर

5 साल में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मीडिया-मनोरंजन बाजार

पणजी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि भारत अगले पांच सालों में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मीडिया और मनोरंजन बाजार बन जाएगा। ठाकुर ने यह बातें सोमवार को गोवा की राजधानी पणजी में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के 54वें संस्करण के उद्घाटन पर कहीं।

मंत्री अनुराग ठाकुर आगे कहा, पहली बार, आईएफएफआई ने देश में परिवर्तनकारी वेब सीरीज के माध्यम से ओरिजनल कंटेंट बनाने वालों को ओटीटी पुरस्कार देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, भारत एक तरफ दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। मीडिया और मनोरंजन उद्योग के मामले में भी भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अगले पांच सालों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ ही दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मीडिया और मनोरंजन बाजार होगा।

इस बार हम कुछ नई पहल कर रहे हैं-मंत्री ने कहा कि पिछले साल के संस्करण में हमने कुछ नई पहल की थी, इस बार भी हम कुछ नई पहल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार से आईएफएफआई सर्वश्रेष्ठ वेब सीरीज को ओटीटी पुरस्कार देगा। यह भारत में ओरिजनल कंटेंट निर्माताओं की परिवर्तनकारी भूमिका की स्वीकार्यता को बढ़ाएगा।

ओटीटी ने कोरोना के समय लोगों का मनोरंजन किया-केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि यह मान्यता ओटीटी को भी दी गई है क्योंकि इसने कोरोना के समय जब सबकुछ बंद था तो, लोगों का मनोरंजन किया है। उन्होंने कहा, ओटीटी वर्तमान में 28 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ रहा है। यही वजह है कि हमने इस पुरस्कार को शुरू करने का फैसला किया है।

5,000 फिल्मों और वृत्तचित्रों को डिजिटल किया जाएगा

ठाकुर ने कहा, हम आपको राष्ट्रीय फिल्म विरासत मिशन के तहत एनएफडीसी और एनएफएआई के द्वारा मंजूर की गई बेहतरीन कृतियों के सात विश्व प्रीमियर दिखाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, इस मिशन के तहत 5,000 फिल्मों और वृत्तचित्रों को रिस्टोर और डिजिटल किया जाएगा।

बर्फ से ढका हिमाचल

दिल्ली, बिहार समेत मप्र, छग में भी अब सताएगी ठंड

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, नई पूर्वी लहर के कारण अगले 5 दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में भारी वर्षा होने की संभावना है। 20 नवबंर को तमिलनाडु में सबसे ज्यादा बारिश दर्ज की गई। आईएमडी ने पुडुचेरी और कराईकल के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है और लोगों को कच्चे रास्तों और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी है।

बीते कल से ही केरल और माहे में भारी बारिश हो रही है। यहां के लिए भी मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक, तमिलनाडु और केरल में बारिश का दौर आने वाले दो दिनों में और बने रहने की संभावना है। यहां 19 से 23 नवंबर तक भारी वर्षा होने की संभावना जताई है।आईएमडी की रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वी लहर के प्रभाव के कारण, दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में छिटपुट से लेकर काफी तेज वर्षा और अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। 23 से 29 नवंबर के बीच उत्तर पश्चिम भारत पर किसी सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव की संभावना नहीं है। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में वर्षा गतिविधि सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है।

पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में भी बारिश होने की आशंका। उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों और मध्य भारत के कई हिस्सों में भी बारिश होने की उम्मीद जताई गई है।

अब सताएगी सर्दी-राष्ट्रीय राजधानी समेत अन्य राज्यों में ठंड बढ़ गई है। दिल्ली में आज के तापमान में 2 डिग्री तक की कमी होने वाली है, जिससे ठंड और बढ़ेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, पाकिस्तान में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है, जो धीरे-धीरे पूर्व की ओर बढ़ रहा है। इससे उत्तर पश्चिमी भारत के मैदानी इलाकों में तेज हवाएं चल सकती है, जिससे तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की जाएगी। आईएमडी के मुताबिक, 21 से लेकर 25 नवंबर तक राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान समेत कई राज्यों में तापमान लुढ़केगा।

दिल्ली में आज हल्की ठंड महसूस की गई है। 21 नवंबर के तापमान की तो अधिकतम तापमान 26 डिग्री तो वहीं न्यूनतम तापमान 13 डिग्री बने रहने की संभावना है। इसके अलावा 22 से 24 नवंबर तक अधिकतम तापमान 26 और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री होने की संभावना है। दिल्ली में हवा अभी भी जहरीली बनी हुई है। एक समाचार एजेंसी के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक बहुत खराब श्रेणी में है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार,आनंद विहार मे एक्यूआई 374, जहांगीरपुरी में 399, लोधी रोड में 315, न्यू मोती बाग में 370 दर्ज किया गया है।

अगले 5 दिनों में बिहार में बढ़ेगी ठंड-पटना सहित प्रदेश के कई हिस्सों में आज सुबह हल्की धुंध छाई रही। बीते 24 घंटों के दौरान पटना सहित गया, भागलपुर, पूर्णिया, वाल्मीकि नगर में धुंध छाने के साथ मौसम सामान्य रहा। हालांकि, 23 शहरों का तापमान नीचे गिरा है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार, प्रदेश में पछुआ हवा का प्रभाव बना हुआ है। इससे मौसम और भी शुष्क हो गया है। अगले पांच दिनों में यहां के न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट के आसार हैं।

हिमाचल में बर्फबारी शुरू, लुढ़का पारा-हिमाचल के शहर शिमला में सबसे ज्यादा ठंड पड़ रही है। धूप खिलने के बावजूद मंडी में अधिकतम तापमान में 8.9 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, शिमला का अधिकतम तापमान 18.8 पर बना रहा। ठंड की दस्तक के साथ ही प्रदेश की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी और भी तेज हो गई है। यहां पर्यटकों की संख्या में भी इजाफा देखा गया है। मौसम विभाग द्वारा जारी किए गए ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, मंगलवार यानी आज मौसम साफ बना रहेगा।

सुको ने छत्तीसगढ़ पुलिस की जांच के खिलाफ दायर एनआईए की याचिका खारिज की

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ की झीरम घाटी में साल 2013 में हुए नक्सली हमले में कांग्रेस के नेताओं समेत 29 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में बड़ी साजिश का आरोप लगाने वाली एफआईआर की छत्तीसगढ़ पुलिस की जांच के खिलाफ दायर राष्ट्रीय जांच एजेंसी की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को खारिज कर दी।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने याचिका को खारिज किया। पीठ ने कहा- क्षमा करें, हम हस्तक्षेप नहीं करना चाहेंगे। एनआईए की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने पीठ को बताया कि घटना में बड़ी साजिश के पहलू की जांच एनआईए द्वारा की जानी चाहिए, क्योंकि मामले की मुख्य एफआईआर की जांच केंद्रीय एजेंसी द्वारा की जाती है। उन्होंने कहा कि जब छत्तीसगढ़ पुलिस ने एनआईए को रिकॉर्ड सौंपने से इनकार कर दिया, तो एजेंसी ने ट्रायल कोर्ट का रुख किया, जिसने याचिका खारिज कर दी। एसवी राजू ने कहा कि इसके बाद हाई कोर्ट ने दो मार्च, 2022 को ट्रायल कोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिका भी खारिज कर दी। जब मुख्य मामले की जांच एनआईए द्वारा की जा रही है, तो उसी घटना से संबंधित एक अलग एफआईआर की जांच किसी अन्य एजेंसी द्वारा नहीं की जा सकती है।

टीवी चैनल्स को सरकार की सलाह

सनसनी फैलाने से बचें, रिपोर्टिंग में संवेदनशीलता बरतें

नई दिल्ली। उत्तराकाशी स्थित सिल्कयारा टनल में फंसे मजदूरों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। इस रेस्क्यू ऑपरेशन की कवरेज के लिए देशभर के मीडिया चैनल भी इस समय उत्तरकाशी में मौजूद हैं। अब भारत सरकार ने प्राइवेट न्यूज चैनल्स को एक परामर्श भेजा है। इसमें टीवी चैनल्स से सिल्कयारा टनल में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन को लेकर सनसनी फैलाने से बचने के लिए और रिपोर्टिंग के दौरान संवेदनशीलता बरतने के लिए कहा गया है।

इनफार्मेशन एंड ब्रॉडकास्टिंग मिनिस्ट्री द्वारा जारी किए गए निर्देशों में कहा गया है कि यह रेस्क्यू ऑपरेशन बेहद संवेदनशील नेचर का है, इसलिए प्राइवेट टीवी चैनल अपनी खबरों के प्रसारण के समय संवेदनशील रहें और खासकर रेस्क्यू ऑपरेशन से जुड़ी खबरों की हेडलाइन और वीडियो में विशेष सावधानी बरतें। सरकार के इस परामर्श में कहा गया है कि टीवी चैनल्स द्वारा की रेस्क्यू ऑपरेशन स्थल के पास से की जा रही कवरेज से ऑपरेशन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है।

सुरंग में फंसे मजदूरों के परिवारों की मनोवैज्ञानिक स्थिति पर खबरों का प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। रेस्क्यू ऑपरेशन से जुड़े वीडियो फुटेज और अन्य तस्वीरों के टेलीकॉस्ट से मौजूदा अभियान पर भी प्रभाव पड़ सकता है। चैनल्स इस मुद्दे को सनसनीखेज बनाने और सुरंग के आसपास चल रहे बचाव अभियान का सीधा प्रसारण करने से बचें। कैमरामैन, रिपोर्टर और विभिन्न उपकरणों की उपस्थिति से बचाव अभियान किसी भी तरह से बाधित नहीं हो।

उल्लेखनीय है कि सुरंग में फंसे मजदूरों को लेकर कई न्यूज चैनल और यू-ट्यूबर्स द्वारा सनसनी भरी खबरें प्रसारित करने के बाद मजदूरों के परिजनों में बार-बार आक्रोश और चिन्ता की लहर दौड़ जाती है।

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी को जान से मारने की धमकी

मुंबई। मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को धमकी भरे कॉल करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है जो दाऊद इब्राहिम गिरोह से जुड़े होने का दावा कर रहा है। आरोपी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हत्या करने की धमकी थी।

अरेस्ट होने के बाद उसने दावा किया कि दाऊद गिरोह ने उसे पीएम मोदी और योगी आदित्यनाथ के मर्डर की साजिश रचने का निर्देश दिया था। पुलिस के मुताबिक, फोन करने वाले इस शख्स ने मुंबई के जेजे अस्पताल को भी निशाना बनाने की बात कही थी। इसके खिलाफ ड्क्क्ष्ट की धारा 505 (2) के तहत केस दर्ज किया गया है, जो विभिन्न धार्मिक, नस्लीय, भाषाई, क्षेत्रीय समूहों या जातियों के बीच शत्रुता, घृणा या दुर्भावना को बढ़ावा देने वाले बयानों से संबंधित है।

आरोपी गिरफ्तार : दाऊद इब्राहिम गैंग से कनेक्शन

बीते अक्टूबर में मुंबई पुलिस को धमकी भरा मेल आया था जिसे भेजने वाले ने भारत सरकार से 500 करोड़ रुपये की मांग की थी। इसमें कहा गया कि अगर यह रकम नहीं मिली तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अहमदाबाद में उनके नाम पर बने स्टेडियम को उड़ा दिया जाएगा। इसके साथ ही कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को रिहा करने की भी मांग रखी गई थी। ईमेल में कहा गया कि आतंकवादी समूह ने हमलों को अंजाम देने के लिए पहले से ही लोगों को तैनात कर दिया है। पुलिस के अनुसार, यह धमकी भरा मेल राष्ट्रीय जांच एजेंसी को मिला, जो यूरोप से भेजा गया था। इसे लेकर मुंबई पुलिस को अलर्ट किया गया।

न्यूयॉर्क जा रहे एयर इंडिया के विमान में आई तकनीकी खराबी; मुंबई में हुई सुरक्षित लैंडिंग

नई दिल्ली। अमेरिका के न्यूयॉर्क जा रहे एयर इंडिया के एक विमान में मंगलवार (21 नवंबर) सुबह तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण विमान की मुंबई एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग करवाई गई। एयर इंडिया ने बताया कि बोइंग 777 विमान को एहतियाती जांच के लिए वापस मुंबई हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंड करवाया गया।

दरअसल, मुंबई से न्यूयॉर्क के जॉन एफ कैनेडी एयरपोर्ट तक जाने वाले विमान एआई119 एक मामूली तकनीकी समस्या आ गई, जिसके कारण विमान को एहतियाती जांच के लिए मुंबई में सुरक्षित रूप से लैंड करवाया गया। यह कदम यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा को देखते हुए उठाया गया है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों की बैठक

सैन्य व हिंद-प्रशांत समेत कई मुद्दों पर चर्चा- जयशंकर

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग की दिल्ली में बैठक हुई। इस दौरान कई द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में भारत और कनाडा के बीच हुए विवाद की भी चर्चा हुई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच सबसे अच्छे मजबूत संबंध हैं। सोमवार को रक्षा मंत्री और मैंने ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स और विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ दूसरी 2+2 वार्ता की, जो एक सार्थक वार्ता थी।

आज हुई विदेश मंत्रियों की बैठक के संबंध में बात करते हुए एस. जयशंकर ने कहा, कई व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर भी बात हुई है। हमारे द्विपक्षीय व्यापार बेहद सकारात्मक रहे हैं। हमने व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते, सीईसीए पर आगे बढ़ने के महत्व पर भी चर्चा की। हमने हिंद महासागर क्षेत्र में अपने काम के साथ-साथ समुद्री सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य सहयोग पर भी चर्चा की है। बता दें ऑस्ट्रेलिया अगले वर्ष फरवरी में हिंद महासागर सम्मेलन की अध्यक्षता करेगा।

बैठक पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, हमारे बीच क्वाड के विस्तार को लेकर भी चर्चा हुई। क्वाड लगातार प्रगति कर रहा है। आज की चर्चा इस मुद्दे पर थी कि हम क्वाड को ज्यादा बेहतर कैसे बनाएं। इसमें ऐसा क्या जोड़ा जाए कि जिससे क्वाड ज्यादा सुदृढ़ हो। इस दौरान हमारे बीच सुरक्षा मुद्दों पर व्यापक चर्चाएं हुई। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्वतंत्र, समावेशी, समृद्ध, के लिए हम दोनों प्रतिबद्ध हैं। साथ ही आतंकवाद, कट्टरवाद और उग्रवाद पर भी खुलकर चर्चा हुई। दोनों देशों ने एफएटीएफ सहित अन्य मंचों पर हमने सहयोग किया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

मैं ठीक हूं मां.....

मिल गई जिससे खाना जाएगा। अभी तक केवल ड्राई फ्रूट्स जा पा रहा था। हमें बहुत राहत महसूस हो रही है। **श्रमिकों तक भोजन के साथ ही अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाई जा रही**-उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया साइट एक्स के जरिए एक मैसेज में कहा कि सिलक्यारा टनल में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन के अंतर्गत 6 इंच व्यास की पाइप मलबे के आर-पार किए जाने से श्रमिकों तक भोजन के साथ ही अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाई जा रही है। इस संबंध में आदरणीय प्रधानमंत्री जी का मार्गदर्शन एवं सहयोग भी हमें निरंतर प्राप्त हो रहा है। हमारी सरकार सभी श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ने आज पुन: फोन कर सिलक्यारा, उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सुरंग में फँसे श्रमिकों के राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली। इस अवसर पर प्रधानमंत्री को 6 इंच व्यास की पाइप लाइन के सफलता पूर्वक मलबे के आरपार किए जाने एवं इसके माध्यम से पहली बार एंडोस्कोपिक फ्लेक्सी कैमरे के माध्यम से बातचीत मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सुरंग के अंदर फँसे श्रमिकों से पहली बार एंडोस्कोपिक फ्लेक्सी कैमरे के माध्यम से बातचीत कर उनका कुशलक्षेम पूछा गया। सभी श्रमिक बंधु पूरी तरह सुरक्षित हैं।

यंग इंडिया की....

यह कार्रवाई सोनिया और राहुल से पूछताछ के बाद की गई थी। नेशनल हेराल्ड केस का मामला सबसे पहले भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने 2012 में उठाया था। अगस्त 2014 में ईडी ने इस मामले में स्वत: संज्ञान लेते हुए मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया। केस में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस के ही मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडीज, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे को आरोपी बनाया गया था।

नेहरू ने शुरू किया था नेशनल हेराल्ड अखबार-जिस नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े मामले में सोनिया और राहुल को ईडी ने समन भेजा है, उसे 1938 में जवाहर लाल नेहरू ने 5 हजार स्वतंत्रता सेनानियों के साथ मिलकर शुरू किया था। इस अखबार का प्रकाशन असोसिएटेड जर्नल लिमिटेड (एजेएल) द्वारा किया जाता था। आजादी के बाद ये अखबार कांग्रेस का मुखपत्र बन गया। एजेएल इस अखबार का प्रकाशन तीन भाषाओं में करता था। अंग्रेजी में 'नेशनल हेराल्ड' के अलावा हिंदी में 'नवजीवन' और उर्दू में 'कौमी आवाज।' धीरे-धीरे अखबार घाटे में चला गया और कांग्रेस से मिले 90 करोड़ रुपए के कर्ज के बावजूद 2008 में बंद हो गया। 2010 में यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड नामक नया ऑर्गेनाइजेशन बना, जिसने नेशनल हेराल्ड को चलाने वाले एजेएल का अधिग्रहण कर लिया। ईडी की इस कार्रवाई पर कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंधवी ने कहा, ईडी के एजेएल संपत्तियों की कुर्की की खबरें प्रदेशों में चल रहे चुनावों में निश्चित हार से ध्यान हटाने की उनकी हताशा को दिखाती है।' उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के गठबंधन सहयोगी सीबीआई, ईडी या आईटी इनकी (बीजेपी) की हार को चुनाव में नहीं रोक सकता। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मिजोरम में विधानसभा चुनाव हो चुके हैं, वहीं राजस्थान और तेलंगाना में चुनाव होना है. पांचों राज्यों में हुए इलेक्शन का परिणाम 3 दिसंबर को आएगा।

स्वदेशी एंटी शिप मिसाइल का सफल परीक्षण, रक्षा मामले में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बड़ा कदम

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना और डीआरडीओ ने मंगलवार को स्वदेश में निर्मित नेवल एंटी शिप मिसाइल का सफल परीक्षण किया। सीकिंग 42बी हेलीकॉप्टर से यह परीक्षण किया गया। अहम मिसाइल तकनीक के मामले में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में यह परीक्षण बेहद अहम कदम है। परीक्षण के दौरान नौसेना और डीआरडीओ के शीर्ष अधिकारियों ने भी इस टेस्ट पर नजर बनाए रखी।

भारतीय नौसेना द्वारा किए गए इस परीक्षण में मिसाइल की सीकेर और गाइडेंस तकनीक का भी परीक्षण किया गया। किसी भी मिसाइल का उसके तय लक्ष्य को भेदना ही गाइडेंस तकनीक का हिस्सा है। कोई मिसाइल कितनी प्रभावी है, यह उसकी गाइडेंस तकनीक पर ही निर्भर करता है। नौसेना ने जो वीडियो जारी किया है, उसमें दिख रहा है कि महासागर के ऊपर उड़ रहे भारतीय नौसेना के हेलीकॉप्टर ने एंटी शिप मिसाइल फायर की, जिसने सफलतापूर्वक अपने लक्ष्य को भेद दिया। इससे पहले बीते साल मई में भी नौसेना ने डीआरडीओ के साथ मिलकर एंटी शिप मिसाइल का सफल परीक्षण किया था।

बंगाल के गवर्नर ने लगाए गंभीर आरोप

राजभवन की हो रही जासूसी, कहा- मेरे पास विश्वसनीय सूचना

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस सरकार के साथ बढ़ते तनाव के बीच पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि उनके आधिकारिक आवास राजभवन में जासूसी की कोशिश हो रही है। बोस ने दावा किया कि कोलकाता स्थित गवर्नर हाउस में जासूसी को लेकर उनके पास विश्वसनीय सूचना है। राज्यपाल ने कहा कि मामले को लेकर संबंधित अधिकारियों से शिकायत कर दी गई है। उन्होंने कहा, यह सच्चाई है। राजभवन में जासूसी को लेकर मेरे पास विश्वसनीय जानकारी है। फिलहाल मैं इंतजार कर रहा हूं और देखता हूं कि आगे क्या होता है।

राज्यपाल बोस ने यह नहीं बताया कि जासूसी प्रयास के पीछे कौन हो सकता है। मालूम हो कि बोस का राज्य सरकार के साथ कई मामलों को लेकर तनावपूर्ण संबंध रहा है। इसी महीने की शुरुआत में गवर्नर ने रवींद्रनाथ टैगोर के नाम वाली पट्टिकाओं की स्थापना पर यूनिवर्सिटी से रिपोर्ट मांगी थी। उन्होंने राजभवन के उत्तरी द्वार का नाम भी बदल दिया और गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर गेट रख दिया था। यह सब तब हुआ जब कैंपस के अंदर टैगोर के नाम के बिना कुछ पट्टिकाएं लगाई गईं, जिसे लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। राज्यपाल ने कुछ दिनों पहले कहा था कि बंगाल में हिंसा की संस्कृति बंद होनी चाहिए।

In The Court of III Civil Judge
Class-I, District Court, Jabalpur
presiding Officer:
श्वेता तिवारी
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक
(MJC SUC/0000101/2023)
विद्या निरंजन.........आवेदक
Vs
आम जनता.... अनावेदक
Process Id- /2023
पेशी दि.:-11/01/2024

प्रेषिती-
(1) आम जनता पता - जबलपुर म.प्र.
(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक विद्या निरंजन पता मंडी बमौरा तहसील बीना जिला सागर, म.प्र. ने मृतक कृपाल सिंह निरंजन निवासी 190, मां नर्मदा नगर बिलहरी, जबलपुर म.प्र. की भारतीय स्टेट बैंक शाखा प्रबंधक शाखा एन.आर.आई. कालोनी, प्रताप नगर महाराणा प्रताप सर्कल जयपुर, एच.डी.एफ.सी. बैंक, द्वारा शाखा प्रबंधक सानपडडा एस.एन.-1 से 4, बालाजी हाईटस पी.एन. 4 सेक्टर 11 नवी मुम्बई महाराष्ट्र में जमा राशि प्राप्ति हेतु राशि/सम्पत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/ संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 11 जनवरी 2024 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 11 जनवरी 2024 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। यह आज तारीख 12 अक्टूबर 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया।
न्यायालय की मुद्रा-
टिप्पणी - प्रकाशन एवं उपस्थिति हेतु नोटिस के साथ आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम वास्ते उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्रदान किए जाने बाबद की छायाप्रति संलग्न है।
कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।
(श्वेता तिवारी)
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड
जबलपुर , (म.प्र.)
र.नं. 1603

निविदा / नियुक्ति / जाहिरात

फौती नामांतरण
न्यायालय तहसीलदार रांझी, जबलपुर
रा.प्र.क्रं/0786/अ-6/2023-24
आम इश्तहार
आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुषमा दुबे/ शशिकांत दुबे मं.नं. 107 घमापुर जबलपुर ने नजूल ब्लॉक नं. 119 प्लाट नं. 18/20ए निर्मित रकवा/रकवा 750 व.फु./अवि. हिस्सा..../ग्राम .. प.ह.नं.... खसरा नं... रकवा ... व.फु./हे. विक्रय पत्र/हक त्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक.... मृत्यु दिनांक 01/11/1973 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, शपथ पत्र, खसरा की छाया प्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लॉक नं. 119 प्लाट नं. 18/20ए निर्मित रकवा/ रकवा 750 व.फु./अवि. हिस्सा..../ ग्राम... प.ह.नं. .. खसरा नं... रकवा.... व.फु./हे... कन्छेदी लाल वल्द भैयालाल शर्मा के नाम दर्ज है।
अत: किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 28.11.23 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।
इश्तहार आज दिनांक 11.10.2023 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक - 11.10.2023
पेशी दिनांक - 28.11.2023
तहसीलदार
र.नं. 1598 रांझी, जबलपुर

वसीयत नामा
न्यायालय तहसीलदार रांझी, जबलपुर
रा.प्र.क्रं/0672/अ-6/2023-24
आम इश्तहार
आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिल्पा टंडन जुनेजा/काशीनाथ टंडन नि.म.नं. बी./जी/7 दत्त आरकेड-1 नर्मदा जेकसन होटल के पास साउथ सिविल लाईन ने नजूल ब्लॉक नं. 23 प्लाट नं. 3/2 निर्मित रकवा/रकवा 130 व.फु./अवि.हिस्सा..../ग्राम सिविल स्टेशन प.ह.नं.... खसरा नं..... रकवा... व.फु./हे. वसीयतनामा/ दिनांक 27/12/2007 मृत्यु दिनांक 13/09/2022 को हो जाने के कारण वारसान हक/क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, शपथ पत्र, खसरा की छाया प्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा अनुसार नजूल ब्लॉक नं. 23 प्लाट नं. 3/2 निर्मित रकवा/ रकवा 130 व.फु./अवि. हिस्सा..../ ग्राम सिविल स्टेशन प.ह.नं. .. खसरा नं... रकवा.... व.फु./हे... गुलाब राय एण्ड संस के नाम दर्ज है। अत: किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 28.11.23 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियम दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।
इश्तहार आज दिनांक 11.09.2023 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक - 11.09.2023
पेशी दिनांक - 28.11.2023
तहसीलदार
र.नं. 1601 रांझी, जबलपुर

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हम श्रीमती जसमीत कौर साहनी पति श्री इन्दरपाल सिंह एवं श्रीमती तरनदीप कौर साहनी पुत्री श्री इन्दरपार सिंह- फ्लैट नं. 408, चौथी मंजिल, भसीन आर्केड गोरखपुर के संयुक्त मालिक काबिज हैं जिसे हमने पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 01.08.2022 के माध्यम से विक्रेता श्री मनोज सूद से खरीदा था। जिसकी लिंक विक्रय पत्र दिनांक 08.07.2009 दस्तावेज नं.565 की मूल प्रति रास्ते में आते जाते गुम हो गयी है। जिसकी गुमशुदगी की प्रथम सूचना रिपोर्ट दिनांक 09.11.2023 को थाना रांझी जबलपुर में की गयी। हमारे द्वारा उक्त फ्लैट नं.408 श्रीमती शाहीन खान पत्नि श्री मो. वसीम खान को विक्रय की जा रही है। निकट भविष्य में विक्रय पत्र पंजीकृत किया जाना तय है। उक्त संव्यवहार के संबंद्ध में किसी भी व्यक्ति/संस्था को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो वह सूचना प्रकाशन की तिथि के सात दिवस की अवधि में लिखित आपत्ति निम्न पते पर प्रस्तुत करें तत्पश्चात कोई भी आपत्ति अमान्य होगी।दिनांक: 21.11.2023
यशवंत कु.चौकसे (एडवोकेट)
3899, नेता कॉलोनी, शासकीय स्कूल के पीछे, आधारताल, जबलपुर मो.9039301960

देश-प्रदेश

उवाच

शाह, राजनाथ के बच्चे इंग्लिश स्कूलों में पढ़ते हैं

जालौर। राहुल गांधी ने अमित शाह और राजनाथ व अन्य नेताओं सहित भाजपा पर एक जनसभा में सीधा हमला किया। राजस्थान में सरकार की ओर से खोले गए अंग्रेजी माध्यम स्कूलों को लेकर राहुल ने कहा कि- अमित शाह, राजनाथ सिंह जैसे भाजपा नेताओं के बच्चे अच्छे इंग्लिश स्कूलों में पढ़ते हैं। लेकिन, वे आदिवासी बच्चों को नहीं पढ़ना देना चाहते। मैं चाहता हूं कि आदिवासी युवा अगर पायलट बनना चाहता है, अमेरिका जाना चाहता है तो ये उसका हक है। इसी उद्देश्य के साथ कांग्रेस काम कर रही है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने दिए कलेक्टरों को निर्देश कहा-

ईवीएम स्ट्रांग रूम और पोस्टल बैलेट की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहें

भोपाल, देशबन्धु। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने कहा कि सभी जिला निर्वाचन अधिकारी ईवीएम स्ट्रांग रूम और जिस जगह पर पोस्टल बैलेट रखा गया है, उसका प्रतिदिन 2 बार सुबह और शाम निरीक्षण करें। श्री राजन ने कहा कि अधिकारी ये सुनिश्चित कर लें कि ईवीएम स्ट्रांग रूम और पोस्टल बैलेट की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहें।

श्री राजन मंगलवार को निर्वाचन सदन भोपाल से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने विधानसभा निर्वाचन की 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना संबंधी जिलों में की जा रही तैयारियों को लेकर जिलेवार कलेक्टरों से विस्तार से चर्चा की और आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने ने कहा कि विधानसभा चुनाव की मतगणना 3 दिसम्बर को सुबह 8 बजे से डाक मतपत्रों की गिनती के साथ शुरू होगी। इसके बाद सुबह 8:30 बजे से ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी। श्री राजन ने कहा कि सभी जिला निर्वाचन अधिकारी सजग एवं सतर्क रहें और मतगणना को पारदर्शी प्रक्रिया से पूरी कराएं। स्ट्रांग रूम में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल की सुरक्षा व्यवस्था की जाए। मतगणना के दिन बिजली की सतत् आपूर्ति बनी रहे और किसी भी वजह से मतगणना प्रभावित न हो। सभी मतगणना केन्द्रों में अग्निशमन यंत्र भी अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहे। मतगणना स्थल पर सभी व्यवस्थाएं सुचारू तरीके से कर ली जाएं।

श्री राजन ने कहा कि अधिकारी अपने जिले की विधानसभा क्षेत्रों के लिए आवश्यकता के अनुरूप मतगणना टेबिल लगाएं। सभी मतगणना कर्मियों को विधिवत प्रशिक्षण दिया जाये, जिससे किसी भी स्तर पर मतगणना में देरी न हो। प्रत्येक मतगणना टेबल पर एक-एक माईक्रो ऑब्जर्वर भी नियुक्त करें। वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजेश कुमार कौल, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बसंत कुर्रे और उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद कुमार शुक्ला उपस्थित थे।

एग्जिट पोल पर 30 नवम्बर लगाया प्रतिबंध

भोपाल, देशबन्धु। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि आदर्श आचरण संहिता के दौरान 7 नवंबर की सुबह 7 बजे से 30 नवम्बर की शाम 6:30 बजे तक निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से इसका प्रचार-प्रसार करने पर प्रतिबंध रहेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 31 अक्टूबर को इस आशय की अधिसूचना

पिछले चुनाव के मुकाबले 2.10 प्रतिशत अधिक हुआ मतदान

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए प्रदेश में 17 नवंबर को शांतिपूर्ण तरीके से मतदान प्रक्रिया संपन्न हो गई है। अब 3 दिसंबर को मतगणना होगी। महापर्व में मतदाताओं ने उत्साह और उमंग के साथ सहभागिता निभाई और बढ़ चढ़कर मतदान किया। प्रदेश में विधानसभा निर्वाचन 2018 की तुलना में इस वर्ष 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज हुई। पोस्टल बैलेट के मतदान प्रतिशत को छोड़ दिया जाए, तो इस वर्ष प्रदेश में 77.15 फीसदी मतदान हुआ, जबकि विधानसभा निर्वाचन 2018 में प्रदेश में 75.05 प्रतिशत मतदान हुआ था। यानि वर्ष 2023 के विधानसभा निर्वाचन में 2.10 प्रतिशत मतदान की बढ़ोत्तरी हुई।

सी-विजिल एप पर आई 11 हजार से अधिक शिकायतें

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन के लिए प्रदेश में 17 नवंबर को मतदान प्रक्रिया संपन्न हुई। प्रदेश में पिछले विधानसभा निर्वाचन 2018 की तुलना में विधानसभा निर्वाचन 2023 में अब तक ढाई गुना अधिक शिकायतें मिली हैं। इस चुनाव में सी-विजिल एप से 11 हजार 257 शिकायतें आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की मिली, जिनका त्वरित निराकरण किया गया। पिछले 2018 के विधानसभा निर्वाचन में आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की 3 हजार 990 शिकायतें सी-विजिल एप के माध्यम से प्राप्त हुई थी।

अटेर के किशुपुरा मतदान केन्द्र पर हुआ पुनर्मतदान

भिंड, देशबन्धु। अटेर विधानसभा के किशुपुरा मतदान केंद्र 71 पर पुनर्मतदान आज सुबह 7 बजे से शुरू हुआ। मंगलवार को हुए इस पुनर्मतदान में शाम 6 बजे तक कुल 47.18 प्रतिशत मतदान हुआ। इसमें पुरूष मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 47.94 रहा, जबकि महिला मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 46.44 रहा। सुरक्षा की दृष्टि से 25 पुलिस के जवान और अर्ध सैनिक बल भी तैनात हैं। सभी गतिविधियों की रिकार्डिंग के लिए सीसीटीवी कैमरे और बेव कास्टिंग भी की गई थी। उल्लेखनीय है कि किशुपुरा मतदान केंद्र की गोपनियता भंग होने संबंधी शिकायत वीडियो के साथ चुनाव आयोग से की गई थी। जिस पर चुनाव आयोग ने कदम उठाते हुए पोलिंग बूथ पर तैनात कर्मचारियों को निलंबित करने के निर्देश दिए थे। इसके साथ ही किशुपुरा में पुनर्मतदान कराने का भी निर्णय लिया था। इसके बाद मंगलवार को किशुपुरा में पूरी सुरक्षा के साथ मतदान शुरू हुआ। यहां भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान कराया गया।

मतगणना की तैयारियों में जुटे राजनीतिक दल

कांग्रेस ने 26 को बुलाई प्रत्याशियों की बैठक

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में मतदान के बाद अब मतगणना की तैयारियां शुरू हो गई हैं। भाजपा-कांग्रेस दोनों ही तीन दिसंबर की तैयारियों में जुटे हुए हैं। इसी बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने राज्य की सभी 230 विधानसभा सीटों से कांग्रेस उम्मीदवारों को राजधानी भोपाल बुलाया है। इसी दिन सभी प्रत्याशियों को मतगणना को लेकर विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। दरअसल, कमलनाथ सभी कांग्रेस प्रत्याशियों को मतगणना के दिन की ट्रेनिंग दिलवाने वाले हैं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस ने इसके लिए तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। 26 नवंबर को कांग्रेस अपने सभी प्रत्याशियों को मतगणना की ट्रेनिंग देगी। इस दौरान कमलनाथ समेत सभी वरिष्ठ नेता और सभी उम्मीदवार मौजूद रहेंगे।

इस दौरान विशेषज्ञ कांग्रेस के सभी प्रत्याशियों को कुछ जरूर टिप्स भी देंगे। जो मतदान के दौरान उनके काम आएंगे। कमलनाथ पहले सभी 230 प्रत्याशियों को ट्रेनिंग दिलवाएंगे। इसके बाद सभी प्रत्याशी अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचकर अपने-अपने बूथ एजेंटों को ट्रेनिंग देंगे। ताकि मतगणना के दिन बूथ एजेंटों को भी मतदान से जुड़ी पूरी जानकारी रहे। बताया जा रहा है कि कमलनाथ ने इसके लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी में सभी तैयारियां करवा ली हैं, ताकि ट्रेनिंग के बाद आगे की प्रोसेस शुरू की जा सके। बताया जा रहा है कि वोटिंग के बाद भी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने एक सर्वे भी कराया है। इसमें सभी 230 विधानसभा सीटों पर हुई वोटिंग के बाद की स्थिति का अंदाजा लगाया जा रहा है। ऐसे में जिन सीटों पर मतगणना अंतिम दौर तक जाकर नतीजों पर रुकने वाली है, वहां के प्रत्याशियों को भी पहले से ही अलर्ट कर दिया गया है। इस बार प्रदेश में जमकर मतदान हुआ है। सूबे में 76 फीसदी तक वोटिंग हुई है।

राज्य की 230 विधानसभा सीटों के लिए एक चरण में 17 नवंबर को मतदान हो चुका है। मतदान का प्रतिशत वर्ष 2018 की विधानसभा चुनाव से ज्यादा रहा। कुल मिलाकर राज्य में अब तक हुए मतदान के प्रतिशत से कहीं ज्यादा है। इसके चलते सत्ताधारी दल भाजपा और विपक्षी दल कांग्रेस दोनों उत्साहित हैं और उन्हें लगता है कि बढ़े हुए मतदान प्रतिशत का लाभ उन्हें ही मिलेगा।

भाजपा ने मांगी रिपोर्ट

वीडी बोले- बहुमत के साथ बनेगी सरकार

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कम मतदान वाले बूथों की समीक्षा के लिए बूथवार रिपोर्ट मांगी है, ताकि बूथ प्रभारी के प्रदर्शन का भी आंकलन किया जा सके। श्री शर्मा ने दावा किया कि प्रदेश में बहुमत के साथ भाजपा सरकार बनेगी।

श्री शर्मा मंगलवार को सुबह से प्रदेश कार्यालय में मौजूद रहे और अलग-अलग जिलों से आए कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया। कार्यकर्ताओं ने बताया कि चुनाव में पार्टी की केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर सकारात्मक वातावरण था। लाड़ली बहना योजना का लाभ भी मिल रहा है।

जानकारी के अनुसार पार्टी के प्रदेश मुख्यालय ने सभी 64,626 मतदान केन्द्रों से रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है, जिससे कि जिन मतदान केन्द्रों पर कम मतदान हुआ है, उसके कारणों को जानने के साथ ही बूथ प्रभारी के प्रदर्शन का आकलन भी किया जाएगा। यह रिपोर्ट केन्द्रीय नेतृत्व को भी भेजी जाएगी। वहीं, जिन मतदान केन्द्रों पर प्रभारियों ने लापरवाही की है, उनकी सूची भी बनाई जाएगी।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत को लेकर आकलन अलग से किया जाएगा। पार्टी पदाधिकारियों का मानना है कि प्रदेश में इस बार रिकार्ड 77.15 प्रतिशत जो मतदान हुआ है, उसमें बूथ प्रबंधन की भी भूमिका रही है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा का कहना है कि केंद्रीय नेतृत्व की रणनीति और 64 हजार 626 बूथों पर प्रभारियों की मेहनत का परिणाम है कि भाजपा इस बार पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने जा रही है।

राजस्थान में कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी

10 लाख युवाओं को नई नौकरियां देने का वादा

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में 25 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव को देखते हुए कांग्रेस ने मंगलवार को प्रदेश की जनता के लिए अपना घोषणापत्र जारी कर दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जयपुर में कांग्रेस के वार रूम से ये घोषणात्र जारी किया।

कांग्रेस ने अपने घोषणात्र में राज्य के किसानों, महिलाओं और युवाओं सभी को साधने का प्रयास किया है। इनमें किसानों, युवाओं से लेकर महिलाओं को ध्यान में रखकर ऐलान किए गए हैं। घोषणापत्र में वादा किया गया है कि कांग्रेस की सरकार बनने के बाद घर की

- घर की महिला मुखिया को हर साल मिलेंगे 10 हजार रुपए
- चिरंजीवी बीमा की राशि को 25 लाख से बढ़ाकर 50 लाख किया जाएगा

महिला मुखिया को हर साल 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। साथ ही 10 लाख युवाओं को नई नौकरियां देने का वादा भी किया गया।

कांग्रेस ने घोषणापत्र में वादा किया है कि पंचायत स्तर पर सरकारी नौकरी का नया काडर बनाया जाएगा। कांग्रेस ने घोषणापत्र में प्रदेश की महिलाओं को भी साधने का प्रयास किया है। कांग्रेस ने वादा किया है कि गैस सिलेंडर अभी 500 रुपए का मिल रहा है, उसे 400 किया जाएगा। साथ ही परिवार की महिला मुखिया को हर साल 10 हजार रुपए दिए जाएंगे। मनरेगा और इंदिरा गांधी शहरी रोजगार में 125 से बढ़ाकर 150 दिन किया जाएगा। छोटे व्यापारियों, दुकानदारों को 5 लाख रुपए तक का ब्याज मुक्त लोन उपलब्ध करवाने के लिए व्यापारी क्रेडिट कार्ड योजना शुरू होगी।

मुख्यमंत्री ने की खरीफ उर्वरक व्यवस्था की समीक्षा, कहा-

उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता और वितरण व्यवस्था सुनिश्चित हो

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार अगले दो-तीन दिन में प्रदेश में वर्षा की संभावना है, इसके बाद उर्वरक की मांग बढ़ेगी। अत: सभी केंद्रो पर उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता और उचित वितरण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उर्वरकों के आंतरिक वितरण पर निगरानी की व्यवस्था सजग और सुचारू रूप से जारी रहे। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में खरीफ उर्वरक व्यवस्था और रबी बोवनी की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे।

बैठक में जानकारी दी गई की अब तक रबी फसल की 81 लाख 71 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बोवनी हो चुकी है, जो गत वर्ष से 5.33 प्रतिशत अधिक है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यूरिया, डीएपी, एनपीके, एसएसपी की संभागवार उपलब्धता, विक्रय तथा शेष स्टॉक की स्थिति की जानकारी प्राप्त की।

बैठक में बताया गया कि उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। प्रदेश में विपणन संघ के 422 विक्रय केंद्र संचालित हैं, विपणन सहकारी समितियों के 154 विक्रय केंद्रों से नगद उर्वरक विक्रय आरंभ किया गया है। विपणन सहकारी समितियों द्वारा 92 अतिरिक्त विक्रय केंद्र आरंभ किए गए हैं और किसानों को लंबी-लंबी लाईनों से बचाने के लिए उर्वरक वितरण टोकन के माध्यम से करने की व्यवस्था की जा रही है। अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव संजय दुबे, उमाकांत उमराव तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- सं.क्र.11/19-20/ दिनांक 21/11/2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री निशांत चड्डा पिता स्व. संतोष कुमार चड्डा श्रीमती सुखवर्षा चड्डा पत्नी स्व. संतोष कुमार चड्डा ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई वार्ड के भवन क्रमांक ए/104 ओमसॉई आकर्ष अपार्टमेन्ट बिलहरी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 46601709, 1000388279 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल/ रकवा ... व.फु. जिस पर निर्मित भूतल ... व.फु. प्रथम तल 1071 व.फु. आरसीसी पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र मृत्यु प्रमाण पत्र, विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज नीलू चड्डा पुत्री स्व. संतोष कुमार चड्डा का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.-11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र.11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- सं. क्र.11/19-20/.. दि.21/11/2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कुमारी जीविका साहू पिता सहदेव राम साहू ने वार्ड क्रमांक 43 वार्ड का नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड के भवन क्रमांक 194/1-199/1 कांचघर चौक सम्पत्ति के पिन क्रमांक 43001950, 1000446642, जलकर-1002495844 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल/रकवा ... व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 161 व.फु. स्व. रह., 161 व.फु. व्यवसायक, 600 व.फु. व्यवसायक, प्रथम तल 739 व.फु. आरसीसी स्वयं रहवास पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्री जागेश कुमार ढ़ल पिता श्री नन्द लाल ढ़ल का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.-11 नगर निगम, जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्रं.-07 अधारताल जबलपुर (म.प्र.)

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 85

2022-2023 दिनांक 10/10/2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता श्री मोहम्मद सलीम, पिता- मरहूम श्री मोहम्मद यासीन ने भवन क्रंमाक-4201, संपत्ति कर/ पिन नं. 1000446220 जलकर पिन नं....., पर विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी -श्री साहिब राव/नत्थू जी कुणेड, वार्ड सुभाष चंद बोस वार्ड, निर्मित भूतल 850 व.फु. आर.सी.सी. , पंजीकृत मुख्त्यारनामा, के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय क्रमांक 07 में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी, संभाग क्रमांक-07, अधारताल, नगर निगम, जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्रं.-07 अधारताल जबलपुर (म.प्र.)

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 86

2022-2023 दिनांक 10/10/2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता श्री मोहम्मद शादाब सलीम, पिता- श्री मोहम्मद सलीम ने भवन क्रंमाक-4202, संपत्ति कर/ पिन नं. 1000445381 जलकर पिन नं....., पर विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी -श्री वामन राव सावेर/स्व. श्री लाहन्या, वार्ड सुभाष चंद बोस वार्ड, निर्मित भूतल 1536 व.फु. आर.सी.सी. , पंजीकृत मुख्त्यारनामा, के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय क्रमांक 07 में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी, संभाग क्रमांक-07, अधारताल, नगर निगम, जबलपुर

नाम परिवर्तन सूचना

मैं आर्मी नं. 13764628W Rank HAV Name CHURA MANI residing at Vill-GHARWAN PO- KOTLI Teh- KOTLI Distt MANDI (HP) PIN - 175003 शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी माता का नाम HEMRI DEVI दर्ज है जो कि गलत है मेरी माता का सही एवं वास्तविक नाम HIMARI DEVI है जो कि मेरी माता के आधार कार्ड एवं अन्य कागजातो में दर्ज है, एवं मेरी माता की इस नाम HIMARI DEVI को पढ़ा व सुना जाए एवं मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाये। द्वारा शपथ पत्र नं. 36AA 597142 दिनांक 21/11/2023 नोटरी जबलपुर म.प्र.

गलत नाम-HEMRI DEVI
सही नाम-HIMARI DEVI

नाम परिवर्तन सूचना

मैं आर्मी नं. 2706173M RANK-L/NK NAME- JETHWA RAMA BHAI THARANBHAI UNIT- 12 GRENADIERS निवासी Vill-MOTI DHANEJ, POST- MALIYA (HATINA), TEH- MALIYA (HATINA), DISTT- JUNAGADH, STATE-(GUJARAT) PIN- 362245 शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी माताजी का नाम JETHAVA BHEIVI BEN THARANBHAI दर्ज है जो कि गलत है मेरी माताजी का सही एवं वास्तविक नाम JETHAVA BHENI BEN THARANBHAI है जो कि मेरी माताजी के आधार कार्ड एवं अन्य कागजातों में दर्ज है, एवं मेरी माताजी के इस नाम JETHAVA BHENI BEN THARANBHAI को पढ़ा व सुना एवं मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे।

गलत नाम- JETHAVA BHEIVI BEN THARANBHAI
सही नाम- JETHAVA BHENI BEN THARANBHAI

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्रं.-07 अधारताल जबलपुर (म.प्र.)

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 96

2022-2023 दिनांक 31/10/2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता श्रीमती रेखा मुहारिया, पति- स्व. श्री रामकुमार मुहारिया ने भवन क्रंमाक-3810/पी-19, संपत्ति कर/ पिन नं. 1000364878 जलकर पिन नं....., पर विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी -श्री रामकुमार मुहारिया, पिता- एच.एल. मुहारिया, वार्ड शहीद अ.हमीद वार्ड , विक्रय प्लाट रकवा 1000 व.फु., निर्मित भूतल 700 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 700 व.फु. आर.सी.सी. , पंजीकृत विक्रयपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, सहमति शपथ पत्र, के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय क्रमांक 07 में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी, संभाग क्रमांक-07, अधारताल, नगर निगम, जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्रं.-07 अधारताल जबलपुर (म.प्र.)

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 92

2022-2023 दिनांक 25/10/2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता श्रीमती रेहाना बेगम कादरी, पति- श्री मकसूद अहमद कादरी ने भवन क्रंमाक-2755 का भाग, संपत्ति कर/ पिन नं. 1000364795 जलकर पिन नं....., पर विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी -श्रीमती बेलवती बाई, वार्ड शहीद अ.हमीद वार्ड , विक्रय प्लाट रकवा 1196 व.फु., निर्मित भूतल 1000 व.फु. आर.सी.सी. , विक्रयपत्र, के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय क्रमांक 07 में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी, संभाग क्रमांक-07, अधारताल, नगर निगम, जबलपुर

बस दुर्घटना में 4 की मौत, 11 घायल

गोधरा, एजेंसी। गुजरात के पंचमहल जिले में गोधरा शहर के पास एक राजमार्ग पर मंगलवार को निजी लग्ज़री बस एक खड़ी बस से टकरा गई, जिससे चार यात्रियों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए।

मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं। गोधरा के अनुमंडल मजिस्ट्रेट प्रवीण सिंह जयतावत ने बताया कि दुर्घटना तड़के करीब साढ़े तीन बजे दाहोद-गोधरा राजमार्ग पर हुई, जब इंदौर जा रही एक बस तकनीकी समस्या के कारण सड़क के किनारे रुकी थी और उसकी मरम्मत की जा रही थी। उन्होंने कहा, ''दाहोद से आ रही एक अन्य लग्ज़री बस का चालक आगे खड़ी बस को नहीं देख सका और उसने अपने वाहन से खड़ी बस में टक्कर मार दी। दुर्घटना में दो महिलाएं और दो बच्चे समेत चार यात्रियों की मौत हो गई।'' घटना में 11 अन्य यात्रियों को चोटें आईं। अधिकारी ने कहा कि उनमें से नौ का गोधरा के एक सरकारी अस्पताल में इलाज हो रहा है, जबकि गंभीर रूप से घायल दो अन्य लोगों को चिकित्सा सहायता के लिए वडोदरा रेफर किया गया है।

वेंकटस्वामी के आवास व कार्यालयों पर छापा

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में आयकर विभाग अधिकारियों ने मंगलवार को पूर्व सांसद एवं कांग्रेस नेता विवेक वेंकटस्वामी के आवासों एवं दफ्तरों की तलाशी ली। सूत्रों ने बताया कि आयकर अधिकारियों में मंगलवार को तड़के सोमाजीगुडा हैदराद, मंचेरियाल तथा बेगमपेट में वेंकटस्वामी के दफ्तरों में छापा मारा। सूत्रों के मुताबिक आयकर अधिकारियों में ये कार्रवाई उनकी कंपनी में आठ करोड़ रुपए के लेनदेन की सूचना पर की।

पूर्व विधायक विजय मिश्रा की 23 करोड़ की संपत्ति कुर्क

भदोही, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में बाहुबली पूर्व सपा विधायक विजय मिश्रा की पुत्री व परिजनों के नाम अपराधिक कृत्यों से अर्जित धन से खरीदी गई संपत्ति को मंगलवार को कुर्क कर लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक डॉ मीनाक्षी कात्यायन ने यहां बताया कि राज्य सरकार के निर्देश पर संगठित अपराध के खिलाफ अभियान के तहत यह कार्रवाई की गयी। उन्होने बताया कि थाना गोपीगंज में दर्ज मुकदमा धारा-3(1) उ0प्र0 गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी किया-कलाप (निवारण) अधिनियम के तहत सफेदपोश माफिया व गैंग लीडर अभियुक्त विजय कुमार मिश्रा निवासी खपटिहा, थाना हंडिया, प्रयागराज द्वारा अपराधिक कृत्यों से खरीदी गई भूमि को जिलाधिकारी भदोही गौरांग राठी के आदेश पर शासन के पक्ष में कुर्क कर लिया गया। बताया जाता है कि पूर्व विधायक द्वारा नाजायज ढंग से अर्जित धन को वैध रूप देने लिए पुत्री सीमा व वैष्णवी के नाम प्रयागराज में 0.773 हेक्टेयर जमीन को 23 करोड़ 20 लाख रूपए खरीदा गया था। इस सम्पत्ति को जिला मजिस्ट्रेट भदोही के आदेश पर 14(1) गैंगस्टर एक्ट के तहत राज्य सरकार के पक्ष में जब्त कर लिया गया।

इस कार्यवाही में भदोही पुलिस के अलावा प्रयागराज पुलिस तथा राजस्व विभाग की संयुक्त टीम लगाई गई थी। उन्होने बताया कि गैंग लीडर व चिन्हित माफिया के विरुद्ध हत्या, लूट, अपहरण, बलात्कार, मारपीट, सम्पत्ति हड़पने, जालसाजी, रंगदारी सहित गम्भीर अपराधों के कुल 83 अभियोग पंजीकृत हैं।

देशबन्धु

जबलपुर, बुधवार 22 नवम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

कानून को फिर ठेंगा दिखाया राम रहीम ने

विवादास्पद धर्मगुरु और डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम ने एक साल में पांचवी बार पैरोल हासिल कर एक बार फिर से बता दिया है कि रसूखदारों के समक्ष कानून की कोई बिसात नहीं है। गुरमीत राम रहीम इंसान के नाम से जाना जाने वाला यह धर्मगुरु एक रेप मामले में रोहतक की सुनारिया जेल में बंद था। उसे 21 दिनों की पैरोल मिली है। चार दिन पहले उसकी ओर से पैरोल की अपील की गई थी तथा वह मंगलवार की दोपहर जेल से निकलकर उत्तरप्रदेश के बागपत के बरनावा आश्रम में पैरोल के दिन काटने के लिये रवाना हो गया। उसे डीएसपी के नेतृत्व में एक पुलिस टीम बाकायदा बरनावा आश्रम तक सुरक्षित छोड़कर आयेगी। राम रहीम को जेल में लेने के लिये उसके कुछ शिष्य आये थे जो उनके साथ ही रहेंगे। स्वाभाविक है कि फरलो मंजूर होने के बाद राम रहीम के अनुयायियों और समर्थकों में खुशी की लहर है। यह भी बताया जाता है कि बरनावा आश्रम में उसके आने की भव्य तैयारियां कर ली गई हैं।

उल्लेखनीय है कि राम रहीम को अपनी दो शिष्याओं के साथ बलात्कार करने एवं एक पूर्व डेरा प्रबंधक रंजीत सिंह की हत्या के आरोप में 20 वर्ष की सुनाई गई है। अगस्त 2017 में पंचकूला की एक विशेष सीबीआई अदालत ने उसे दोषी करार दिया था। उनके आश्रम को लेकर अनेक तरह की बातें कही जाती हैं लेकिन कहते हैं कि सारी बातें उसके प्रभाव व भय से कभी सामने नहीं आ पाईं।

वैसे राम रहीम को फरलो पर बाहर आने के मसले को हरियाणा 2024 में होने वाले विधानसभा चुनाव के साथ भी जोड़ा जा रहा है। राम रहीम का एक बड़े वर्ग पर अच्छा-खासा प्रभाव है जो उसके अपराधी साबित होने के बाद भी कम नहीं हुआ है। कहते हैं कि हरियाणा की सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी पहले भी उसकी मदद अपने प्रचार के लिये अप्रत्यक्ष रूप से लेती रही है। इसके एवज में ही राम रहीम पर यह मेहरबानी होती है। उसे सबसे पहले 30 दिनों की पैरोल 17 जून 2022 को मिली थी। उस दौरान भी वह बरनावा आश्रम में रहा था। फिर 15 अक्टूबर को उसे दूसरी बार पैरोल मिली थी। 21 जनवरी, 2023 को तीसरी बार उसे 40 दिनों के लिये फरलो मिली। पैरोल पूरी कर वह तीन मार्च को वापस सुनारिया जेल चला गया था। चौथी बार फिर 20 जुलाई को 30 दिनों की पैरोल प्राप्त कर वह फिर अपने बरनावा आश्रम पहुंचा था।

यह सचमुच आश्चर्यजनक है कि ऐसे जघन्य अपराधों के लिये सजा काट रहा एक व्यक्ति कैसे मनमर्जी से पैरोल पा लेता है जबकि देश की जेलों में सजा काट रहे लाखों लोगों को एक दिन की छुट्टी पाना तक मुहाल हो जाता है- चाहे किसी के घर में मौत हुई हो या किसी का नज़दीकी सख्त बीमार पड़ा हो जो उसका मुंह आखिरी बार देखने के लिये तरस रहा हो। जेलों में बन्द बहुत से ऐसे लोग भी होते हैं जिन्हें सज़ा तक नहीं सुनाई गई होती और वे विचाराधीन यानी अंडर ट्रायल कैदी होते हैं। इतना ही नहीं, नियमों के अनुसार उनके परिजन या मित्र उनसे दो-चार मिनटों के लिये मिलने के लिये अवसर तक नहीं पा सकते क्योंकि मुलाकात कराने की प्रक्रिया बेहद दुरुह है। इसके अलावा सम्पूर्ण न्यायालयीन व कानूनी प्रक्रिया में फैला भयानक भ्रष्टाचार गरीबों व अभावग्रस्त लोगों को अपने अधिकार का लाभ उठाने से तक रोक देता है। भारत की किसी भी जेल के बाहर यह दृश्य आम होता है कि हजारों की संख्या में लोग जेलों में बन्द अपने किसी नज़दीकी से मिलने के लिये घंटों इंतज़ार करते रहते हैं। या तो उनकी मुलाकात हो ही नहीं पाती या फिर उन्हें बार-बार जेल के दरवाजों पर आना पड़ता है। केवल मुलाकात करने का आदेश पाना या फिर उसका क्रियान्वयन करा लेना अपने आप में एक बड़ी कठिन चुनौती होती है। इतना ही नहीं, बहुत छोटी सी जमानत राशि के अभाव में लाखों गरीब, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक, निरक्षर, एकाकी लोग बगैर सजा मिले कई-कई साल जेलों की कोठरियों में गुजार देते हैं।

ऐसे में राम रहीम जैसों को चाहे जब पैरोल मिल जाना आश्चर्यकारी से अधिक दुखद ही कहा जा सकता है। जिस गति से उनकी अस्थायी मुक्ति के दस्तावेज़ एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय और एक टेबल से दूसरी टेबल की यात्रा करते हैं, वह बतलाता है कि देश में कुछ लोगों के लिये एक कानून है तो अन्य लोगों के लिये दूसरा कानून। कानून के समक्ष समानता का अधिकार यहां पानी मांगता नज़र आता है। हालांकि इसका बचाव करने वाले कहते हैं कि जो भी हो रहा है वह विधिसम्मत ही होता है। सवाल तो यह है कि सुविधाहीन एवं सामान्यजनों के लिये विधिप्रदत्त अधिकार कहां हवा हो जाते हैं। व्यवस्था वास्तविक रूप से ज़रूरतमंदों को ऐसी राहत कभी नहीं दे पाती।

सबसे दुखद तो यह है कि ऐसे अपराधियों का उपयोग राजनैतिक दल चुनाव जीतने के लिये करते हैं। पिछले कुछ समय से देश की जो हवा बदली है उसमें भाजपा को कांग्रेस व अन्य कई दलों द्वारा बनाये गये विपक्षी गठबन्धन इंडिया की ओर से गम्भीर चुनौतियां मिल रही हैं। हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में मिली हार के बाद जिस प्रकार से भाजपा के सिर पर जारी पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी खतरा मंडरा रहा है, भाजपा को हर ऐसे व्यक्ति की ज़रूरत है जो उसके वोट बैंक में इज़ाफ़ा कर सके। अपराधियों को यूं खुली छूट घातक है।

कांग्रेस के हाथ में लौटा 'सामाजिक न्याय' का अस्त्र

10 वर्षों की धमाचौकड़ी के बाद अगर भारतीय जनता पार्टी और उनके सर्वेसर्वा बन बैठे नरेन्द्र मोदी ढलान पर दिख रहे हैं तो उसका कारण है कांग्रेस के हाथों में लौट आया 'सामाजिक न्याय' का वह अस्त्र, जिसके बल पर उसने देश की तस्वीर व तकदीर को संवारा है। भीषण गरीबी, निरक्षरता, बदहाली, असमानता और अनेकानेक काली परतों को चीरकर एक आत्मनिर्भर व चमकदार भारत का निर्माण इसलिये हो सका क्योंकि यह मुद्दा व आजादी का मसला अंतर्गुंफित थे। स्वतंत्रता की लड़ाई में सम्प्रभुता बेशक महत्वपूर्ण थी, लोगों के सशक्तिकरण की आकांक्षा कहीं अधिक बलवती थी। स्वतंत्रता का घोषित उद्देश्य स्वाभाविक तौर पर भारत की विदेशी साम्राज्यवाद से मुक्ति का था, पर महात्मा गांधी की अगुवाई में कांग्रेस द्वारा लड़े गये आजादी के आंदोलन का प्रमुख लक्ष्य करोड़ों लोगों को सामाजिक न्याय दिलाना था।

सामाजिक न्याय ही वह आकर्षण था जिसके कारण भारत का स्वतंत्रता संग्राम केवल राजा-महाराजाओं, जमींदारों या कुलीन वर्ग का होकर नहीं रह गया था। उन्होंने भी उसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था जो वंचित, शोषित, गरीब और कमज़ोर थे। गांधीजी ने अपने रहन-सहन, भाषणों, लेखों तथा कांग्रेस की बैठकों में इस बात को साफ कर दिया था कि उनके लिये आजादी के क्या मायने हैं और किनके लिये वे अपने जीवन को स्वाहा कर रहे हैं। जॉन रस्किन की जिस किताब 'अन टू दिस लास्ट' ने उन्हें रात भर सोने नहीं दिया तथा जिसे पढ़कर उन्होंने सर्वोदय को अपना तिलस्मा तैयार कर देश की सरकारों व संस्थाओं को दिया, वही 'सर्वोदय' की भावना एक तरह से लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा के रूप में पल्लवित होता दिखता है। उनके विचारों की शब्द देह कही जाने वाली 'हिन्द स्वराज' पुस्तक में उनका यही मंत्र स्वतंत्र भारत की सरकारों के लिये कम्पास की तरह काम करता रहा और वही सामाजिक न्याय की गांधी की अवधारणा है।

देश स्वतंत्र होने के बाद कांग्रेस की तमाम सरकारों एवं उनके प्रमुख प्रधानमंत्रियों ने देश को इस मुद्दे पर कभी भी निराश नहीं किया। समाजवाद से प्रभावित पहले प्रधानमंत्री पण्डित जवाहरलाल नेहरू ने करोड़ों किसानों को घोर गरीबी से बाहर निकालने के लिये कृषि को संवारने का बीड़ा उठाया। बड़े बांधों और नहरों के जाल बिछाने के अलावा खाद कारखाने, कृषि सम्बन्धी शोध व अध्ययन को बढ़ावा दिया। किसानी के काम में छोटी जोत के व सीमांत किसानों, खेतिहर मजदूरों की संख्या अधिक थी और हाथ से काम करने वाले ये सारे समाज के निचले वर्गों से ही आते थे। अब भी काफी कुछ वैसा ही है। इसके बाद उल्लेखनीय काम किया इंदिरा गांधी ने। उनकी लाई गरीबी उन्मूलन योजना, 20 सूत्री कार्यक्रम, हरित क्रांति, साहूकारी व्यवस्था का अंत, बैंकों का राष्ट्रीयकरण, प्रीवी पर्स की समाप्ति आदि जैसे कार्यक्रम भी प्रकारांतर से सामाजिक न्याय के ही स्वरूप थे। बीच में आए लालबहादुर शास्त्री को उतना वक्त ही न मिल पाया परन्तु उन्होंने इस काम को कहीं रुकने नहीं दिया। 1984 में आये राजीव गांधी के बारे में सोचा गया कि वे विदेशी मानसिकता में पले-बढ़े हैं इसलिये देश का कहीं अधिक पश्चिमीकरण होगा जिसमें यह मुद्दा खूंटी पर टंग जायेगा। इसके विपरीत उन्होंने पंचायती राज को मजबूत किया, नवोदय स्कूल खोले, भारत को डिजीटल बनाने में मदद की, मताधिकार की आयु को घटाया। इन सबके कारण निचले तबके के लोगों के लिये बगैर भेद-भाव अवसरों के नये-नये दरवाज़े खुले। आधुनिक व्यवस्था के बीच में भी उनके समय सामाजिक न्याय ने अपनी जगह नहीं छोड़ी थी।

डॉ. दीपक पाचपोर

कुछ समय से सामाजिक न्याय का मुद्दा फिर से कांग्रेस के हाथों में आ गया है जिसे पिछले दिनों हुए कर्नाटक विधानसभा के चुनावों में सफलता मिली है। छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश के हो चुके तथा राजस्थान व तेलंगाना के होने जा रहे विधानसभा चुनावों में (नतीजे 3 दिसंम्बर को) जातिगत जनगणना के माध्यम से लोगों को अवसर देने की गारंटी है।

1991 में जब पीवी नरसिंह राव पीएम बने, नयी वैश्विक अर्थप्रणाली का आगमन हो चुका था। इस व्यवस्था के तहत रोज-रोज खुलते नये-नये उद्योग-धंधों व कारोबार ने सामाजिक न्याय के मुद्दे को विस्मृत ही नहीं वरन उसका तिरस्कार भी किया। पश्चिम प्रवर्तित नयी व्यवस्था के अंतर्गत देश के होते कार्पोरेटरीकरण के अनुसार हाशिये पर खड़े लोगों के लिये कुछ करना फिजूलखर्ची तथा इकानॉमी पर बोझ डालना बताया गया। मंडल आयोग की आरक्षण की सिफारिशों अब और कड़ी आलोचना का विषय बन गईं। यह देश का ऐसा बड़ा नरेशन बन गया कि उसके शोर-गुल में बाबरी मस्जिद के ढहाने का काम भी हो गया। इसी के बल पर पीएम बने अटल बिहारी वाजपेयी ने सामाजिक न्याय के मुद्दे को और भी पीछे ठेल दिया। वे इंडिया को शाइन करते रहे। 2004 में कांग्रेस सरकार में लौटी तो भारत के चाल बदलने की बहुत उम्मीद नहीं थी परन्तु कमान गांधी परिवार की बहू सोनिया गांधी के हाथ में थी- प्रधानमंत्री चाहे उसी वैश्विक अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करने वाले डॉ. मनमोहन सिंह थे। वे मनरेगा, भोजन का अधिकार जैसी योजनाएं लेकर आये। उन्होंने पंचायती राज को फिर मजबूत किया, खनिज न्यासों की स्थापना की, ग्राम सभाओं के अधिकार बढ़ाये और इन सबके माध्यम से कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को पुनर्जीवित किया।

पीवी नरसिंह राव एवं मनमोहन सिंह के काल में अलबत्ता एक ऐसा आत्मकेंद्रित व स्वार्थी नवधनाढ्य, खाया-पिया अघाया वर्ग तैयार हो गया जो सब्सिडी को गैर ज़रूरी मानता है, लोक कल्याणकारी योजनाओं से नफरत करता है और निचले तबकों को उसका वाजिब हक देना ही नहीं चाहता। वह पूरे समाज को थोड़े से टैक्स पेयरों व बड़े उद्योगपतियों की बपौती मानता है। सुविधायुक्त मकान, कार, अच्छा-खासा बैंक डिपॉजिट एवं टेक्नॉलाजी से सज्जित यह छोटा सा वर्ग सामाजिक व राजनैतिक शक्तियां हासिल कर हाशिये पर खड़े वर्गों को सफे से बाहर करने पर तुला है। यही वह वर्ग है जो भारतीय जनता पार्टी व मोदी को इसलिये पसंद करता है क्योंकि वे बहुजन विरोधी सोच पर आधारित हैं। गरीबों, दलितों, किसानों, मजदूरों, अल्पसंख्यकों से घृणा करने वाला इस बात के प्रति सतर्क रहता है कि कोई भी नेता या राजनैतिक पार्टी सामाजिक न्याय पर बात न करे। इसलिये मोदी के लाये काले कृषि कानूनों के समर्थन में यही वर्ग था जो खेतों में कभी उतरा भी न हो। ये ही वे लोग हैं जो किसानों, आदिवासियों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों की आवाज उठाने वालों को जेल में डालने पर आनंदित होते हैं। कोरोना काल में सड़कों पर मरते मजदूर इनके मनोरंजन का विषय रहते हैं। सबके पीछे उनकी यही मंशा होती है कि उन्हें न्याय न मिले।

पिछले कुछ समय से सामाजिक न्याय का मुद्दा फिर से कांग्रेस के हाथों में आ गया है जिसे पिछले दिनों हुए कर्नाटक विधानसभा के चुनावों में सफलता मिली है। छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश के हो चुके तथा राजस्थान व तेलंगाना के होने जा रहे विधानसभा चुनावों में (नतीजे 3 दिसंम्बर को) जातिगत जनगणना के माध्यम से लोगों को अवसर देने की गारंटी है। इसकी नौबत इसलिये आई क्योंकि भाजपा ने अपने इस 10 वर्षीय शासन में दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों के हकों को छीन लिया है। चोर दरवाजे से सारे अवसर पहले से सुविधासम्पन्न तथा ऊंचे तबकों को दिये जा रहे हैं।

ऐसे समय में जब लोगों के दिमाग से उनके ही पैसों से होने वाला निजी क्षेत्रों के पोषण का भूत उतर रहा है, भाजपा का ध्रुवीकरण का मुद्दा भोथरा हो चुका है- कांग्रेस का सामाजिक न्याय का मुद्दा फिर से राजनीति के सिर पर चढ़कर बोल रहा है। सामाजिक न्याय की कस्टोडियन व चैंपियन तो आखिरकार कांग्रेस ही है। विशेषकर, नेहरू-गांधी परिवार की भावना सामाजिक न्याय ही है। अब यह अस्त्र वापस गांधी परिवार के हाथ में आ गया है जिसके नये ब्रांड एंबेसडर राहुल गांधी हैं। भाजपा की मुसीबत यहीं से शुरू होती है क्योंकि उसकी न तो सामाजिक न्याय देने की हसरत है, न उसका ट्रैक रिकार्ड है और न ही उसके पास कोई ब्लू प्रिंट।

(लेखक देशबन्धु के राजनीतिक सम्पादक हैं)

गरीबों को मुफ्त अनाज देने से चुनाव जीतने की संभावना नहीं

■ नन्तू बनर्जी

केन्द्र सरकार की ओर से 2020-21 में कोविड महामारी के दौरान लंबी लॉक डाऊन अवधि में देश में गरीबों और निम्न आय वर्ग के 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराना बहुत सोच-समझकर किया गया था। इस सुविधा को दो बार बढ़ाया गया था, आखिरी बार 1 जनवरी, 2023 को एक वर्ष की अवधि के लिए। पिछले विस्तार का संबंध संभवत:नागालैंड,त्रिपुरा, मेघालय, और कर्नाटक में चुनावों से अधिक था। अब वर्तमान पांच राज्यों के चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा की कि देश की लगभग 60प्रतिशत आबादी अर्थात 80 करोड़ से अधिक लोगों के लिए लगभग सालाना 15,000 करोड़ रुपये के सरकारी खर्च पर मुफ्त राशन (खाद्यान्न) योजना फिर से पांच साल के लिए, यानी 2028 तक बढ़ा दी जायेगी।

छत्तीसगढ़ के दुर्ग में एक चुनावी रैली में की गई घोषणा बेतुकी लगती है। यह सरकार के स्वयं के वार्षिक आर्थिक विकास के दावों और देश के बहुआयामी गरीबों की पंजीकृत संख्या में वार्षिक ऑन-पेपर गिरावट को चुनौती देता है। मुफ्त खाद्यान्न योजना के तहत, भारत में गरीबों की आबादी 2028 के अंत तक 80 करोड़ से अधिक स्थिर रहने की उम्मीद है। यह संख्या इस साल जुलाई में सरकार की अपनी रिपोर्ट के विपरीत है, जिसमें कहा गया था कि लगभग 13.5 करोड़ लोग या इसके करीब लोग गरीब हैं। दावा किया गया था कि मार्च 2021 तक पांच वर्षों में भारत की 10 प्रतिशत आबादी गरीबी से बच गई। गवर्नमेंट थिंक टैंक नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने कहा, 'पोषण में सुधार, वर्षों की स्कूली शिक्षा, स्वच्छता और खाना पकाने के ईंधन ने गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।'

दो प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठते हैं: देश के 80 करोड़ से अधिक गरीब लोगों के अनुमान का स्त्रोत क्या है जो सरकार द्वारा प्रदान किया जाने वाला बेहद सस्ता राशन भी नहीं खरीद सकते हैं और सरकार को क्या लगता है कि ऐसे लोगों की संख्या 2028 तक स्थिर बनी रहेगी। इसका उत्तर अगले साल जून से पहले लोकसभा और सिक्किम और संभवत: जम्मू-कश्मीर में चुनाव लड़ने के दबाव में हो सकता है।

इसके अलावा, नीति आयोग की रिपोर्ट में विस्तार से बताया गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई। अध्ययन में कुपोषण, शिक्षा और स्वच्छता जैसे 12 संकेतकों के आधार पर संयुक्त राष्ट्र के बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) का उपयोग किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, गरीबी में रहने वाली आबादी का प्रतिशत 2015-16 में 25 प्रतिशत से गिरकर 2019-21 में 15 प्रतिशत हो गया।' देश में बहुआयामी गरीबों की संख्या में 9.89 प्रतिशत अंकों की उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, जो 2015-16 में 24.85 प्रतिशत से बढ़कर 2019-21 में 14.96 प्रतिशत हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी में सबसे तेजी से गिरावट देखी गई जो 32.59 प्रतिशत से घटकर 19.28प्रतिशत हो गई।'

36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और 707 प्रशासनिक जिलों के लिए बहुआयामी गरीबी अनुमान प्रदान करते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि बहुआयामी गरीबों के अनुपात में सबसे तेज कमी उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, ओडिशा और राजस्थान राज्यों में देखी गई। क्विज़ली, ग्लोबल हंगर इंडेक्स-2023 में भारत को 125 देशों में से 111वें स्थान पर रखा गया था, जिसे सरकार ने ग़लत और दुर्भावनापूर्ण इरादे से खारिज कर दिया था। क्या ग्लोबल हंगर इंडेक्स ने भारत की गरीबी का आंकड़ा देश की मुफ्त खाद्यान्न योजना पर आधारित किया है?

दो प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठते हैं: देश के 80 करोड़ से अधिक गरीब लोगों के अनुमान का स्त्रोत क्या है जो सरकार द्वारा प्रदान किया जाने वाला बेहद सस्ता राशन भी नहीं खरीद सकते हैं और सरकार को क्या लगता है कि ऐसे लोगों की संख्या 2028 तक स्थिर बनी रहेगी। इसका उत्तर अगले साल जून से पहले लोकसभा और सिक्किम और संभवत: जम्मू-कश्मीर में चुनाव लड़ने के दबाव में हो सकता है। संयोग से मिजोरम में 7 नवंबर को, छत्तीसगढ़ में 7 और 17 नवम्बर को, मध्यप्रदेश में 17 नवम्बर को चुनाव हो गये। राजस्थान में 25 और तेलंगाना में 30 नवम्बर को चुनाव होंगे। राजनीतिक रूप से केन्द्र सरकार का नेतृत्व कर रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए इस कैलेंडर वर्ष के बाद मुफ्त खाद्यान्न योजना को रोकने का समय काफी मुश्किल पैदा करने वाला हो सकता है। यह इस तथ्य के बावजूद है कि हाल के दिनों में मुफ्त राशन से भाजपा के लिए मतपेटियां नहीं भरीं। लेकिन, इसके बाहर होने से भाजपा काफी अलोकप्रिय हो सकती है। हाल ही में पार्टी को कर्नाटक में बड़ा झटका लगा था। भाजपा फिलहाल भारत के 28 राज्यों में से सिर्फ 10 में ही सत्ता पर काबिज है।

जाहिर है, सन् 2020 से 80 करोड़ से अधिक लोगों के लिए मुफ्त खाद्यान्न भाजपा को चुनाव जीतने में विशेष मदद नहीं कर रहा है। ऐसे खाद्यान्न का वितरण राज्य सरकारों के अंतर्गत आने वाली राशन दुकानों के माध्यम से किया जाता है। गरीबों और अशिक्षितों को इस बात की कोई चिंता नहीं है कि राशन की दुकानों पर मुफ्त अनाज का बिल कौन भरता है। मुफ्त राशन की आपूर्ति का श्रेय राज्य लेते हैं। इस प्रणाली ने खाद्यान्नों की खरीद और वितरण में शामिल राज्य मशीनरी को बुरी तरह से भ्रष्ट कर दिया है। राजस्थान में कांग्रेस सरकार की मुफ्त राशन किट योजना में 'भारी भ्रष्टाचार' का आरोप खुद भाजपा ने लगाया है। चुनावी राज्य राजस्थान की राज्य विधानसभा में विपक्ष के उपनेता, भाजपा के सतीश पूनिया ने हाल ही में आरोप लगाया कि अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली राज्य सरकार में भ्रष्टाचार को 'संस्थागत' बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि मुफ्त राशन किट योजना भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने की एक 'सुनियोजित साजिश' है।

पश्चिम बंगाल में राशन में बड़े पैमाने पर हुए भ्रष्टाचार की जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है। इसने अब तक अनुमान लगाया है कि पिछले 10 वर्षों में भ्रष्टाचार का स्तर लगभग 1,000 करोड़ रुपये है। ईडी पहले ही राज्य के पूर्व खाद्य मंत्री, ज्योति प्रियमल्लिक (अब वन मंत्री) को उनके 'करीबी' सहयोगी, एक बड़े चावल मिल मालिक बकीबुर रहमान के साथ गिरफ्तार कर चुकी है। इसने राज्य में 300 से अधिक 'फर्जी' राशन दुकानों को सूचीबद्ध किया है। कथित तौर पर राशन सामग्री को खुले बाजार में बेचने से पहले उन फर्जी राशन दुकानों के लिए केंद्र सरकार की एजेंसियों से एकत्र किया जाता है। पश्चिम बंगाल में 21,000 से अधिक पंजीकृत राशन दुकानें हैं। भ्रष्टाचार खरीद स्तर पर शुरू होता है और डीलरशिप सिस्टम, राशन कार्ड जारी करने और कार्डधारकों को राशन वितरण के माध्यम से जारी रहता है।

बहुत कम लोग जानते हैं कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में भ्रष्टाचार का स्तर क्या है, जहां 73,000 से अधिक पंजीकृत राशन दुकानें हैं, महाराष्ट्र में 50,000 से अधिक, बिहार में 44,000 से अधिक, आंध्र प्रदेश में 43,000 से अधिक, तमिलनाडु में 32,000 से अधिक, ओडिशा में 28,000 से अधिक, राजस्थान में 22,000 से अधिक, कर्नाटक में 20,000 से अधिक, और मध्यप्रदेश में 20,000 से अधिक। तमिलनाडु में 90 प्रतिशत ग्रामीण आबादी राशन की दुकानों का उपयोग करती है, जबकि पश्चिम बंगाल में केवल 35प्रतिशत ग्रामीण आबादी ऐसा करती है। तमिलनाडु की लगभग 94 प्रतिशत राशन दुकानें सहकारी समितियों द्वारा चलाई जाती हैं। पश्चिम बंगाल में, निजी डीलर सरकारी विभाग और लाभार्थियों के बीच मुख्य संबंध हैं। डीलर पॉइंट (राशन की दुकानों) के माध्यम से, लाभार्थी राशन कार्ड की श्रेणी और योजनाओं के आधार पर अपनी पात्रता के अनुसार राशन लेते हैं। डीलर कई कारकों के आधार पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किये गये लाइसेंस पर काम करते हैं - जैसे मौजूदा डीलरों के साथ जुड़े कार्डों की संख्या, भूगोल और सेवा के तहत क्षेत्र की पहुंच आदि। विभाग, डीलर, खरीदार और आपूर्तिकर्ता एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

माना जाता है कि मुफ्त खाद्यान्न वितरण प्रणाली कई स्तरों पर सिस्टम संचालकों के बीच भ्रष्टाचार को और बढ़ावा दे रही है। भ्रष्टाचार का स्तर इतना गहरा है कि राज्य सरकारों की मदद के बिना राष्ट्रीय सरकार के लिए अकेले ही स्थिति से निपटना संभव नहीं है। ब्रिटिश-प्रवर्तित राशन प्रणाली 1940 के दशक में बंगाल के अकाल के बाद शुरू हुई। देश भर में खाद्य आपात स्थितियों से निपटने के लिए सार्वजनिक कानून 480 के तहत अमेरिकी खाद्य सहायता की मदद से 1950 और 1960 के दशक के मध्य में इसका देश भर में विस्तार हुआ। हालांकि हरित क्रांति ने धीरे-धीरे स्थिति में सुधार किया और भारत एक महत्वपूर्ण खाद्यान्न निर्यातक के रूप में उभरा, गरीबों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राशन प्रणाली का विस्तार जारी रहा।

दुर्भाग्य से सरकार ने इसके उचित क्रियान्वयन पर बहुत कम ध्यान दिया। सिस्टम में शामिल लगभग हर एजेंसी और उसके राजनीतिक दलालों ने गरीब आदमी के पेट की कीमत पर अपने लिए हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के लिए भ्रष्टाचार किया। सरकार ने देश की आबादी की इतनी बड़ी संख्या को अगले पांच वर्षों तक कवर करने के लिए मुफ्त खाद्यान्न आपूर्ति प्रणाली जारी रखने से पहले संपूर्ण राशन प्रणाली को पुनर्जीवित करने और लाभार्थियों की उचित पहचान करने के लिए अच्छा काम किया होता।

पावन प्रसंग

समय का एक एक क्षण महत्वपूर्ण

समय के समग्र मूल्य को बेंजामिन फ्रैंकलीन ने पहचानते हुए कहा था- बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता है। यह वाक्य अत्यंत यथार्थ भी है, खोया हुआ धन अर्जित कर सकते हैं पर खोए हुए वैभव और समय के महत्वपूर्ण क्षण को पुन: प्राप्त नहीं किया जा सकता। समय को एक बार खो देने के बाद वापस प्राप्त करना बहुत मुश्किल ही नहीं असंभव है। इसीलिए यह कहावत कही गई है-

'काल करे सो आज कर, आज करे सो अब,
पल में परलय होएगी बहुरि करेगा कब।।'

प्रसिद्ध लेखक मेसन ने समय को महिमामंडित करते हुए कहा है- सोने के कण की तरह समय का हर क्षण मूल्यवान है। प्लेटफार्म पर खड़ी रेलगाड़ी भी अपने यात्रियों का इंतजार नहीं करती और देर से पहुंचने वाले यात्री हाथ मलते रह जाते हैं। उनके पास अफसोस करने के अलावा कुछ नहीं रह जाता। समय और समुद्र की लहरें किसी की प्रतीक्षा नहीं करतीं, समय के महत्व को दर्शाते प्रकृति के कई उदाहरण भी हैं, बरसात के समय वर्षा देर से आने से कृषि सूख जाती है। इसलिए कहा गया है -का वर्षा जब कृषि सुखावे' इसीलिए इतिहास में महान लोगों ने समय के साथ निज के अनुशासन और श्रम के महत्व को अपने जीवन में अपनाकर अपने आप को बड़ा बनाकर इतिहास में अपना नाम स्थापित किया है। समाज में जितने भी प्रसिद्ध, नामचीन और महान बने हैं, या उदाहरण देने लायक बने हैं, उन सब ने समय को समय देकर अपने आप को समाज में अग्रणी स्थान पर स्थापित किया है, और हजारों, लाखों लोग उनका सम्मान कर उनका अनुसरण भी करने लगते हैं। समय का महत्व और निज पर शासन फिर अनुशासन एक दूसरे से जुड़े तथा पर्यायवाची ही है। जिसमें भी समय के महत्व को समझते हुए उसका अनुशासन के साथ उपयोग किया है, वे अपनी जिंदगी में आर्थिक सामाजिक एवं वैश्विक रूप से अपने आप को सफल बना चुके हैं। विद्वानों में यह भी कहा है कि जो कार्य जिंदगी में आप को सबसे कठिन एवं क्लिष्ट लगने लगता है, उसे समय और अनुशासन के साथ सबसे पहले किया जाना चाहिए, और तब तक करना चाहिए जब तक वह कार्य अपनी परिणति तक न पहुंचे, और ऐसी प्रक्रिया से आप सफलता की सीढ़ी चढ़कर एक सफलतम व्यक्तित्व बन सकते हैं और सफल व्यक्ति ही समाज को दृढ़ समृद्ध और महान बना सकता है। पश्चिमी देशों में इंग्लैंड का नाम इसीलिए भी ग्रेट ब्रिटेन और यूनाइटेड किंगडम कहा जाता है। उन्होंने अनुशासन और समय का सर्वाधिक सदुपयोग कर पूरे विश्व में किसी समय राज किया था। हालांकि समय और अनुशासन का उन्होंने दमन नीति अपनाकर अनुचित उपयोग भी किया था। सकारात्मक रूप से भारत के वैज्ञानिकों ने समय तथा अनुशासन का पालन करते हुए अपने अन्वेषण और शोध में कठोर श्रम करके जो भी नवीन उपलब्धियां हासिल की, वह वैश्विक रूप से स्वीकार हुई, और उन्हें अनेक राष्ट्रीय,अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुए।

जो व्यक्ति अपना निश्चित कार्यक्रम बना कर मानसिक वृत्तियों को संयमित, मर्यादित कर कार्य करता है। उसे जीवन संग्राम में अवश्य बड़ी सफलता अर्जित होती है। समय के महत्व को समझने के लिए वैसे तो सभी वर्गों के लिए यह आवश्यक है, पर समय की महत्ता का सर्वाधिक महत्व विद्यार्थियों के लिए होता है।

संजीव ठाकुर

आपके पत्र

क्रिकेट कप के बहाने भारत को मिली सीख!

भारत में अंधश्रद्धा और पाखंड किस तरह हावी है उसकी आखिरकार पोल पट्टी खुल ही गई। ये तय था यदि भारत की जय होती तो सट्टाबाजार भले धराशाई हो जाता किंतु पाखंडियों का बाज़ार बहुत गर्म हो जाता। वैसे भी ऐसे कथित चमत्कारी बाबा अपना व्यवसाय बढ़ाए हुए हैं। अंधश्रद्धालुओं और कथित बागेश्वरधाम बाबा की सिट्टी-पिट्टी गुम है। क्या वे इस घटना से तनिक सा सबक सीखेंगे?

मैच को भाग्य का खेल मानने वाले ये भलीभांति समझ लें। यह खेल कड़ी मेहनत और चैतन्य नज़र का खेल है जरा सी चूक भारी पड़ जाती है। फिर चाहे हवन,पूजन हो, लाखों की तादाद में जनता हो या स्वत: देश का मुखिया मौजूद हो। आस्ट्रेलिया की जीत पर जिस तरह की ख़ामोशी स्टेडियम में छाई उससे तो यही लगता है ये सब क्रिकेट प्रेमी नहीं थे। खेल भावना का विकास यहां इन पाखंडियों और धूर्तों की वजह से नहीं पनप पाया। आज देश के मुखिया का व्यवहार जिस तरह आस्ट्रेलिया के कप्तान के प्रति हिकारत से लबरेज था वह भी बताता है कि जब सत्ता प्रमुख को के भावना का ज्ञान नहीं था तो आमजनता उतनी कसूरवार नहीं।

बहुत समय से क्रिकेट मैच के दीवाने लोगों को इस जीत के भूत की सवारी छोड़ देनी चाहिए। खेल भावना विकसित कर ही इस मैच का आनंद लिया जा सकता है। पाकिस्तान के साथ मैच होने पर जिस तरह की क्रूर टिप्पणियां होती हैं और स्थितियां विवाद से मारपीट तक पहुंचती हैं उसके लिए अल्पसंख्यकों को खुलेआम गालियां दी जाती रहीं हैं। यह संस्कार कहां से और कैसे, किसने विकसित किए उसको रोकना भी ज़रूरी है।

यह खुशी की बात थी कि विश्व कप भारत में गुजरात के नामबदलू स्टेडियम में था। देश में मैच देखने की उमंग थी इतना शानदार आयोजन 10 गेमों की विजेता भारत यदि हार जाती है तो कोई तल्खी नहीं होगी चाहिए हम सिर्फ दो बार विश्व कप जीते हैं आस्ट्रेलिया पांच बार यह ट्राफी जीती चुका है। हम परदेश में ट्राफी जीते हैं कहीं किसी देश में हमारे कप्तान का ऐसा हाल नहीं किया गया जैसा आस्ट्रेलिया के साथ हमारे देश और मुखिया ने किया। दुनियां में इसका कैसा संदेश हमने दिया है वह शर्मनाक है।

इधर मोदी मीडिया ने जिस तरह मोदी के सर जीत का सेहरा बांधने की कोशिश की वह नाकाम हुई। इसे उन्होंने उनकी भविष्य की भारी जीत से भी जोड़ा तो क्या मोदी मीडिया यह भी लिखने का साहस जुटा पाएगी कि उनका भविष्य आगे अंधकारमय है। एक चाटुकार अख़बार ने इस मैच को धर्मयुद्ध कह डाला यदि जीत जाती तो क्या हिंदू अब सनातन धर्म की जय का परचम लहराया जाता? धर्म और नियम किसी खेल पर लागू नहीं होते इसलिए उस पर पैर रखना गंभीर बात नहीं। असली खेल तो सट्टाबाजार ने जीत लिया और हम गुबार देखते रहे गए। इस बात की जांच बनती है कि यहां कोई बड़ा खेल तो नहीं हुआ?

कुल जमा मामला ये है कि इन बिंदुओं पर गंभीरता से विचार होना चाहिए यदि वोटों की खातिर और व्यापार के लिए यह घिनौना राजनैतिक खेल चलता रहा तो निश्चित तौर पर यह मान लीजिए हम दुनिया में भारत को मिलने वाला सम्मान खो देंगे।

-सुसंस्कृति परिहार

मटर की आवक बढ़ी, भाव घटे

जबलपुर, देशबन्धु। आमतौर पर ठण्ड के सीजन में लोगों को मटर का इंतजार बेसब्री से रहता है लेकिन शुरूआती दौर में भाव ऊंचे होने के कारण लोग इसका स्वाद लेने से पीछे हट रहे थे। किन्तु जैसे-जैसे आवक का दबाव बढ़ने लगा, तो इसकी कीमत भी घटना शुरू हो गई। व्यापारिक सूत्रों के मुताबिक शुरूआती दौर में जब थोक सब्जी मंडी में मटर की आवक 25 से 30 बोरे हो रही थी, उस समय मटर के थोक भाव 70-75 रूपये किलो पर थे लेकिन अब मटर के थोक भाव घटकर 16 रूपये से लेकर 30 रूपये किलो तक रह गए हैं। जबकि फुटकर में मटर 40 से 50 रूपये किलो के भाव पर बिक रहा है। इस बार मटर का उत्पादन बेहतर बताया जा रहा है। हालाकि वर्तमान में जो मटर आ रहा है, उसकी क्वालिटी हल्की है। व्यापारिक सूत्रों के मुताबिक करीब 75 प्रतिशत मटर कम दाने का आ रहा है। जबकि 25 प्रतिशत मटर ही भरे दाने का आ रहा है। जो अच्छा मटर आ रहा है, उसकी लोडिंग दिशावरों जैसे कटनी, सतना, इलाहाबाद, बैंगलोर, नागपुर, हैदराबाद आदि क्षेत्रों में की जा रही है। व्यापारिक सूत्रों के मुताबिक मटर की आवक अधिकतर शहजपुर, शहपुरा, पाटन, कटंगी, भेड़ाघाट आदि उत्पादक क्षेत्रों से हो रही है और वर्तमान में कृषि उपज मंडी में स्थित थोक सब्जी मंडी में मटर की आवक 5 हजार बोरे हो रही है। यही वजह है कि मटर की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। जानकारों का कहना है कि आने वाले दिनों में अच्छी गुणवत्ता के मटर की आवक भी शुरू हो जाएगी।

टमाटर, मैथी व पालक के दाम घटे

लोकल आपूर्ति का दबाव बढ़ने से टमाटर की कीमतें भी घटने लगी है। व्यापारिक सूत्रों के मुताबिक थोक सब्जी मण्डी में टमाटर के थोक भाव घटकर 450-500 रूपये कैरेट रह गयी है। जबकि फुटकर में टमाटर की कीमत 30 से 40 रूपये किलो रह गयी है । जानकारों के मुताबिक टमाटर की आवक सिवनी, छपारा, धूमा, ग्वारीघाट, बरगी, आदि लोकल उत्पादक क्षेत्रों से हो रही है। जबकि महंगी पड़त के चलते दूसरे राज्यों से आने वाले टमाटर की आवक फिलहाल शुन्य रह गई है। जानकारों का कहना है कि, आने वाले दिनों में मटर के साथ-साथ टमाटर की तुड़ाई भी तेज हो सकती है क्योंकि चुनाव के चलते पिछले दिनों मजदूरों की कमी के चलते तुड़ाई कमजोर थी। तुड़ाई तेज होने पर आने वाले दिनों में आवक का दबाव बढ़ेगा। जिससे कीमतों में और गिरावट आने की उम्मीद लगाई जा रही है। दूसरी तरफ भाजियों में लोकल आवक का दबाव बढ़ने से जहां फुटकर में मेथी, पालक के दाम घटकर 15-20 रूपये किलो तक आ गये हैं वहीं चना भाजी के दाम घटकर 30 से 40 रूपये किलो रह गये हैं। वहीं फूलगोभी में भी तेज गिरावट देखी जा रही है।

रबी फसलों में डीएपी पर ही निर्भर न होकर कॉम्पलेक्स उर्वरक देने की सिफारिश

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर संभाग में रबी फसल की बुवाई तेजी से चल रही है जिसमें गेहूं, चना, मटर, मसूर, सरसों, अलसी संभाग के जिलों की मुख्य फसलें हैं। जिसमें प्राय: किसानों द्वारा अनुशंसित उर्वरकों की पूर्ति के लिये डीएपी यूरिया का प्रयोग किया जाता है जो कि एक लोकप्रिय किन्तु महंगा आदान है।

अत: संयुक्त संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने किसानों को यह सलाह दी है कि यूरिया, डीएपी के स्थान पर कॉम्पलेक्स उर्वरक (एनपीके) मिश्रण का उपयोग करें। जिसमें नाइट्रोजन एवं फास्फोरस तत्वों के साथ-साथ सल्फर एवं पोटाश तत्व की पूर्ति भी हो सके। सल्फर तिलहनी फसल सरसों, राई में उपज बढ़ाने के साथ-साथ दाने में तेल की मात्रा में वृद्धि करता है। काम्पलेक्स मिश्रण में 85 प्रतिशत फास्फोरस घुलनशील अवस्था में होने से फसल को उपलब्धता बरकरार रहती है। साथ ही पोटाश तत्व दाने में चमक लाने का कार्य करता है। डीएपी यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता न होने पर विकल्प के रूप में जैसे सिंचित गेहूं के लिये अनुशंसित उर्वरक एनपीके (120:60:40) किग्रा/हे., की पूर्ति के लिए विकल्प-1 यूरिया 261 किग्रा/हे. एसएसपी 375 किग्रा/हे. एमओपी 67 किग्रा/हे. है। इसी प्रकार अन्य विकल्प-2 यूरिया 130 किग्रा/हे., एनपीके 28:28:0 214 किग्रा/हे. एवं एमओपी 67 किग्रा/हे., विकल्प-3 यूरिया 130 किग्रा/हे., एनपीके (20:20:0) किग्रा/हे. 300 किग्रा/हे. एवं एमओपी 67 किग्रा/हे., विकल्प-4 यूरिया 213 किग्रा/हे., एनपीके (20:20:0) 231 किग्रा/हे. एमओपी 23 किग्रा/हे. सिंचित गेहूं के लिये पोषक तत्व की प्रतिपूर्ति के लिये किसी भी एक विकल्प को किसान अपना सकते हैं। इसी प्रकार रबी की अन्य फसल के लिए भी विकल्प उपलब्ध हैं जिसके लिये संबंधित जिले के उप संचालक कृषि कार्यालय/कृषि विस्तार अधिकारियों से संपर्क किया जा सकता है। संभाग के जिलों में निम्नानुसार एनपीके काम्पलेक्स मिश्रण उपलब्ध है। जिसका उपयोग कृषक बन्धुओं को करने की सलाह दी जाती है।

मेडीकल कॉलेज 1972 बैच का स्वर्णिम पुर्नमिलन सम्पन्न

जबलपुर, देशबन्धु। स्थानीय नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडीकल कॉलेज के वर्ष 1972 बैच का स्वर्णिम पुनर्मिलन कार्यक्रम गत दिवस कृष्णा होटल में सम्पन्न हुआ। सालों बाद मिलकर सहपाठियों ने एक-दूसरे का हाल-चाल पूछा और पुरानी यादें ताजा कीं। परिवार परिचय, मस्ती, नाच-गानों और गेम्स के साथ लगभग 50 साथियों ने सपरिवार दो दिन तक दोस्ती का जश्न मनाया। देश-विदेश से आकर एकत्र हुये पूर्व छात्रों ने ढेरों पुरानी यादों के साथ समय बिताया। पार्टी तथा पिकनिक में हंसी-ठहाकों के दौर चलते रहे। कार्यक्रम का पहला दिन होटल कृष्णा में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दूसरे दिन मेडिकल कॉलेज भ्रमण, पंचवटी भेड़ाघाट में सभी साथियों का सपरिवार नौका विहार, रोप वे से न्यू भेड़ाघाट एवं धुआधार का अवलोकन लिया। न्यू भेड़ाघाट स्थित गोपाला रिसार्ट में आयोजित गेम्स का आनंद लेते हुए सभी साथियों ने लंच किया। वापसी में पुन: कृष्णा होटल आकर कार्यकम समाप्त किया। कार्यकम संयोजन शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. मुकेश खरे एवं डॉ. दीपक गुप्ता द्वारा हुआ। सहयोग में डॉ. गिरीश पाठक, डॉ. रवींद्र वाधवा के साथ डॉ. शरद जैन, डॉ. योगेन्द्र श्रीवास्तव डॉ. अनिल अग्रवाल एवं डॉ. अरुण मल्होत्रा की सपरिवार मुख्य भूमिका रही। कार्यकम का संचालन पहले दिन डॉ. संध्या जैन व दुसरे दिन डॉ. अलका अग्रवाल ने किया।

मोहल्ले में सुख शांति के लिए सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की थी नरेंद्र सिंह पांधे ने

जबलपुर, देशबन्धु। 17 तरीख को पूर्व पार्षद नरिंदर सिंह पांधे पर हेली स्टार जिम संचालक हेली भारिज और उसके अन्य गुंडों द्वारा साजिश पूर्वक तरीके से जानलेवा हमला किया, श्री पांधे द्वारा विगत 5 वर्षों से हेली जिम में रात रातभर हो रही शराब खोरी गालीगलौच करना आए दिन लोगों को यहां लाकर पीटना 15 फीसदी पर पैसा गरीबों को देना पैसा वापस न मिलने पर उनको जिम में लाकर पीटना और यह सब मोहल्ले के लोगों को दिखाकर करने जिससे लोगों में दहशत बनी रहे, इससे पूर्व जिम के ठीक पड़ोस में रहने वाले जगवानी (सिंधी परिवार) द्वारा भी सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत की थी, जिसे इसके और गुंडे साथियों द्वारा डरा धमका कर वापस करवा दिया था। इन सब शिकायतों को श्री पांधे द्वारा इनके पिता चाचा, सामाजिक, गुरुद्वारा कमेटी व क्षेत्रीय विधायक तरुण भनोट के माध्यम से भी उपरोक्त अनैतिक गतिविधियों को बंद करवाने का पूरा प्रयास किया था। जब किसी की बात इनने नहीं मानी तो उसके बाद सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत की जिसे वापस लेने के लिये हेली व इनके पिता केहर सिंह द्वारा फोन धमकाने का प्रयास भी किया था जिसे मौखिक रूप से श्री पांधे द्वारा थाने में सूचना दी थी। श्री पांधे का और मोहल्ले के लोगों का सिर्फ इतना कहना था कि जिम समय से खुले और समय से बंद हो। जिम जोर-जोर से स्पीकर न बजे जिससे आसपास के लोगों को परेशानी न हो। जिम में शराब खोरी जो सारी रात चलती है वह पूर्ण रूप से बंद हो। परन्तु इस हेली भारिज और उनके परिवार ने इसे बंद करने का कोई गंभीर प्रयास नहीं किया। उल्टा जानलेवा हमला कर मदन महल के आम नागरिकों को दहशत में डालने का एक और प्रयास किया है। इस बात को पुलिस प्रशासन को अच्छे से समझने की जरूरत है जो गरीब लोग इनके 15 फीसदी ब्याज के चक्कर में फंसे हैं। पुलिस को अखबारों के माध्यम से घोषणा कर मुक्त करवाना भी बड़ी आवश्यक है। जिससे इनसे जुड़े गुंडे जो इनके ब्याज की वसूली करते हैं वो भी इनसे दूर हो ओर क्षेत्र में शांति स्थापित हो सके।

मतगणना केन्द्र पर चलेगा पता किसको कहां की करनी है गणना

जबलपुर, देशबन्धु। मतगणना प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने की निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप मतगणना के लिए नियुक्त अधिकारियों-कर्मचारियों को मतगणना स्थल पहुंचने पर ही यह बताया जायेगा कि उन्हें किस विधानसभा क्षेत्र की किस टेबल पर मतों की गणना करनी है। मतगणना कार्य से संबद्ध सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मतगणना स्थल में प्रवेश के लिये परिचय पत्र जारी किये जायेंगे। आयोग के निर्देश के मुताबिक मतगणना के दिन मतगणना अधिकारियों को मतगणना केन्द्र पर प्रात: 6 बजे पहुंचना होगा। गोपनीयता की दृष्टि से इन अधिकारियों को विधानसभा क्षेत्र या मतगणना टेबिल नंबर की जानकारी पहले से नहीं दी जायेगी ।

चुनाव आयोग के प्रेक्षक तथा जिला निर्वाचन अधिकारी मतगणना के लिए प्रात: 5 बजे एक स्थान पर तीसरे और अंतिम चरण के रेण्डमाईजेशन के लिये एकत्रित होंगे। इसी समय जिला निर्वाचन अधिकारी मतगणना के लिये जिले के प्रशिक्षित अधिकारियों-कर्मचारियों की सूची प्रेक्षकों को सौंपेंगे। इसमें गणना पर्यवेक्षक तथा अन्य गणना सहायकों के नामों की सूची होगी। इस दौरान प्रत्येक गणना अधिकारी को एक यूनिक सीरियल नंबर या कोड दिया जायेगा, जो एक तरह से लेवल्ड रहेगा। जिससे यह पता चलेगा कि उसमें उसकी श्रेणी मतगणना पर्यवेक्षक की है या मतगणना सहायक की। रेण्डमाइजेशन का कार्य व्यक्तिगत (मैन्युअल) रूप से या फिर कम्प्यूटर के माध्यम से किया जायेगा। रेण्डमाइजेशन होने के तत्काल बाद निर्वाचन क्षेत्रवार पोस्टिंग (नियुक्ति) सूचियां प्रात: 6 बजे संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों को सौंपी जायेंगी। सभी प्रक्रियाओं में समय का विशेष ध्यान रखा जायेगा। जिससे आयोग द्वारा निर्धारित समय प्रात: 8 बजे से मतगणना का कार्य शुरू हो सके।

एक सौ बारह टेबिलों पर होगी ईव्हीएम के मतों की गणना

जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव के तहत जिले की आठों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में ईव्हीएम पर डाले गये मतों की गणना 112 टेबिलों पर की जायेगी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के मुताबिक जिले के प्रत्येक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में डाले गये मतों की गणना के लिए 14-14 टेबिलों का उपयोग किया जायेगा ।

इस लिहाज से विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र पनागर के ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना 23 चक्र में, विधानसभा क्षेत्र पाटन की 22 तथा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र बरगी और सिहोरा के ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना के 21-21 चक्र में होगें। जबकि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र बरगी और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र सिहोरा के मतों की गणना 21-21 चक्रों में सम्पन्न होगी। जबकि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र जबलपुर पश्चिम के मतों की गणना 18 राउण्ड में पूरी होगी। इसी प्रकार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र जबलपुर पूर्व की 17 और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र जबलपुर केंट के ईव्हीएम पर दर्ज मतों की गणना 16 चक्र में खत्म होगी।

सबसे ज्यादा 23 चक्र में पनागर और सबसे कम 16 चक्र में पूरी होगी केंट विधानसभा के मतों की गणना

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र पनागर के ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना के 23 वें और अंतिम चक्र में 2 मतदान केन्द्रों एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र पाटन के मतों की गणना के 22 वें चक्र में 9 मतदान केन्द्रों के मतों की गणना की जायेगी । इसी प्रकार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र बरगी एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र सिहोरा के मतों की गणना के 21वें और अंतिम चक्र में क्रमश: 6 एवं 2 मतदान केन्द्रों के मतों की गणना की जायेगी। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र जबलपुर पश्चिम के मतों की गणना के 20 वें और अंतिम चक्र में 6, विधानसभा क्षेत्र जबलपुर उत्तर के मतों की गणना के 18 वें और अंतिम चक्र में 2 तथा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र जबलपुर केंट के मतों की गणना के 16वें और अंतिम चक्र में 4 मतदान केन्द्रों के मतों की गणना होगी। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र जबलपुर पूर्व के मतों की गणना के 17 वें और अंतिम राउण्ड में 1 मतदान केन्द्र के मतों की गणना की जायेगी ।

उल्लेखनीय है कि सोलहवीं विधानसभा के चुनाव के लिए विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र पाटन में 303, बरगी में 286, जबलपुर पूर्व में 225, जबलपुर उत्तर में 240, जबलपुर केंट में 214, जबलपुर पश्चिम में 272, पनागर में 310 और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र सिहोरा में 282 मतदान केन्द्र स्थापित किये गये थे।

प्लेटफॉर्म नम्बर 6 में 'ड्रॉप एन्ड गो' में चल रहा है अवैध पार्किंग का खेल

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्य रेलवे स्टेशन में दिनों दिन भर्राशाही का आलम देखा जा रहा है। प्लेटफॉर्म नम्बर 6 में आए दिन ड्रॉप एन्ड गो में अवैध रूप से पार्किंग करके ठेकेदार तो मालामाल हो रहा और रेलवे को कंगाल बनाने में लगा है।

रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर 6 में विभाग द्वारा यात्रियों को ड्राप एन्ड गो में नि:शुल्क सुविधा दी गई है। इसके लिए समय सीमा भी निर्धारित की गई है। इस स्थान में पार्किंग नहीं की जानी चाहिये परंतु ठेकेदार द्वारा नियम कानून को ठेंगा दिखाते हुए धड़ल्ले से यात्रियों की गाड़ियों की पार्किंग कर रहा है। 21 नवम्बर को दोपहर लगभग 3.05 बजे ड्राप एन्ड गो में दर्जनों दो पहिया वाहन की पार्किंग कर दी गई। यह पूरी तरह से नियम विरूद्ध ही बतायी जा रही है।

रेलवे द्वारा जब साइकिल स्टैंड का ठेका दिया जाता है तब नियम शर्तों में क्षेत्रफल का पूरा विवरण रहता है। संचालक की गतिविधियों को देखने से यह स्पष्ट जाहिर होता है वह नियम कानून का पालन न कर अपनी मनमर्जी ही चलाए जाने का आदि हो चुका है। मुख्य स्टेशन से चन्द कदम की दूरी पर महाप्रबंधक कार्यालय मुख्य सतर्कता अधिकारी और मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय होने की बावजूद स्टैंड संचालक की इस तरह की मनमानी एक आश्चर्य जनक विषय माना जा रहा है। रेलवे के उच्च अधिकारी इस प्रकार की भर्राशाही पर कैसे अंकुश लगाएंगे यह एक जनचर्चा का विषय है।

रेलवे के पार्सल कार्यालय में बगैर चढ़ौत्री के बुकिंग ही नहीं होती

यात्री परेशान

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में दिनों दिन अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही बढ़ती ही जा रही है। इसका खामयाजा आए दिन यात्रियों को भुगतान पड़ती है। मुख्य स्टेशन के पार्सल कार्यालय में बगैर चढ़ौत्री के यात्रियों के सामान की बुकिंग ही नहीं होती है।

सूत्रों से प्राप्त खबर के अनुसार पार्सल कार्यालय में यात्रियों का सामान बुकिंग किये जाने की सुविधा विभाग द्वारा वर्षों पूर्व से दी जा रही है। इस कार्यालय में यात्रियों का सामान दिल्ली मुंबई पुणे, अहमदाबाद, रायपुर, बिलासपुर कोलकाता व अन्य शहरों के लिए की जाती है। सबसे ज्यादा मजे की बात तो यह है कि विभाग द्वारा तय दरों के अतिरिक्त यदि ऊपर से चढ़ौत्री नहीं की जाए तो यात्रियों का सामान ही बुक नहीं किया जाता है।

इसकी एक बानगी गत दिवस जबलपुर निवासी सनी नामक यात्री के साथ देखी गई। इस व्यक्ति के एक रिश्तेदार को अपना दोपहिया वाहन मुंबई भेजना था। जब उसने पार्सल कार्यालय में संपर्क किया तो गाड़ी की पैकिंग और बुकिंग राशि के अतिरिक्त 6 सौ रुपये की मांग की तो उसे गुस्सा आ गया और उसने रेलमार्ग से गाड़ी न भेजते हुए ट्रांसपोर्ट के माध्यम से सड़क मार्ग से अपनी गाड़ी को भेजना बेहतर समझा और फिर उसे सड़क मार्ग से भेजे जाने का निर्णय लिया।

मुख्य स्टेशन के पार्सल कार्यालय में किसी को किसी भी अधिकारी का कोई भय नहीं है। पार्सल कार्यालय के कर्मियों के बीच यह भी चर्चा है कि जब जोन कार्यालय के परिचालन विभाग के अधिकारियों को मंहगे मंहगे शौक यहां से पूरे कराए जाते हैं तो किसी से भी डरने की कोई सवाल ही नहीं पैदा होता है। पश्चिम मध्य रेलवे की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय एक कुशल अनुभवी प्रशासक के लिए अपनी अलग पहचान बनाए हैं, वह इस प्रकार की भर्राशाही पर लगाम लगाएंगे इसकी सभी को उम्मीद है।

गरीब बच्चों को शिक्षित करने के लिए बैठक आयोजित की

जबलपुर, देशबन्धु। राउंड टेबल इंडिया के सदस्यों के द्वारा एक बैठक सदर में आयोजित की गई, बताया कि राउंड टेबल इंडिया द्वारा फ्रीडम एजुकेशन के अंतर्गत पूरे भारत वर्ष में पिछले 25 सालों में क्लास रूम जिसमें तकरीबन स्ट्रक्चर में माध्यम से एक करोड़ बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने में सीधा प्रभाव रहा है राउंड टेबल इंडिया का गठन 1962 में 100 सदस्यों की सदस्यता के साथ किया गया था यह पिछले 6 दशकों में 5000 से अधिक सदस्यों के साथ इंडिया में एक मजबूत संगठन बन गया है ऐसे व्यक्ति जो व्यक्ति का चिताओं से ऊपर उठकर जरूरतमंदों की तलाश और सेवा कर सकते हैं वे इस समुदाय राउंड टेबल इंडिया के सदस्य हैं भारत में सामाजिक असमानता के स्तर के बारे में सब जानते हैं और स्कूल एवं कक्षा में भी यह असमानता देखी गई है बैठक में एरिया अध्यक्ष हिमांशु गोयल उमंग अग्रवाल अंकित ग्रोवर मनमीत छाबड़ा अभिलाष संकरे उपस्थित रहे, चेयरमैन हिमांशु गोयल, सेक्रेटरी उमंग अग्रवाल, संस्कारधानी से चेयरमैन अंकित ग्रोवर, वाईस चेयरमैन- मनमित छाबडा, अभिलाष शनकरन राउंड टेबल इंडिया संस्था है जो की 63 वर्षों से कार्य कर रही है गरीब बच्चों के लिए सरकारी स्कूलो में क्लास रूम बनाने का काम करते है, हमने लगभग आज दिनक तक 8665 क्लास रूम बनवायी है जिससे क़रीब 1 करोड़ लोगो को लाभ हुआ है।

बकायादारों को टैक्स पर्ची का वितरण आज से

जबलपुर, देशबन्धु। निगमायुक्त स्वप्निल वानखड़े ने राजस्व एवं संपदा विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में प्रभारी अपर आयुक्त अंजू सिंह, मनोज श्रीवास्तव, उपायुक्त पी.एन. सनखेरे, सहायक आयुक्त संभव अयाची, समस्त राजस्व निरीक्षक, आदि उपस्थित रहे।

बैठक में निगमायुक्त स्वप्निल वानखड़े ने पहले संपदा विभाग की समीक्षा की और सभी प्रकरणों पर तेजी से काम करने के निर्देश दिये। इसके उपरांत निगमायुक्त वानखड़े ने राजस्व विभाग की संभागवार वसूली की समीक्षा की, जिसमें उन्होंने पाया कि 73 हजार 4 सौ 90 बकायादारों को देयक वितरण किया जाना है, इसके लिए उन्होंने कल से ही घर घर देयक वितरण करने एवं सम्पर्क करने के निर्देश दिये। इसके अलावा उन्होंने समीक्षा के दौरान यह भी पाया कि 2 हजार 8 सौ 58 ऐसे बकायादार है जिनके ऊपर 50 हजार से अधिक की राशि बकाया है। ऐसे सभी बकायादारों से व्यक्तिगत सम्पर्क करने तथा हर हाल में बकाया करों की राशि जमा कराने के निगमायुक्त ने निर्देश प्रदान किये।

निगमायुक्त ने यह भी निर्देशित किया कि यदि बड़े बकायादार टैक्स जमा करने में हीला हवाली करते हैं तो इनकी बैंक डिटेल की जानकारी लेते हुए इनके खिलाफ कुर्की की कार्यवाही की जावे।

समीक्षा बैठक के दौरान निगमायुक्त श्री वानखड़े ने कहा कि आगामी 9 दिसम्बर को लोक अदालत का आयोजन किया जाना है, इसके लिए अभी से टीम लगाकर सभी बकायादारों को टैक्ट मैसेज देने के साथ-साथ कॉल करवाने की कार्यवाही की जाये। इन दस दिवसों में कम से कम दो बार बकायादारों से सम्पर्क किया जाये।

नगर निगम

समीक्षा के दौरान पाया गया कि 16 संभागों में 5 संभागों की वसूली खराब है, जिसमें सुधार लाने के लिए मुख्यालय स्तर पर राजस्व विभाग के उपायुक्त, सहायक आयुक्त, राजस्व निरीक्षक को निर्देशित किया गया है कि इन सभी पांचों संभागों की वसूली कार्यो पर निगरानी रखें और इन्हें वसूली का आंकड़ा बढ़ाने प्रोत्साहित करें।

बड़े बकायादारों से बकाया करों की राशि जमा कराने निगम की टीम व्यक्तिगत करेगी सम्पर्क

निगमायुक्त स्वप्निल वानखड़े द्वारा एनयूएलएम के कार्यो की समीक्षा- निगमायुक्त स्वप्निल वानखड़े ने मंगलवार को राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के कार्यो की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने पुराने स्वीकृत 10 हजार, 20 हजार, और 50 हजार के स्वीकृत ऋण राशि को बैंकों के माध्यम से वितरित कराने के निर्देश देते हुए कहा कि नए प्रकरण आचार संहिता की समाप्ति तक स्वीकृत न करें। उन्होंने इस दौरान स्वरोजगार योजना के कार्यो की भी समीक्षा की और इस योजना को भी गति प्रदान करने के निर्देश दिये। समीक्षा बैठक में निगमायुक्त ने डिजिटल ट्रॉजेक्शन पर भी जोर देते हुए निर्देशित किया कि सभी अधिकारी व्यापारियों को, हितग्राहियों को, प्रशिक्षित एवं प्रेरित करें कि सभी लोग डिजिटल ट्रांजेक्शन अधिक से अधिक करें और एक आदर्श एवं पारदर्शी स्थिति समाज के सामने प्रस्तुत करें। बैठक में सहायक आयुक्त अंकिता जैन आदि उपस्थित रहीं।

हजरत निजामुद्दीन स्टेशन में जबलपुर निवासी की गई जान

जबलपुर, देशबन्धु। रेलवे विभाग यात्रियों की सुविधाओं और जान-माल की सुरक्षा दावे करते नहीं थकता। लेकिन विगत 20 नवंबर को दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन स्टेशन में दोपहर 12.35 बजे लिफ्ट हादसे में जबलपुर के कृपाल चौक निवासी चंद्रशेखर पटेल की लिफ्ट में फंसकर असमय मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक चंद्रशेखर पटेल करीब 1 घंटे तक स्टेशन में लिफ्ट फंसे रहे, जिससे घबराहट में उनकी मौत हो गई। अगर रेलवे विभाग सुविधाओं की समय-समय पर मॉनिटरिंग करता तो लिफ्ट हासदा नहीं होता और किसी को असमय जान नहीं गवानी पड़ती।

आंवला नवमीं: व्रती महिलाओं ने विधि-विधान से किया आंवला वृक्ष का पूजन

जबलपुर, देशबन्धु। कार्तिक मास में कई बड़े व्रत और त्यौहार आते है, इनमें से एक देव उठनी एकादशी से एक दिन पहले आने वाला आंवला नवमी का व्रत बेहद खास व्रतों में एक है। आंवला नवमीं पर व्रती महिलाओं ने आंवले के वृक्ष का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमीं पर महिलाएं व्रत करती है, और आंवले के वृक्ष की पूजा करती है, इसलिए इस नवमीं को आंवला भी नवमीं कहते हैं। ऐसा करने से पर मिलने वाला पुण्य कभी खत्म नहीं होता है। कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की नवमीं पर आंवले के वृक्ष की पूजा के साथ व्रत किया जाता है। इसे आंवला नवमी कहते हैं। ऐसा करने से पर मिलने वाला पुण्य कभी खत्म नहीं होता है। इसलिए इसे अक्षय नवमीं भी कहते हैं। महिलाएं इस दिन आंवले के वृक्ष का पूजन कर परिवार के लिए आरोग्यता व सुख-समृद्धि की कामना की है।

आंवला नवमीं स्वयं सिद्ध मुहूर्त - धार्मिक मान्यता अनुसार इस दिन मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु के दर्शन होते है, इसलिए इस दिन आंवले के वृक्ष की खास पूजा की और इसी वृक्ष के नीचे बैठ कर भोजन किया जाता है। कार्तिक मास की आंवला नवमी स्वयं सिद्ध मुहूर्त भी है। इस दिन दान, जप व तप सभी अक्षय होकर मिलते हैं अर्थात इनका कभी क्षय नहीं होता हैं। भविष्य, स्कंद, पद्म और विष्णु पुराण के मुताबिक इस दिन भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और आंवले के वृक्ष का पूजन करने के बाद इस पेड़ की छाया में बैठकर खाना खाया जाता है। ऐसा करने से हर तरह के पाप और बीमारियां दूर होती हैं। इस दिन किया गया तप, जप, दान इत्यादि व्यक्ति को सभी पापों से मुक्त करता है, तथा सभी मनोकामनाओं की पूर्ति करने वाला होता है।

आंवला की जड़ में चढ़ाया कच्चा दूध- कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष नवमीं को आंवला नवमीं कहा जाता है। इस दिन व्रती महिलाएं सूर्योदय से पूर्व स्नान कर आंवले के वृक्ष की पूजन-अर्चन करती है। आंवले की जड़ में कच्चा दूध चढ़ाकर रोली, अक्षत, पुष्प, गंध आदि से पवित्र वृक्ष की विधिविधान से पूजन-अर्चन किया गया। इसके बाद आंवला के वृक्ष पर मौली बांधकर भगवान विष्णु के मंत्र का जाप किया। आंवले का पूजन-अर्चन के बाद आंवले के वृक्ष की सात बार परिक्रमा करने के बाद दीप प्रज्वलित कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की गई।

आंवला नवमीं की कैसे हुई शुरूआत-इस व्रत का संबंध मां लक्ष्मी से है तथा तुलसी और बेल के गुण एक साथ आंवले में पाया जाता है। प्रचलित कथा के मुताबिक कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमीं पर माता लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करने आईं।

तभी रास्ते में उनके मन में विचार आया कि भगवान विष्णु और शिव की पूजा एक साथ की जाए। लेकिन माता ने विचार किया, कि दोनों का एक साथ पूजन कैसे संभव हो सकता है। तभी उन्हें विचार आया कि तुलसी और बेल के गुण एक साथ आंवले में पाया जाता है। भगवान विष्णु को तुलसी प्रिय है, तो बेल शिव को। आंवले के वृक्ष को विष्णु और शिव का प्रतीक चिह्न मानकर माता लक्ष्मी ने आंवले के वृक्ष का पूजन-अर्चन किया। पूजन-अर्चन से प्रसन्न होकर विष्णु और शिव प्रकट हुए। लक्ष्मी माता ने आंवले के वृक्ष के नीचे भोजन बनाकर विष्णु और भगवान शिव को भोजन कराया। इसके बाद स्वयं ने भोजन किया। जिस दिन यह घटना हुई, उस दिन कार्तिक शुक्ल नवमीं तिथि थी, तभी से यह परम्परा चली आ रही है।

ब्राइड एंड ग्रूम ही नहीं, पूरी फैमिली में कस्टोमाइज ड्रेसिंग का ट्रेंड

वेडिंग सीजन-वेडिंग कल्चर में दिख रहा न्यू कॉन्सेप्ट

जबलपुर, देशबन्धु। वेडिंग सीजन ऑन है। वेडिंग के हर फंक्शन में सिर्फ दूल्हा-दुल्हन ही नहीं, बल्कि सिबलिंग्स भी उनसे कम नहीं दिखना चाहते। यही वजह है कि वेडिंग के हर फंक्शन के लिए वे डिफरेंट ड्रेसेज की तलाश में रहते हैं। शहर में इन दिनों कस्टोमाइजेशन का ट्रेंड नजर आ रहा है। यह कस्टोमाइजेशन सिर्फ टेस्ट और ज्वैलरी में नहीं, बल्कि अब ड्रेसेज में भी नजर आ रहा है। इस कस्टोमाइजेशन ट्रेंड के कारण सिटीजन को फैशन की एक नई डेफिनेशन कायम करने में मदद मिल रही है।

सेल्फ ड्रेस डिजाइनिंग-खुद बन रहे डिजाइनर फैशन और ड्रेसेज के मामले में पहले लोग एक्सपर्ट से सजेशन लेना पसंद करते थे, लेकिन अब वे खुद ही ड्रेसेज को डिजाइन करना पसंद कर रहे हैं। इसके चलते जहां लहंगा, गाउन और दूसरी चीजें लोग खुद की च्वॉइस के अनुसार स्टिच करवा रहे हैं। यदि उन्हें कोई गाउन और लहंगा पसंद भी आ रहा है, जो उसे सिम्पल फॉर्मेट से डिजाइनर में खुद को चैंज करने का काम भी कर रहे हैं।

ओल्ड को रिमोल्ड-ब्लाउज और स्लीव्स में अधिक काम सिटी गर्ल्स और लेडीज का कहना है कि वे सेल्फ डिजाइन को ब्लाउज और स्लीव्स में सबसे ज्यादा उपयोग कर रहे हैं। ब्लाउज में सिटी लेडीज सबसे ज्यादा एक्सपेरिमेंट कर रही हैं। इसके लिए वे इंटरनेट का यूज भी बखूबी कर रही हैं, ताकि इंटरनेट की डिजाइन और सेल्फ आइडियाज से कोई न्यू डिजाइन बन सके।

बुटिक में बनाते खुद के डिजाइन

शहर के बुटिक ओनर्स का कहना है कि शॉप पर आने वाले लोग अब सेल्फ डिजाइन सजेस्ट करते हैं। कुछ सिर्फ खुद की बनाई हुई डिजाइन पर ही ड्रेसेज चाहते हैं, वहीं कुछ न्यू पैटर्न और कस्टो माइजेशन के साथ डिजाइनर्स की हेल्प भी लेना पसंद करते हैं।

कष्टों को हरने वाली प्रवृत्ति ही सुदामा वृत्तिः स्वामी नरसिंह दास

जबलपुर, देशबन्धु। मित्र के प्रति सर्वस्व समर्पित कर जीवन में आनंद प्राप्त किया जा सकता है। समर्पण भाव का मित्रता में महत्वपूर्ण योगदान है। याचना से अधिक दान का महत्व है, मित्र के कष्टों को अपना मानकर कष्टों को हरने में सहभागिता करना ही कृष्ण भाव है। दूसरों के पापों को हरने वाली प्रवृत्ति ही सुदामा वृत्ति है। इस आशय के उद्गार नरसिंह पीठाधीश्वर डॉक्टर स्वामी नरसिंह दास महाराज ने देव सिद्ध शनिधाम ग्वारीघाट में श्रीमद भागवत कथा महपुराण में श्रीकृष्ण सुदामा चरित्र के अवसर पर व्यक्त किए। श्रीमद भागवत कथा पुराण महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद महराज, स्वामी पगलानंद महराज, सांसद सुमित्रा वाल्मिकी सहित संत महात्माओं का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। श्रीमद भागवत कथा पुराण श्रवण श्याम साह्नी, जगत देव प्रसाद मिश्रा, प्रदीप शास्त्री, राजीव मिश्रा, विष्णु पटेल, राजेन्द्र यादव, राकेश द्विवेदी, कामता प्रसाद द्विवेदी, बृजेश द्विवेदी, सरजू प्रसाद तिवारी, पूजन अर्चन आचार्य रामफल, आचार्य कामता प्रसाद, आचार्य हिमांशु प्रियांशु ने संपन्न कराया।

संत नामदेव जयंती पर विचार गोष्ठी और सम्मान समारोह आज

जबलपुर, देशबन्धु। समरसता सेवा संगठन द्वारा सामाजिक समरसता के परिपेक्ष्य में सब सबको जाने-सब सबको माने अभियान के अंतर्गत संत नामदेव जी जयंती पर आज बुधवार 22 नवम्बर को शाम 4 बजे आईएमए भवन चंचला बाई कॉलेज के पास राइट टाउन में एक विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाबी महासंघ के अध्यक्ष इंद्रमोहन भाटिया एवं मुख्य वक्ता राष्ट्रीय चिंतक, लेखक प्रशान्त पॉल होंगे। समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने सभी से उपस्थिति का आग्रह किया है।

गौंड़ ब्राह्मण महासभा : सुन लो अरजिया मोरी गजानन...

जबलपुर, देशबन्धु। सुन लो अरजिया मोरी गजानन... की धुन पर शुरू हुए आयोजन में हर कोई झूमता नजर आया। सरोज शर्मा की इस गणेश वंदना ने माहौल में नई ऊर्जा का संचार किया। यह अवसर था गौड़ ब्राह्मण महासभा के दीवाली मिलन समारोह का। कार्यक्रम की अध्यक्षता एमपी पुरोहित ने की। भव्या, कुमुद, नव्या ने मनभावन नृत्य प्रस्तुति दी। प्रिया, सीमा, रूमी और कृष्णा पुरोहित भक्ति गीत की प्रस्तुति देकर समां बांधा। इस मौके पर मणि शर्मा, रवींद्र शर्मा, डॉ. राजेश शर्मा, गिरीश शर्मा, डॉ. आरके चतुर्वेदी, शंकरदत्त पचौरी, अखिलेश उपाध्याय, रजनी उपाध्याय, सीमा पचौरी, पुष्पा चौबे, आशा चतुर्वेदी, शोभा शर्मा मौजूद रहीं।

फ्लावर डेकोरेशन में दिखाया हुनर

जबलपुर, देशबन्धु। फ्लावर डेकोरेशन कर महिलाओं ने दिवाली का उत्सव मनाया। रंग-बिरंगी कैंडल्स से दिवाली त्यौहार का रंग दिखाया गया। संगिनी सेवा संगठन के तत्वावधान में दिवाली मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यकम में महिलाओं ने तरह-तरह के गेम्स, हाउजी और तंबोला खेले। महिलाओं को दिवाली फेस्ट के अकॉर्डिंग अलग-अलग टाइटल भी दिए गए। कार्यक्रम में महिलाओं ने त्यौहारों में बनाए जाने वाले विशेष पारम्परिक व्यंजनों का लुत्फ भी उठाया। महिलाओं ने कहा कि त्यौहार में मिलने की प्रथा अब कम हो चुकी है, लेकिन गेट टू गेदर के बहाने संस्कृति को कायम रखा जाता है। इस मौके पर अध्यक्ष किरण माणिक, सचिव निधि मिश्रा, कोषाध्यक्ष रश्मि ताम्रकार, निधि गुप्ता, अनुभूति बादशाह, आभा जैन, अंजू अग्रवाल, ममता रंजन, पद्मा, श्वेता, अंजू, रचना सरीन, यास्मीन, किरण, कविता, प्रभा, मीनल, कल्पना, साधना मौजूद रहीं।

दैनिक राशिफल

बुधवार 22 नवम्बर 2023 का पंचांग विक्रम संवत् 2080, शक संवत 1945 हिजरी 1444। कार्तिक शुक्लपक्ष की दशमीं। नक्षत्र-पू.भा.

मेष

आप सामाजिक काम में उपस्थित होंगे। मित्रों तथा स्नेहियों के साथ बहुत आनंद मना सकेंगे।

वृषभ

जो लोग नए काम की शुरुआत करना चाहते हैं या उसकी योजना बनाना चाहते हैं, उनके लिए दिन बहुत अच्छा है।

मिथुन

समय आपके अनुकूल नहीं होने के कारण आपके काम पूरे होने में देर होगी। आपके शरीर में थकान का अनुभव रहेगा। किसी तकलीफ से परेशान हो सकते हैं।

क.348-120

कर्क

नकारात्मक मानसिकता के कारण आज निराशा अनुभव करेंगे। बाहर खाने-पीने के कारण स्वास्थ्य खराब होने की आशंका बनी रहेगी।

सिंह

पति- पत्नी के बीच मामूली कारणों को लेकर मतभेद हो सकता है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य चिंता का कारण होगा। सांसारिक विषयों में आपका मन नहीं लगेगा।

कन्या

आपका तन-मन स्वस्थ रहेगा। घर में सुख- शांति का वातावरण रहेगा। आपको खुशी, वित्तीय लाभ तथा कार्य में सफलता मिलेगी।

तुला

आज आप अपनी सृजनशीलता और कल्पनाओं का बहुत अच्छी तरह उपयोग कर सकेंगे। संतान की प्रगति से खुशी का अनुभव करेंगे।

वृश्चिक

आज आप तन-मन से अस्वस्थता महसूस करेंगे। छोटी- बड़ी चिंता आपको सता सकती है। कुटुंबजनों तथा सम्बंधियों के साथ मतभेद हो सकता है।

धनु

आपआध्यात्मिक विषयों तथा रहस्यमयी विद्याओं की तरफ आकर्षण महसूस करेंगे। कोई काम करना चाहते हों, तो समय आपके अनुकूल रहेगा।

मकर

आपको वाणी और व्यवहार पर अंकुश रखना चाहिए। पारिवारिक सदस्यों के साथ मतभेद न हो इसका ध्यान रखें।

कुंभ

आपका दिन उत्साह से भरपूर रहेगा। परिजनों, मित्रों और सगे- सम्बंधियों के साथ आपका घरेलू वातावरण सुखद रहेगा।

मीन

आर्थिक विषय और पूंजी निवेश में आपको विशेष ध्यान रखने पड़ेगा। आपका ध्यान विचलित होगा और बेचैनी अनुभव होगा।

मा. 360-240

6,8,4,3,61,84,45,31,65,77,21,05,

जबलपुर कोरी समाज वीरांगना झलकारी बाई का आज मनायेगा जन्मोत्सव

जबलपुर, देशबन्धु। अखिल भारतीय कोरी/कोली समाज के जबलपुर मध्यप्रदेश के प्रतिनिधियों द्वारा एक पत्रकारवार्ता का आयोजन किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष अजय कोरी ने बताया कि वीरांगना झलकारी बाई कोरी ने 1857 की क्रांतिकारी में राज्य की आन-बान-शान के लिए अपने प्राणों की आहूति दी थी। जबलपुर कोरी समाज आज उनकी 193वीं वर्षगांठ 22 नवम्बर को स्थान झण्डा चौक ग्वारीघाट में शाम 5 बजे से रात्रि 9 बजे तक जन्मोत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

पत्रकारवार्ता में प्रमुख रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष अजय कोरी, डी.पी. कमल, रामस्वरूप कोरी, महेश बाबा, रेनु कोरी पार्षद विजय कोरी, जिला अध्यक्ष राकेश कोरी, महिला जिलाध्यक्ष कल्पना विनोदिया, अक्षय विनोदिया, गौरव कोरी, शनि कोरी,जागेश कोरी, राजा कटरहा, लोकेश कोरी, विजय कोरी, सुशील कोरी, मंगू कोरी, मुन्ना तन्तुवाय, संतोष कोरी, आशा कोरी, एड. अभिलाषा कोरी, धरमू कोरी, अभिलाष कोरी, विवेक कोरी, संजय कोरी, सुचित विनोदिया, श्रवण विनोदिया, अनूप पैगवार, राजू कोरी, प्रतीक कोरी, अरविंद कोरी आदि सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पेंशनरों का दीपावली मिलन हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

जबलपुर,देशबन्धु। प्रमुख पेंशनर एसोसिएशन जिला शाखा जबलपुर के तत्वाधान में दीपावली के उपलक्ष्य में सभी वरिष्ठ नागरिकों एवं पेंशनर्स के द्वारा दीपावली मिलन का कार्यक्रम मंगलवार शाम 4 बजे आयोजित किया गया । सभी पेंशनर्स ने एक दूसरे को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाऐं दी, तथा सभी को परिवार सहित स्वस्थ रहने केलिए ईश वर से कामना की। इस कार्यक्रम में सभी उपस्थित जनों को अध्यक्ष एच.पी. उरमलिया के द्वारा मिष्ठान वितरण किया गया। संगठन के निर्वाचन कराये जाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। माह दिसम्बर 2023 में संगठन के अध्यक्ष पद का चुनाव कराये जाने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। उरमलिया ने सभी पेंशनर साथियों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में संगठन की सदस्यता ग्रहण करें ताकि मतदाता सूची के आधार पर आगामी दिसम्बर माह में चुनाव सम्पन्न कराये जा सकें। आज के कार्यक्रम में विशेष रूप से जिला शाखा अध्यक्ष एच पी उरमलिया, एमएल चौकसे, एसके पाण्डेरा, मोहन अग्रवाल, विजय चौकसे, एके पिल्ले, चमन लाल दोहरे, डॉ एस पी सिंह, डॉ. बी.पी अवस्थी, राधारमण तिवारी, एस पी शुक्ला, एसके श्रीवास्तव, मोहम्मद जहीर खान आदि उपस्थित रहे।

एनएसपी रद्द करने के लिए स्ट्राइक बैलेट में 99.9 प्रतिशत रेल कर्मचारियों ने दिया मत

डब्ल्यूसीआरएमएस ने घोषित किया परिणाम

जबलपुर, देशबन्धु। सरकारी कर्मचारियों को लिए लागू न्यू पेंशन स्कीम (एनएसपी) को रद्द कर पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) बहाली का मुद्दे पर रेल कर्मी मुखर नजर आ रहे है। वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ के महामंत्री अशोक शर्मा व संघ प्रवक्ता संयुक्त महामंत्री सतीश कुमार ने बताया कि एनसी/जेसीएम नेता डॉ एम. राघवैया के निर्देशानुसार नेशनल पेंशन स्कीम (एनएसपी) के विरूद्ध अनिश्चितकालीन रेल हड़ताल के लिए वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ द्वारा जबलपुर जोनल रेलवे के जबलपुर, भोपाल तथा कोटा मंडलो में स्थित सभी कारखानों एसी एवं डीजल शैडों, डिपो, रेल चिकित्सालयों तथा मुख्यालय स्तर पर एक साथ भारतीय रेल में दो दिवसीय मतदान का 21 नवम्बर का समापन हुआ। इस दौरान मजदूर संघ के प्रतिनिधि रेल कर्मचारी साथियों से एनपीएस रद्द कर, पुरानी पेंशन स्कीम बहाली के लिए अनिश्चितकालीन हड़ताल के लिए रेल कर्मचारियों से स्ट्राइक बैलेट के माध्यम से उनका मत लिया गया। जिसमें लगभग 99.9 प्रतिशत कर्मियों ने अनिश्चितकालीन रेल हड़ताल के लिए सहमति दी।

मजदूर संघ ने पमरे के भोपाल, कोटा व जबलपुर के सतना, सागर, दमोह, कटनी, ब्यौहारी, नरसिंहपुर, बीना पिपरिया, इटारसी, हरदा, गुना, विदिशा, सिहोरा, सवाइमाधोपुर, बयाना, गंगापुरसिटी, तुगलकाबाद, बूंदी, आलोट, समेत समस्त स्टेशनों पर हजारों कर्मचारियों ने मतदान में हिस्सा लिया। स्ट्राइक बैलेट के बाद अब राष्ट्रीय स्तर पर समस्त केन्द्रीय संस्थानों के श्रमिक संगठनों द्वारा बैठक कर उक्त मुद्दे पर पूरे भारतीय रेल समेत अन्य केन्द्रीय प्रतिष्ठानों में अनिश्चितकालीन राष्ट्रीय हड़ताल का निर्णय लिया जाएगा।

संघ के कार्यकारी अध्यक्ष अनुज तिवारी, मंडल अध्यक्ष एसएन शुक्ला, मंडल सचिव डीपी अग्रवाल, सहायक महामंत्री अवधेश तिवारी, दीनायादव, जेपी मीना, आरए सिंह, दीपक केसरी, एसआर बाउरी, रोशन यादव, हर्ष वर्मा, मंदीप सिंह, अनिल चौबे आदि ने इस महाअभियान में बढ़ चढ़ कर योगदान दिया, वहीं बीएमएस के आव्हान पर प्रदीप जैन और बसंत मौरे दिल्ली रवाना हुए, ओपीएएस के विरोध में जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन कर विरोध दर्ज करायेंगे।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्री चोईथराम मलगानी- नर्मदा रोड आदर्श नगर निवासी श्री चोईथराम मलगानी (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री धनीराम चौधरी- वल्दी कोरी की दफाई सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री धनीराम चौधरी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती चंपा बाई पटेल- गोल बाजार दत्त मंदिर के पास निवासी श्री जगन्नाथ पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती चंपा बाई पटेल (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जगदीश प्रसाद सोनकर- भानतलैया विद्यापीठ स्कूल के पास निवासी श्री जगदीश प्रसाद सोनकर (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री कैलाश यादव- बधैया मोहल्ला दमोहनाका रोड निवासी श्री कैलाश यादव (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती हीरा बाई पटेल- इंद्रा नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री सीताराम पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती हीरा बाई पटेल (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

श्री जुगल किशोर शर्मा- कंचनपुर मैदा मिल के पास अधारताल निवासी श्री जुगल किशोर शर्मा (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुमन शर्मा- सुभाष नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी महाराजपुर निवासी श्री जय प्रकाश शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती सुमन शर्मा (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सुरेंद्र शर्मा- पहली गली जगदम्बा नगर महाराजपुर निवासी श्री सुरेंद्र शर्मा (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रूप सिंह ठाकुर- द्वारका नगर कछियाना लालमाटी निवासी श्री रूप सिंह ठाकुर (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट में किया गया।

श्री राम कुमार अहिरवार- रवि मोहल्ला रामपुर निवासी श्री राम कुमार अहिरवार (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जय हिंद यादव- हनुमानताल निवासी श्री बिहारी लाल यादव के पुत्र श्री जय हिंद यादव (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती चैती बाई- मड़ई व्हीकल निवासी श्री शंभू प्रसाद की धर्मपत्नी श्रीमती चैती बाई (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजू चौरसिया- उपरैनगंज निवासी श्री राजू चौरसिया (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

कटंगी-बेलखेड़ा में लम्बे समय से चल रहे जुआफड़ पर पुलिस का छापा, 16 जुआड़ी गिरफ्तार

जबलपुर, देशबन्धु। जिले के ग्रामीण इलाकों में लंबे समय से चल रहे जुआफड़ों पर पुलिस ने पैनी नजर रखना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में कटंगी व बेलखेड़ा में लम्बे समय से चल रहे जुआंफड़ों पर देर रात पुलिस ने छापा मार दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से जुआरियां में भगदड़ मच गई। पुलिस ने मौके से 16 जुआरियों को गिरफ्तार कर 1 लाख 66 हजार 90 रुपए, सात मोबाइल फोन व टॉर्च जब्त किये हैं।

इस संबंध में कटंगी टीआई पूजा उपाध्याय ने बताया कि नई बाजार के पीछे पंचमपुरा में जुआफड़ संचालित किए जाने की खबर मिलते ही क्राइम ब्रांच की टीम ने कटंगी पुलिस के साथ मिलकर दबिश दी। पुलिस को देखते ही जुआरियों में भगदड़ मच गई। पुलिस ने मौके से सुखदेव यादव निवासी प्रेमनगर कटंगी, सोनू जैन निवासी वार्ड नम्बर 10 झण्डा चौक कटंगी, अब्दुल्ला उर्फ राजा खान निवासी नई बाजार कटंगी, मानकलाल उर्फ मोनू रजक निवासी हाईस्कूल के पीछे वार्ड नम्बर 5 कटंगी, शारदा विश्वकर्मा निवासी बस स्टैण्ड के पास कटंगी, राजकुमार उर्फ मुन्ना पटेल

निवासी वार्ड नम्बर 3 प्रेमनगर कटंगी, विवेक सिंह राजपूत निवासी पंचमपुरा वार्ड नम्बर 06 कटंगी को गिरफ्तार कर 1 लाख 47 हजार 390, सात नग मोबाइल फोन जब्त किए गए है।

चरगवां में भी दबिश

इसी तरह पुलिस ने ग्राम धरमपुरा में घुघरा रोड किनारे एक कच्चे मकान में चल रहे जुआंफड़ पर दबिश दी। पुलिस ने यहां से नरेश राय, श्यामलाल पटैल निवासी ग्राम धरमपुरा, शारदा पटैल, संतोष विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर 10 हजार 300 रूपये जप्त किये गये। पुलिस ने योगेश राय की डेयरी के पास भी चल रहे जुआंफड़ का खुलासा किया है। पुलिस ने यहां से मुकेश विश्वकर्मा निवासी ग्राम बिछुआ, रीतेश साहू, योगेश राय, योगेन्द्र राय निवासी ग्राम धरमपुरा, राजू गोटिया निवासी ग्राम नुनपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों 8 हजार 400 रूपये जप्त किये गये।

कार्यक्रम में बजाने आये डीजे वाले को चाकू मारकर लूटा

जबलपुर, देशबन्धु। सिहोरा क्षेत्र में एक घटनाक्रम सामने आया है। जिसमें बदमाशों ने डीजे बजाने वाले युवक राहुल को 19 हजार रुपए देकर कार्यक्रम में बुलाया। जब वह कार्यक्रम में जा रहा था तो रास्ते में घेरकर हमला कर दिया। इसके बाद साउंड सिस्टम व पिकअप वाहन लूटकर ले गए। पुलिस से जानकारी के अनुसार कटनी के ग्राम पौनिया में रहने वाला राहुल डीजे बजाने राहुल चक्रवर्ती के पास कुछ दिन पहले मोबाइल पर फोन आया।

जिसमें कॉलर ने कहा कि चौक समारोह में डीजे बजाना है। राहुल ने कॉलर से रुपयों की बात की, इसके बाद कॉलर ने राहुल के एकाउंट में 19 हजार रुपए डाल दिए। इसके बाद राहुल अपने साथियों के साथ पिकअप वाहन में साउंड सिस्टम लेकर सिहोरा रवाना हो गया। जब वह बघेली से मुरैठ की ओर बढ़ रहा था। इस दौरान तभी मोटर साइकिलों से आए बदमाशों ने घेरकर राहुल के साथ मारपीट कर चाकू से हमला कर दिया। हमले में राहुल को चोटें आई, इस बीच बदमाश साउंड सिस्टम से लोड पिकअप वाहन को लूटकर भाग गए। जाते-जाते बदमाशों ने राहुल व उसके साथियों को धमकी दी कि दोबारा इस क्षेत्र में दिखे तो जान से मार दिया जाएगा। घायल राहुल अपने साथियों के साथ थाना पहुंचा और पुलिस को घटनाक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि जिन्होंने डीजे बजाने के लिए बुलाया था उन्हीं ने लूट की वारदात को अंजाम दिया है।

पुलिस कर्मी की स्कॉर्पियों डिवाइडर से टकराई, मची अफरातफरी

बेटा दोस्तों के साथ जा रहा था बांधवगढ़

जबलपुर, देशबन्धु। रांझी थाना के सामने उस वक्त चीख पुकार व भगदड़ मच गई। जब तेज गति से आ रही काले रंग की स्कार्पियो अनियंत्रित होकर डिवाडर से टकरा गई। वहीं स्कार्पियों में सवार पांच युवकों को मामूली चोटें आई है। उक्त गाड़ी जीआरपी में पदस्थ पुलिस कर्मी की बताई जा रही है। जिसे लेकर पुलिस कर्मी का बेटा अपने दोस्तों के साथ बांधवगढ़ घूमने जा रहा था।

रांझी पुलिस को खबर मिली कि बिना नम्बर की काले रंग की स्कार्पियो 120 की गति से घमापुर से खमरिया की ओर रवाना हुई है। जिसपर पुलिस ने थाना के सामने बैरीकेट लगा दिए और स्कार्पियो का इंतजार करने लगे। जैसे ही स्कार्पियो रांझी थाना की ओर बढ़ रही स्कार्पियों के चालक ने जैसे ही पुलिस को देखा तो गति और तेज कर दी। जिससे अनियंत्रित होकर स्कार्पियो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। स्कार्पियो के डिवाइडर से टकराते देख आसपास से गुजर रहे लोगों में चीख पुकार व अफरातफरी मच गई। यहां तक कि आसपास मार्केट के लोग सड़क पर आ गए। पुलिस ने स्कार्पियों में सवार सभी पांच युवकों को बाहर निकाला, जिनके शरीर पर मामूली चोटें आई थी। इस संबंध में रांझी थाना प्रभारी नीलेश दोहरे का कहना था कि ब्लेक कांच वाली बिना नम्बर की स्कार्पियो में आगे व पीछे पुलिस लिखा हुआ था। उक्त गाड़ी जीआरपी में पदस्थ एक पुलिस कर्मी है। जिसे लेकर पुलिस कर्मी का बेटा अपने दोस्तों के साथ बांधवगढ़ जा रहा था इस दौरान दुर्घटना हुई है। पुलिस को पूछताछ में स्कार्पियो चालक स्वराज सिंह ने बताया कि पुलिस की चेकिंग देख घबरा गया था जिसके चलते वह गाड़ी से अपना संतुलन खो बैठा था।

मेडिकल अस्पताल की नर्स के घर चोरी

जबलपुर, देशबन्धु। माढोताल थाना में कविता सिंह चड़ार उम्र 33 वर्ष निवासी करमेता ने बताया कि वह मेडिकल कॉलेज में नर्स है 15 नवंबर को पति ससुराल रहली गये थे। 18 नवंबर को रात लगभग 8 बजे वह डयूटी से वापस आयी तो देखी कि घर के मेन गेट का ताला टूटा था अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था आलमारी में रखी सोने की चूड़ी, बेंदी, अंगूठी, टॉप्स, चांदी की पायल एवं नगद लगभग 20 हजार रूपये गायब। कोई अज्ञात चोर सूने मकान का ताला तोड़कर घर में घुसकर सोने चांदी के जेवर एंव नगदी रूपये चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 873/23 धारा 457, 380 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

इसी प्रकार संजीवनी नगर थाना में जीजी बाई उम्र 52 वर्ष निवासी भूकम्प कॉलोनी धनंवतरी नगर ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि 9 नवंबर को रात लगभग 11 बजे अपनी मां एवं पति के साथ छोटे लड़के से मिलने एवं दीवाली मनाने ट्रेन से इंदौर गयी थी। 20 नवंबर को पड़ौसी अनंत पंडित जी ने फोन कर बताया कि आपके घर का ताला टूटा है। मंगलवार को जब वह घर वापस आकर देखी तो घर में रखी सोने की एक नथ, चांदी की 3 जोडी पायल, 6 जोड़ी बिछिया, पूजा का सिक्का, लगभग 8 हजार रूपये गायब थे। कोई अज्ञात चोर ताला तोड़कर घर में घुसकर सोने चांदी के जेवर एवं नगदी रूपये चोरी कर ले गया है। महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

24 घंटे के भीतर शहर में तीन स्थानों पर लगी आग

जबलपुर, देशबन्धु। ओमती थाना अंतर्गत कृष्णा होटल के पास आहूजा टॉवर की तीसरी मंजिल में बीती रात पीएनबी मैटेलिक ऑफिस और अन्य दूसरे ऑफिसों में आग लग गई। आग कैसे लगी यह जांच जारी है। बताया जा रहा है कि आहूजा टॉवर की तीसरी मंजिल में बीती रात अचानक आग की लपटें उठने लगी। आग की लपटें देख टॉवर में भगदड़ मच गई। मुख्य मार्ग पर जिसने भी यह आग देखी थोड़ी देर वहीं रूक गया। टॉवर में ऑफिस के लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन नहीं बुझा पाये। इसी बीच अग्निशमन दल भी मौके पर पहुंच गया। जिसने तत्काल आग को बुझाया। लेकिन तब तक आहूजा टॉवर में बने कार्यालयों का फर्नीचर व अन्य सामान जलकर राख हो गया है।

कबाड़ में लगी भीषण आग, कारण अज्ञात

गोहलपुर थाने के पास देर रात कबाड़ में भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड के अमले ने मौके पर पहुंचकर आग

पर काबू पा लिया, जिससे कोई खास नुकसान नहीं हो पाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। फायर मैन महेश पटैल ने बताया कि रात करीब 12.45 बजे सूचना मिली कि गोहलपुर थाने के पास कबाड़ में भयानक आग लग गई है। जिसके बाद बिना देर किए वे तीन गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे और कुछ मिनटों में आग बुझा दी। बताया जा रहा है कि रियाज अंसारी वहां पर कबाड़ का काम करता था । आग कैसे लगी फिलहार इसका पता नहीं चल सका है। रियाज ने अभी तक

यह भी नहीं बताया कि अग्नि दुर्घटना में उसका कितना नुकसान हुआ है।

रद्दी चौकी स्थित फर्नीचर दुकान में लगी आग

वहीं दूसरी ओर गोहलपुर थाना क्षेत्र के रद्दी चौकी में बाबा फर्नीचर के पास अंबे फर्नीचर में अचानक आग लग गई। जिसके कारण दुकान में रखा फर्नीचर जल गया। बताया जा रहा है कि रद्दी चौकी क्षेत्र में अंबे फर्नीचर में अचानक आग लग गई। आग की लपटें पास की दुकानों में फैलने लगी। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि अचानक आग की लपटें उठती देख सभी सहम गये। आनन फानन में अग्निशमन दल को सूचना दी गई। जिसने मौके पर पहुंच कर आग बुझाई लेकिन तब तक दुकान की सामग्री जलकर राख हो चुकी थी। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

मारपीट और गुंडागर्दी के विरोध में कांग्रेसजन पहुंचे एसपी ऑफिस

पनागर, देशबन्धु। विधान सभा में चुनाव मढई रीछाई रांझी थाने के अन्तर्गत महाराजपुर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनोज पटैल दाऊ को रोक कर भाजपा कार्यकर्ता ने हमलाकर साथ मारपीट की एवं उनकी वीडियो बनाकर वोटिंग के दिन वायरल की। 16 तारीक की रात ब्लॉक अध्यक्ष मढई रिछाई अपने बूथ की सामग्री वितरण करने जा रहे थे, तब उनकी गाड़ी रोककर उनके साथ मारपीट की गयी और वीडियों बनाकर सोशल मीडिया में वायरल की। रात में ही में रांझी थाना समस्त काँग्रेस जन अपने प्रत्याशियों के साथ थाने पहुंचे। लगभग तीन घंटे में रिपोर्ट दर्ज की गई। कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष रात भर गायब रहा। इसलिए अपहरण की भी शिकायत की गयी। हमलावर भाजपा के कार्यकर्ता थे, जिनमें दो लोगों को पहचान लिया था। जिनकी नामजद रिपोर्ट की गई जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. नीलेश जैन ने बताया मंगलवार को तीन दिन हो गये, पुलिस ने किसी भी प्रकार की कार्यावाही नहीं की, जबकि पुलिस को वीडियो सहित नामजद जानकारी दी और ऐसा चारों ग्रामीण विधानसभा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट एवं धमकी दी जा रही है।

दोपहर 12 बजे सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसजन एसपी ऑफिस पहुंचे एवं एसपी को पूरा मामला अवगत कराया। ऐसी ही पाटन विधानसभा में एक सरपंच जिसका शुभम पटेल ग्राम पंचायत पोड़ी के हैं उनके साथ घटी मारपीट कर मोबाइल तोड़ एवं पैसे भी छीन लिये। एसपी कार्यालय जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. नीलेश पनागर प्रत्याशी राजेश पटेल, राजकिशोर, विमल जैन, विवेक पटेल, शिव नामदेव, इन्द्र पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप पटेल, सत्येन्द्र गर्ग, रिंकू तिवारी, संजय श्रीवास्तव, मुकेश पटेल, रामस्वरूप पटेल, संग्राम सिहं बिहारी परेल नेकनारायण सिंह, भवानी साहू से डॉ संदीप सिंघाई प्रशांत चौरसिया। अजीत परिहार, इन्द्रकुमार पटेल, जगन्नाथ शर्मा वीरेंद्र दास बैरागी कृपाल पटेल दिलीप कुशवाहा राजेन्द्र मिश्रा, प्रकाश पटेल, प्रमोड पटैल, अमन गोस्वामी, राजकुमार कुशवाहा आदि सैकड़ों की संख्या में उपस्थित थे।

ट्रक के कुचलने से मोटर साइकिल सवार कार मैकेनिक की मौत

जबलपुर, देशबन्धु। बम्हनोदा पनागर रोड पर तेज गति से आए ट्रक ने मोटर साइकिल सवार युवक प्रदीप भूमिया को टक्कर मारकर कुचल दिया। हादसे में प्रदीप के शरीर पर गंभीर चोटें आने से मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ है जब प्रदीप गैराज बंद कर रात 11 बजे के लगभग घर लौट रहा था। पुलिस के अनुसार उमरिया चौबे पनागर निवासी प्रदीप भूमिया की मझौली में वैष्णवी कार रिपेयरिंग के नाम से गैराज है। प्रदीप रोज मोटर साइकिल से आना-जाना करता था। बीती रात 11 बजे के लगभग गैराज बंद कर मोटर साइकल से अपने घर के लिए रवाना हुआ। जब वह बम्हनोदा से पनागर की ओर बढ़ रहा था, इस दौरान सामने से आए ट्रक ने प्रदीप को टक्कर मारकर कुचल दिया। हादसे में प्रदीप के शरीर पर गंभीर चोटें आई, राह चलते लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी।

हालांकि उस वक्त तक परिजन भी घटना स्थल पर पहुंच गए थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए शासकीय अस्पताल पहुंचाकर मर्ग कर ट्रक चालक की तलाश शुरु कर दी है।

मोटर साइकल सवारों में भिड़ंत, 3 घायल-

माढ़ोताल थानान्तर्गत नगना मोड़ पर मोटर साइकिल सवार रोहित ठाकुर, सरोज रजक व लवकुश ठाकुर को सामने से आए बाइक सवार ने टक्कर मार दी। जिससे रोहित, सरोज व लवकुश के हाथ, पैर, सिर व चेहरे पर चोट आई। दुर्घटना उस वक्त हुई है जब गंगाजलि पूजन में आए रोहित ठाकुर व सरोज रजक को मोटर साइकल में बिठाकर लवकुश छोडने के लिए जा रहा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए माढ़ोताल रोड स्थित निजी अस्पताल पहुंचाया। जहां पर रोहित व सरोज रजक की हालत को देखते हुए भरती कर लिया गया।

संस्कारधानी का नाम रौशन करने वाले अभिनेता प्रेमनाथ को हर दिल ने याद किया

जबलपुर,देशबन्धु। शहर के मशहूर अभिनेता स्व. प्रेमनाथ की जयंती पीएसएम कॉलेज के ऑडिटोरियम में फिल्मोत्थान ग्रुप द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं उद्योगपति कैलाश गुप्ता एवं अध्यक्ष जेएटीसीसी के हेमंत सिंह थे। प्रेमनाथ पर बनी डाक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया इसका निर्माण सौरभ अग्रवाल ने किया था। इसके बाद अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम शुभारंभ किया गया।

अपने उद्बोधन में कैलाश गुप्ता ने कहा कि जीवन के दो लक्षण हैं सुख और दु:ख। जिसने इन दोनों का स्वाद चख लिया उसे ही जीवन में वास्तविक सुख प्राप्त होगा। बहुवचन व्यक्तित्व वाले प्रेमनाथ ऐसे ही लोगों में से एक थे। वह केवल सर्वोच्च नायक, सह-कलाकार और खलनायक नहीं थे, बल्कि देशभक्त सैनिक, साथियों के साथ-साथ साधु और

शैतान की भूमिका निभाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जबलपुर का नाम रोशन किया, अंकिता गिनारे एवं साथियों ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। इसी बीच में अनिल अग्रवाल ने प्रेमनाथ पर क्विज प्रस्तुत की।

मंच से अपने उद्बोधन में कैलाश गुप्ता ने कहा कि मैं अभिनेता प्रेमनाथ का बड़ा प्रशंसक हूं। एवं उनकी 100 वी जयंती पर एक बड़े कार्यक्रम के आयोजन पर संभावना व्यक्त की। हेमंत सिंह ने शासन स्तर से हर संभव मदद देने की बात की एवं फिल्मोंत्थान ग्रुप के प्रयास की सराहना की। एम्पायर टाकीज के पूर्व मैनेजर डीपी बाजपेयी ने प्रेमनाथ से जुड़े संस्मरण सुनाये। इस कार्यक्रम में प्रेमनाथ के पोस्टरों की प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। शहर के कला जगत से कलाकारों के शॉर्ट फिल्मों, वेब सीरीज एवं फिल्मों के टीजर व ट्रेलर प्रदर्शित किया जा कर स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। वरिष्ठ समाजसेवी उमाशंकर अवस्थी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन संजय प्रसाद, एंकरिंग अमित परनामी एवं आभार व्यक्त अनिल अग्रवाल ने किया।

जबलपुर रेल मंडल ने 7 माह में अर्जित किया 2582 करोड़ रुपए का राजस्व

जबलपुर, देशबन्धु। यात्री परिवहन एवं माल परिवहन में जबलपुर रेल मंडल, पश्चिम मध्य रेलवे में निरंतर प्रथम स्थान पर बना हुआ है। इस मंडल द्वारा इस वित्तीय वर्ष में मंडल ने अब तक सकल 2582 करोड रुपए की आय अर्जित की है।

इस संबंध में सीनियर डीसीएम विश्व रंजन ने बताया कि जबलपुर मंडल ने अक्टूबर माह में 3.15 मैट्रिक टन माल का लदान करके 305 करोड रुपए की आय अर्जित की है जो कि गत वर्ष के अक्टूबर माह से 30 प्रतिशत अधिक है। इस वित्तीय वर्ष में जबलपुर रेल मंडल द्वारा अब तक 7 माह की अवधि में 21 मिट्रिक टन माल लदान करके उसके परिवहन से 1976 करोड रुपए का भाड़ा अर्जित किया गया है।

इसी तरह अक्टूबर माह में यात्री भाड़े के रूप में रेलवे को लगभग 69 करोड रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। मंडल द्वारा इस वित्तीय वर्ष में यात्री आए से 516 करोड रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है जो कि गत वर्ष की तुलना से 14 प्रतिशत अधिक है। श्री रंजन ने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में अब तक जबलपुर रेल मंडल द्वारा माल परिवहन एवम यात्री आय से कुल 2582 करोड रुपए की आय अर्जित की है। जबलपुर रेल मंडल द्वारा माल परिवहन के लिए व्यापारियों को माल गोदामो में विभिन्न सुविधाएं प्रदान करके लोडिंग एवम अन लोडिंग का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। इसी तरह यात्री सुविधाओं में विस्तार करते हुए भी यात्रियों के सफर को सुगम बनाने के लिए मंडल द्वारा अनेक सुविधाएं स्टेशनों पर प्रदान की जा रही है जिससे कि उनकी यात्रा सुखद रहे।

प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्ति संबंधी मामले में जवाब के लिये मोहलत

हाईकोर्ट में अगली सुनवाई पांच दिसंबर को

जबलपुर, देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने बीएड डिग्रीधारकों को प्राथमिक शिक्षकों के पद पर नियुक्ति देने को चुनौती देने वाले मामले में शासन को हर हाल में जवाब पेश करने के निर्देश दिये है। जस्टिस शील नागू व जस्टिस देव नारायण मिश्रा की युगलपीठ के समक्ष मंगलवार को शासन की ओर से आचार संहिता और चुनाव ड्यूटी का हवाला देकर अतिरिक्त मोहलत मांगी गई, जिसे स्वीकार करते हुए न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 5 दिसंबर को निर्धारित की है। उल्लेखनीय है

जबलपुर निवासी रोहित चौधरी समेत प्रदेश के अलग-अलग जिलों के दर्जनों डीएलएड छात्रों ने याचिका दायर कर एनसीटीई द्वारा 26 अगस्त 2018 की उस अधिसूचना को चुनौती दी है जिसके तहत प्राथमिक शिक्षक भर्ती के लिए बीएड डिग्रीधारकों को भी पात्र माना है। इसी के तहत अब सैकड़ों बीएड डिग्रीधारक उम्मीदवारों ने भी हस्तक्षेप आवेदन प्रस्तुत किए हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि बीएड डिग्रीधारकों के लिए यह शर्त रखी गई है नियुक्ति के दो वर्ष के भीतर ऐसे शिक्षकों को एक ब्रिज कोर्स करना होगा। जबकि प्रदेश में प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा 2018 के तहत सैकड़ों बीएड डिग्री वालों को भी नियुक्ति दी गई है, जबकि अभी तक एनसीटीई ने ब्रिज कोर्स का सिलेबस भी निर्धारित नहीं किया है। मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर व विनायक शाह पैरवी कर रहे है।

खाद की कमी से जूझ रहे किसान

अधिकारियों के आदेश का नहीं हो रहा पालन

पनागर,देशबन्धु। नगर की उप कृषि मंडी कार्यालय से क्षेत्र के किसानों को डबल लॉक विपणन संघ के माध्यम से खाद दी जा रही है खाद की मारामारी के चलते पर्ची बनवाने वालों की भारी भीड़ लगी है धक्का मुक्की मारामारी भी हो रही है और किसान परेशान है प्रति कृषक एक एकड़ में एक बोरी खाद दी जा रही है जो की बहुत कम है कम से कम प्रति एकड़ डेड़ या दो बोरी के अनुपात में खाद दी जाना चाहिए जिससे किसान को वास्तव में उसका पूरा-पूरा लाभ मिल सके ऐसा कृषकों का कहना था

कृषको द्वारा यह भी बताया गया की 2 दिन बीत जाने के बाद भी लाइन में लगे हैं और खाद नहीं मिल पा रही बहुत से किसान सुबह 8 बजे ही आकर लाइन में लग गए थे और पूरा दिन भी जाने के बाद भी उनका नंबर नहीं आया कृषको में शासन के प्रति जोरदार नाराजगी है क्योंकि कृषि कार्य चरम सीमा पर है और खाद का समय पर ना मिल पाना किसानों में चिंता का विषय बना हुआ है।

ग्राम बिहार बिजोरा के कृषक जगन्नाथ शर्मा जी कहते हैं विपणन संघ द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के द्वारा खाद का वितरण नहीं किया जा रहा है अधिकारी वर्ग किसानों के साथ भेदभाव कर रहे हैं किसानों में नाराजी है उमरिया चौबे निवासी मुकेश मिश्रा बताते हैं कि खाद की पर्ची बनाने का काम ठीक ढंग से न किए जाने कारण किसान बुरी तरह

किसान हो रहे परेशान कृषि कार्य प्रभावित

परेशान है शासन को इसकी व्यवस्था सुचारू करना चाहिए

ग्राम रेपुरा निवासी कमल पटेल कहते हैं किसानों को डीएपी खाद समय पर नहीं मिल रही है यूरिया खाद भी बड़ी मुश्किल से प्राप्त हुई जिससे किसानों का बहुत नुकसान हो जाएगा समय पर खाद अगर नहीं मिली कृषि कार्य प्रभावित हो जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र से आए अनेक किसानों ने कहा की संभागीय कमिश्नर महोदय एवं जिला कलेक्टर जी को खाद्य वितरण का कार्य नियम अनुसार और सुचारू ढंग से कराया जाना चाहिए जिससे किसानों को परेशानी का सामना न करना पड़े एवं पर्याप्त मात्रा में यहां उपलब्ध कराना चाहिए।

बच्चे को दागने के मामले में तीन पर एफ आई आर

शहडोल, देशबन्धु। तमाम तरह के जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने के बावजूद शहडोल जिले के आदिवासी समाज में दागना प्रथा पर रोक नहीं लग पा रही है। अब फिर इस तरह का एक मामला सामने आया है जिसमें ग्राम हरदी निवासी प्रदीप बैगा ने अपने डेढ़ माह के शिशु प्रेमलाल को गर्म सलाखों से दगवाया। जब हालत बिगड़ी तो उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है। शिशु के शरीर में दागने के लगभग 41 निशान थे। मासूम को दागने के इस मामले में सोहागपुर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है जिसमें मासूम को दागने वाली दाई, मासूम के दादा और उसकी माता भी शामिल है।

सोहागपुर पुलिस ने बताया कि

मासूम को दागने वाली दाई, मासूम के दादा और मां भी शामिल

हरदी निवासी प्रेमलाल बैगा के दो माह के पुत्र प्रदीप बैगा को सांस लेने, पसली चलने एवं पेट में सूजन की बीमारी थी। जिसे पडोसी बूटी बाई बैगा द्वारा बच्चे के शरीर के बिभिन्न अंगो पर क्रूरता पूर्वक गर्म कांच की चूडी के नुकीले भाग से दागा गया जिससे बच्चे की तबियत बिगड़ने पर 8 नवंबर की रात इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया।

सोहागपुर पुलिस द्वारा तहरीर जांच पर दागने वाली दाई बूटी बाई बैगा, दादा रजानी बैगा और बालक की मां बेलवती बैगा के विरुद्ध धारा 7 ड्रग्स एवं मैजिक रेमिडिस (ओबजेकशनेबल, एडवरटाईजमेंट) एक्ट 1954 और धारा 324, 34 भा.द.वि.का प्रकरण कायम कर विवेचना मे लिया गया है। वहीं इस मामले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आरएस पाण्डेय ने बताया कि मामले की जांच के लिए टीम बनाई गई है।

सार-समाचार

सातवे वेतन का एरियर अभी तक नहीं मिला

कुण्डम,देशबन्धु। मध्य प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के ब्लॉक अध्यक्ष विनोद कुमार साहू की विज्ञप्ति के अनुसार प्राथमिक माध्यमिक और वरिष्ठ शिक्षकों को शासन के द्वारा सातवें वेतनमान की अंतिम किस्त की राशि मई 2023 को दी जानी थी किंतु बालक संकुल कुंड म संकुल पड़रिया संकुल हरदूली के कुछ शिक्षकों की एरियर की राशि अभी तक उनके खाते मे नही जमा हो सकी है संकुल प्राचारओ की निष्क्रियता बाबूओ की हिटलर शाही एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी की उदासीनता के कारण कर्मचारियों का शोषण हो रहा है। जिसके चलते शिक्षकों के खाते में जो राशि मई में जमा होनी थी वह आज तक नवंबर 2023 तक जमा नहीं हो सकी श्रीमान जिला शिक्षा अधिकारी महोदय जबलपुर से मांग की जाती है कि विधि अनुसार दंडात्मक कार्रवाई करते हुए शोषित शिक्षकों को उनके खाते मै उनकी अंतिम किस्त की राशि जमा की जाए।संघ के जिला अध्यक्ष अरविंद राजपूत अवधेश तिवारी मुकेश सिंह अरुण कुमार दुबे नेतराम झरिया बलराम नामदेव नरेंद्र चौहान भगत सूर्यवंशी राम प्रसाद बरकड़े चंद्र प्रकाश चौहान नरेंद्र टेकाम अनिल दुबे शंभू तिवारी अर्जुन बर्मन राम रतन संयम रमेश गोटिया प्रभु दयाल अ ड़ मे समस्त संघ की कर्मचारियों ने जिला शिक्षा अधिकारी महोदय अपनी मांग पर तत्परता से कार्यवाही करने की महोदय से मांग की हे।

बोर्ड की तर्ज पर होगी नौवीं से 12वीं तक की छमाही परीक्षाए

गाडरवारा, देशबन्धु। सरकारी स्कूलों में नौवीं से 12वीं तक की छमाही परीक्षाएं छह दिसंबर से शुरू हो रही है। पिछले साल से बोर्ड की तर्ज पर तिमाही और छमाही परीक्षाएं ली जा रही हैं, क्योंकि दोनों परीक्षाओं के पांच प्रतिशत अंक बोर्ड व वार्षिक परीक्षा में जोड़े जाते हैं।

ये अंक स्कूल की ओर से भेजे जाते हैं। लोक शिक्षण संचालनालय इस परीक्षा के प्रश्नपत्र तैयार कराकर परीक्षा आयोजित कराता है। स्कूलों के प्राचार्यों के लागइन पर प्रश्नपत्र भेजे जाते हैं, जिसे प्रिंटआउट कराकर विद्यार्थियों के बीच वितरित किए जाते हैं। इस बार छमाही परीक्षाओं में विद्यार्थियों के परफार्मेंस प्रभावित होने की संभावना है, क्योंकि इस बार स्कूल शिक्षा विभाग में स्थानांतरण, वरिष्ठता सूची जारी करने व विधानसभा चुनाव के चलते स्कूलों में पाठ्यक्रम पूरा नहीं हो सका है। अधिकत्तर स्कूलों में 50 फीसद से भी कम पाठ्यक्रम पूरा हुआ है। स्कूलों में मतदान केंद्र बनाए जाने और शिक्षकों की ड्यूटी चुनाव में लगाए जाने के कारण फिलहाल शिक्षण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। सोमवार से फिर से स्कूलों में पढ़ाई दस दिन बाद शुरू हुई है। पिछले सालों में छमाही परीक्षा तक पाठ्यक्रम लगभग पूरा हो जाता था।दिसंबर से रिवीजन और अतिरिक्त कक्षाएं लगनी शुरू हो जाती थी।नौवीं-दसवीं की परीक्षा छह दिसंबर से शुरू होकर 15 दिसंबर को समाप्त होगी। परीक्षा का समय सुबह नौ से 12 बजे तक रहेगा।वहीं,11वीं-12वीं की परीक्षा 6 दिसंबर से शुरू होकर 16 दिसंबर को समाप्त होगी।

घर में लगी आग, सब कुछ जलकर खाक

दमोह,देशबन्धु। दमोह जिले के नोहटा में सोमवार रात करीब 9 बजे अज्ञात कारणों के चलते एक घर के ऊपरी हिस्से में आग लग गई, जिससे घर में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने नोहटा थाना पुलिस व दमकल टीम को सूचना दी, जिसके बाद टीम पहुंची। फायर ब्रिगेड ड्ड स्थानीय लोगों की मदद से भीषण आग पर काबू पाया।

फंदे से लटका मिला किशोरी का शव

दमोह,देशबन्धु। दमोह देहात थाना क्षेत्र में आने वाले पॉलिटेक्निक कॉलेज के पीछे रहने वाली कक्षा नौवीं की 16 वर्षीय छात्रा सोमवार शाम अपने घर के कमरे में फंदे से लटकी मिली। परिजनों की सूचना पर देहात थाना के जबलपुर नाका चौकी पुलिस मौके पर पहुंची सबको अपने कब्जे में मिल गया है फिलहाल मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। पुलिस के अनुसार रामप्रसाद विश्वकर्मा की 16 वर्षीय बेटी अपने घर के कमरे में फंदे से लटकी मिली।

आसमान पर धुएँ की चादर, सूरज दिखाई देना हो जाता है बन्द

गांधीग्राम,देशबन्धु। वर्तमान में धान की कटाई के बाद खेतों में पराली को आग लगातार आग लगाए जाने का क्रम जारी है,पराली में आग लगाए जाने के बाद आसमान में धुएं की चादर से ढक रहा है। दोपहर व शाम के समय आसमान में धुएं का गुबार चढ़ने से बीच बीच में सूरज भी दिखाई देना बंद हो जाता है। धुएं के कारण मंगलवार को गांधीग्राम से सिहोरा के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 हाइवे फोरलेन के किनारे पराली के उड़ते धुएँ से आसमान पर लाल सूरज भी धुएँ के बादलों की ओट में दिखता नजर आए। पराली का धुआं सूर्य की रोशनी के सामने से गुजरता हुआ जब निकलता है तो सूर्य की रोशनी भी मध्यम पड़ जाती है।

लोगों का कहना है कि आजकल के समय में हमारी आंखों को सबसे बड़ा खतरा है धुंए और प्रदूषण से। प्रदूषित हवा में कई जहरीली गैस होती हैं जो हमारी आंखों के लिए बहुत खतरनाक होती हैं।धुएं में कई जहरीले तत्व होते हैं, जो मानव की सेहत के लिए काफी खतरनाक है।

सड़क हादसे में सात की मौत, 6 घायल

मामला चित्रकूट राष्ट्रीय राजमार्ग के बागरेही गांव का

पन्ना, देशबन्धु । पन्ना जिले के अजयगढ तहसील अन्तर्गत ग्राम लांयचा निवासी पटेल परिवार प्रयागराज अस्थिंया लेकर बुलेरो गाडी से गया हुआ था तथा अस्थि विसर्जन के पास उक्त परिवार वापिस अजयगढ आ रहा था। उसी दौरान चित्रकूट के राष्ट्रीय राजमार्ग के बागरेही गांव के पास उत्तर प्रदेश की राज्य परिवहन बस एवं बोलेरो मे जोरदार भिडंत हो गई, जिसमे महिलाओ सहित सात लोगो की मृत्यु हो गई तथा आधा दर्जन घायल होने की जानकारी प्राप्त हुई है। विवरण के अनुसार लांयचा ग्राम निवासी प्रताप पटेल अपने परिवार के साथ बुलेरो वाहन क्रमांक एम पी 35 सीए 3856 से वापिस आ रहे थे, उसी दौरान बस ने बुलेरो मे सीधी टक्कर मार दी। जिससे यह बडी दुर्घटना घटित हुई है। समाचार लिखे जाने तक पुरा विवरण अभी तक नही आया है लेकिन प्रताप पटेल तथा उनका पूरा परिवार माता-पिता, पत्नी, बहन, पुत्र-पुत्री काल के गाल मे समा गये है। उक्त घटना से पूरे क्षेत्र मे शोक की लहर फैल गई है।

नगर पालिका के कुंआ में मिली युवक की लाश

हत्या या आत्महत्या ?

पन्ना, देशबन्धु । कोतवाली थाना अन्तर्गत नगर पालिका कार्यालय परिषर मे स्थित कुए मे एक 32 वर्षीय युवक की लाश तैरते हुए पाई गई है। बताया जाता है कि उक्त युवक अपने घर से रवीवार से लापता था। जिसे परिजनो द्वारा ढूंढा जा रहा था। लेकिन दो दिन तक उसका कोई पता नही चला। आज दिनांक 21 नवम्बर को 11 बजे नगर पालिका के कर्मचारीयो द्वारा नगर पालिका स्थित परिषर के कुए मे शव तैराता हुआ दिखाई दिया। जिसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई। पुलिस ने घटना स्थल पंहुचकर शव को कुए से बाहर निकाला। म्रतक की पहचान धाम मोहल्ला निवासी कैलाश जाटव के रूप मे की गई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है तथा जांच की जा रही है, कि आखिर म्रतक ने आत्म हत्या की है या उसकी हत्या करके कुए मे फैंका गया है।

अक्षय नवमीं पर की आंवला वृक्ष की पूजा

सौभाग्य-आरोग्य वह संतान सुख की कामना की

गांधीग्राम,देशबन्धु। कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की नवमी को अक्षय नवमी अर्थात आंवला नवमी को गांधीग्राम में ग्राम की महिलाओं ने आंवला वृक्ष का भगवान विष्णु के रूप में पूजन कर अखंड सौभाग्य,आरोग्य व संतान सुख की कामना की।सर्वप्रथम महिलाओं ने कूड़ा-कंजई तिराहा गांधीग्राम में लगे आंवला के वृक्ष के नीचे गोबर से लीपकर,चौक पूरकर,केले के पत्ते में भगवान श्री विष्णु की मूर्ति स्थापित कर विधि विधान से पूजन अर्चन किया। पवित्र नदियों के जल से भगवान विष्णु व आंवला वृक्ष को स्नान कराया। घर के बने हुए पकवान आंवला वृक्ष को भेंटकर अक्षय नवमी की कथा का श्रवण कर महिलाओं ने धार्मिक भजनों का सामूहिक गायन किया।आंवले की आरती का परिक्रमा कर रक्षा सूत्र आंवले को बांधकर सौभाग्य की। कामना की कथानुसार अक्षय नवमी के दिन किया गया दान ,पुण्य,भक्ति कभी क्षय नहीं होती इसका फल अनेक जन्मों तक मिलता है ।

आंवला वृक्ष के नीचे किया भोजन- महिलाओं ने पूजन उपरांत आंवला वृक्ष के नीचे बैठकर आंवला फल को ग्रहण कर भोजन आंवला वृक्ष के नीचे ग्रहण किया।आयुर्वेद का वरदान आँवला वृक्ष को महिलाओं में श्रीमती वंदना मिश्रा, रश्मि मिश्रा,अनुराधा तिवारी,ममता असाटी,सुनीता तिवारी, मिथिला असाटी, वर्षा असाटी, प्रिया असाटी, सुनीता असाटी,साधना असाटी,ललता असाटी ने आँवला वृक्ष को नमन कर परिवार के स्वस्थ्य,निरोगी व सुखशांति के लिये प्रार्थना की।

सूने घर में चोरों का धावा, सोने चांदी के जेवर, नगदी चोरी कर ले गए चोर

सिहोरा,देशबन्धु। सिहोरा थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 10 नगर पालिका के पीछे सोनी घर में चोरों ने धावा बोलकर करीब चार लाख के सोने-चांदी के जेवर और नगदी पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की वारदात की खबर परिवार के लोगों को शनिवार शाम घर पहुंचने पर लगी। दरअसल दीपावली के पूजन के लिए पूरा परिवार अमावस के दिन बहोरीबंद मवई गया था। फिलहाल पीड़ित परिवार ने मामले की जानकारी सिहोरा पुलिस को दे दी है।

आशीष परोहा ने बताया कि उनके पैतृक गांव बहोरीबंद मवई है। दीपावली वाले दिन पूरा परिवार पूजन के लिए घर में ताला लगाकर गांव चला गया था। शनिवार शाम को जब वह अपने घर पहुंचे तो घर के दरवाजे का ताला टूटा था। अंदर सारे कमरों के ताले टूटे थे और सामान बिखरा पड़ा। अंदर अलमारी और पेटी में रखे सोने चांदी के जेवर और नगदी गायब थी। आशीष के मुताबिक चार जोड़ी चांदी की पायल 200 ग्राम, सोने के हाय चंद्रमा चार जोड़ी आधा तोले, कमर करधन बच्चों वाले दो, चांदी के 10 सिक्के, सोने के दो नग कंगन तीन तोला के, सोने की चेन पौने दो तोला की, सोने की झुमकी एक जोड़ी एक तोला, सोने की एक अंगूठी आधा तोला और 40 हजार कैश चोर चोरी कर कर ले गए।

*नकली ज्वेलरी तोड़ तोड़ कर फेंकी,

चोरों ने इत्मीनान से घर में घुसकर असली और नकली सोने के जेवरों की पहचान की। घर में आर्टिफिशियल बेनटेक्स की ज्वेलरी को तोड़ तोड़ कर फेंक दिया और असली सोने चांदी की जेवरों को चोरी कर ले गए। फिलहाल चोरी की इस घटना से पूरा परिवार सदमे में है।

चोरी के शक में कार सवारों ने युवक को किया अगवा खदान में बेदम पीटने के बाद घर के पास फेंका

सिविल लाइन थाना क्षेत्र का मामला

सतना, देशबन्धु। चोरी के संदेह में कार सवारों ने सोमवार की रात विराट नगर से एक युवक को अगवा कर लिया। इसके बाद खदान में ले जाकर उसे बेदम पीटा और फिर अधमरा कर आरोपी युवक को उसके घर के पास फेंककर चले गए। देर रात पीड़ित को उसके परिजनों ने अस्पताल में दाखिल कराया है। सूचना मिलने पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने पीड़ित के बयान के आधार पर मारपीट का प्रकरण तो दर्ज किया, लेकिन अपहरण की विवेचना की जा रही है।

इस मामले में विराट नगर में प्रवीण कुमार सिंह के घर में किराए से रहने वाले अमन रावत

पिता राजेश रावत (23) ने बताया कि वह प्रवेश गौतम के यहां काजल एसोसिएट्स में सेल्स का काम करता है और यहां अपनी मां सपना रावत और भाईयों के साथ रहता है। अमन के अनुसार, रात करीब साढ़े 8 बजे मोहल्ले में ही बाबा किराना दुकान के पास खड़ा था। तभी ब्रेजा कार में सवार भाजपा नेता गोकुल सिंह चंदेल निवासी इटौरा बांधी ने अपने साथियों की मदद से उसे जबरन गाड़ी में बैठाया और सोहावल की ओर खदान में लेकर गए। वहां आरोपियों ने जबरन शराब पिलाने का प्रयास किया। जब मना किया तो कपड़ों पर शराब फेंकते हुए बेदम पिटाई

पीड़ित के बयान पर दर्ज हुई मारपीट की एफआईआर

शुरू कर दी। इसके बाद रात करीब साढ़े 10 जे आरोपी विराट नगर में गुन्ना सिंह के घर के पास फेंककर चले गए।

रात को ही पुलिस को सूचना दी गई थी। अमन का कहना है कि आरोपी विराट नगर में ही रहते थे और चोरी का शक करते हुए उन्होंने अपहरण के बाद मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। थाना सिविल लाइन टीआई योगेन्द्र सिंह ने बताया कि मारपीट का मुकद्मा दर्ज किया है। अपहरण होने की विवेचना की जा रही है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन यूक्रेन पहुंचे

कीव। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने सोमवार को कहा कि वह यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंच गये हैं। श्री ऑस्टिन ने कहा कि अमेरिका यूक्रेन का समर्थन करना जारी रखेगा। श्री ऑस्टिन ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, मैं अभी यूक्रेन के नेताओं से मिलने के लिए कीव पहुंचा हूं। मैं आज यहां एक महत्वपूर्ण संदेश देने आया हूं कि अमेरिका रूस के आक्रामक रुख के खिलाफ इस जंग में वर्तमान और भविष्य में भी यूक्रेन के साथ खड़ा रहेगा।

बंधकों की रिहाई के प्रस्ताव पर भड़के इजरायली, मंत्री भी दो फाड़

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों से मीडिया रिपोर्ट्स में इस बात की चर्चा जोरों पर है कि हमास और इजरायल के बीच संघर्ष विराम अपने अंतिम दौर में है। हमास नेता इस्माइल हानियेह ने भी टेलीग्राम पर पोस्ट किए गए एक बयान में इसकी पुष्टि करते हुए कहा, हमास इजरायल के साथ एक संघर्ष विराम समझौते पर पहुंचने के करीब है।

हालांकि, हनियेह ने संभावित समझौते के बारे में कोई अतिरिक्त विवरण नहीं दिया। हमास का यह बयान व्हाइट हाउस के इसी तरह के उस दावे का समर्थन करता है, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने सोमवार को कहा था कि दोनों पक्षों के वार्ताकार हमास द्वारा बंधक बनाए गए इजरायली नागरिकों की रिहाई पर समझौते के करीब पहुंच रहे हैं। बता दें कि खाड़ी देश कतर की मध्यस्थता में यह बातचीत चल रही है। ष्टहह ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका, इज़रायल और हमास के बीच कई हफ्तों की बातचीत के बाद, कुछ बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए एक संभावित सौदे के रूप में युद्ध पर अस्थायी विराम लग सकता है।

इजरायली नेताओं के प्रस्ताव पर झड़प

एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस बीच, हमास द्वारा बंधक बनाए गए इजरायली बंधकों के परिवार उन दूर-दराज के इजरायली राजनेताओं के साथ भिड़ गए, जो पकड़े गए फिलिस्तीनी आतंकियों के लिए मौत की सजा की वकालत कर रहे थे। पीड़ित परिवारों ने इस पर घोर नाराजगी जताते हुए कहा कि ऐसा करने की सिर्फ बात से उनके रिश्तेदारों की जान खतरे में पड़ सकती है। यह विवाद बंधक संकट से निपटने के तरीके को लेकर इजराइल में गहरे मतभेद को रेखांकित करता है।

मंत्री से भिड़े लोग

इजरायली अखबार हारेत्ज की रिपोर्ट में कहा गया है कि गिल डिकमैन, जिसका चचेरा भाई भी हमास का बंधक है, ने इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामर बेन-गविर को दो टूक कहा, जब हमारे प्रियजनों का जीवन दांव पर है, और तलवार उनकी गर्दन पर है, तब मैं आपसे विनती करता हूं कि आप हमारी पीड़ा का फायदा न उठाएं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इजरायली मंत्री भी इस मुद्दे पर दो फाड़ हैं और उनके बीच कोई एक आमराय नहीं बन पाई है।

इसी तरह यार्डन गोनेन, जिनकी बहन रोमी बंधकों में से एक है, ने एक संसदीय पैनल के दौरान बेन-गविर और उनके दूर-दक्षिणपंथी पार्टी के सहयोगियों से कहा कि दोषी हमास आतंकवादियों के लिए संभावित मौत की सजा पेश करने के प्रस्ताव का मतलब आग से खेलना होगा और इसके बदले में हमें अपने प्रियजनों की हत्या की खबर मिलेगी।

उन्होंने कहा कि आपके फैसलों और पेशकशों से हमारी बहन की जान जा सकती है और आप अंत में इसके लिए इज़रायल को नहीं बल्कि हमास को ही दोषी ठहराएंगे। उन्होंने कहा,जब तक वे (बंधक) यहां वापस न आ जाएं, तब तक उनका (हमास) का पीछा न करें। मेरी बहन का खून अपने हाथों पर मत लगाइए।

आज का इतिहास

1808- दुनिया की मशहूर ट्रैवल कंपनी 'थॉमस कुक एंड संस' के संस्थापक थॉमस कुक का जन्म।
1830- अंग्रेजों के खिलाफ आजादी की जंग छेड़ने वाली रानी लक्ष्मीबाई की सेना की मुख्य सदस्य झलकारी बाई का जन्म।1864- भारत की प्रथम महिला चिकित्सक रुक्माबाई का जन्म हुआ।
1882- भारत के प्रसिद्ध उद्योगपतियों में से एक वालचंद हीराचंद का जन्म हुआ।
1920 - हकीम अजमल ख़ान जामिया के पहले चांसलर बने।
1943- द्वितीय विश्वयुद्ध[मृत कड़ियाँ] के दौरान जापान को हराने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डेलानो रूज़वेल्ट, ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल और चीनी शासक च्यांग काई शेक के बीच मंत्रणा हुई।
1950- अमेरिका के रिचमंड हिल्स में रेल दुर्घटना में 71 लोगों की मृत्यु हो गई।
1963- अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी की हत्या।
1968- मद्रास राज्य का नाम बदलकर तमिलनाडु करने के प्रस्ताव को लोकसभा से स्वीकृति मिली।

सुडोकू 6383

	3			7	9	1		
	8	5			4			
1	6	9	5	2				
	5	6	4	3		2		1
3		2		5	8	9	7	
				8	1	4	9	5
			2			6	3	
		7	3	4			1	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

गाजा में मारे गए 50 से ज्यादा पत्रकार और मीडियाकर्मी

गाजा, (आईएएनएस)। पत्रकारों की सुरक्षा के लिए समिति (सीपीजे) ने एक रिपोर्ट में कहा, हमास ने 7 अक्टूबर को इजरायल के खिलाफ अपना बड़ा हमला शुरू किया, इसके बाद हुई हिंसा में गाजा पट्टी में कम से कम 50 पत्रकार और मीडियाकर्मी मारे गए हैं। सोमवार को एक रिपोर्ट में, न्यूयॉर्क स्थित गैर-लाभकारी संस्था ने कहा कि उग्र संघर्ष के बीच पत्रकारों की मौत का दूसरा सबसे घातक दिन 18 नवंबर को हुआ, जिसमें पांच लोग मारे गए, जबकि युद्ध का सबसे घातक दिन इसका पहला दिन यानी 7 अक्टूबर था, जिसमें छह पत्रकार मारे गए। मरने वाले 50 लोगों में से 45 फिलिस्तीनी, चार इजरायली और एक लेबनानी था। सीपीजे के अनुसार, 11 पत्रकार घायल हुए, तीन लापता हैं और 18 पत्रकारों को कथित तौर पर गिरफ्तार किया गया। गैर-लाभकारी संस्था ने कहा कि वह अन्य पत्रकारों के मारे जाने, लापता होने, हिरासत में लेने, चोट पहुंचाने या धमकाने और मीडिया कार्यालयों और पत्रकारों के घरों को नुकसान पहुंचाने की कई अपुष्ट रिपोर्टों की भी जांच कर रही है। सीपीजे के मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका कार्यक्रम समन्वयक शेरिफ मंसूर ने कहा, सीपीजे इस बात पर जोर देता है कि पत्रकार संकट के समय महत्वपूर्ण काम करने वाले नागरिक हैं और उन्हें युद्धरत दलों द्वारा निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। इस संघर्ष को कवर करने के लिए पूरे क्षेत्र के पत्रकार बलिदान दे रहे हैं। विशेष रूप से गाजा में रहने वालों ने अभूतपूर्व क्षति का भुगतान किया है और भुगतान करना जारी रखा है और उन्हें तेजी से खतरों का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार सुबह तक, गाजा में मरने वालों की संख्या 11,078 थी, जिनमें से 4,506 बच्चे और 3,027 महिलाएं थीं। इजराइल में 1,200 से अधिक मौतें हुई थीं, जबकि वेस्ट बैंक में यह संख्या बढ़कर 213 हो गई है।

बंधकों की रिहाई के लिए हम संघर्ष विराम समझौते के बेहद करीब : हमास नेता

तेल अवीव, (आईएएनएस)। हमास के पोलित ब्यूरो नेता इस्माइल हानियेह ने मंगलवार को दावा किया कि उनका आतंकवादी समूह यहूदी राष्ट्र पर हमले के बाद 7 अक्टूबर को पकड़े गए बंधकों की रिहाई के संबंध में इज़राइल के साथ एक संघर्ष विराम समझौते पर पहुंचने के करीब है। हनियेह की टिप्पणी हमास द्वारा कतर में मध्यस्थों को संघर्ष विराम की इच्छा व्यक्त करने के बाद आई है। हनियेह ने कहा, हम एक संघर्ष विराम समझौते पर पहुंचने के करीब हैं। हालांकि, हमास के वरिष्ठ नेता ने उक्त समझौते पर कोई अन्य जानकारी नहीं दी। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) के अनुसार, गाजा में सेना के चल रहे जमीनी हमले में आतंकवादी समूह के लगभग 70 प्रतिशत शीर्ष नेतृत्व मारे गए हैं। लेकिन यह देखना अभी बाकी है कि क्या इजरायल फिलिस्तीनी कैदियों की अदला-बदली सहित किसी युद्धविराम के लिए सहमत होता है। इजराइल सरकार बंधकों के परिवारों के दबाव में भी है। अधिकारियों के मुताबिक, गाजा में 237 लोगों को बंदी बनाया गया है, जिनमें इजरायली और विदेशी नागरिक शामिल हैं। सोमवार को इजरायली सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि बंधकों में 40 बच्चे हैं। अब तक, हमास द्वारा चार नागरिक बंधकों को रिहा किया गया है, एक इजरायली सैनिक को बलों द्वारा बचाया गया और कथित तौर पर बंधकों के तीन शव बरामद कर लिए गए हैं।

रहम की भीख मांग रही लड़की को गोलियों से भूना

इजरायल ने दिखाई हमास आतंकियों की क्रूरता

नई दिल्ली। इजरायल और हमास आतंकियों के बीच खूनी जंग को एक महीने से भी ज्यादा का वक्त हो गया है। इस भीषण लड़ाई में इजरायली सैनिकों ने उत्तरी गाजा पट्टी में हमास से कब्जा छुड़ा लिया है। हमास आतंकियों से दो कदम आगे चल रही इजरायली सेना ने हमास की क्रूरता का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इजरायल ने दावा किया है कि 7 अक्टूबर को इजरायली इलाकों में कत्लेआम के दौरान हमास आतंकियों ने महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों किसी को नहीं छोड़ा।

इजरायल ने 7 अक्टूबर को किए नरसंहार का एक वीडियो फुटेज जारी किया है। वीडियो में हमास बंदूकधारी इजरायली इलाकों में घुसकर गोलियां बरसा रहे हैं। वीडियो फुटेज एक म्यूजिक फेस्टिवल का बताया जा रहा है। जिसमें एक लड़की आतंकियों के सामने रहम की भीख मांग रही है लेकिन, आतंकी उसका सीना गोलियों से छलनी कर देते हैं।

इज़राइल ने 7 अक्टूबर शुरू हुए हमले का एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो के जरिए वह हमास आतंकियों की क्रूरता को दुनिया के सामने लेकर आया है। विरोधी इस वीडियो को जारी करने के पीछे गाजा में विनाशकारी युद्ध से इजरायल के खुद को बचाने वाला पैंतरा बता रहे हैं। क्योंकि तमाम देशों द्वारा युद्धविराम की बढ़ती मांगों के बावजूद इजरायल ने हमास के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखने की घोषणा की है। इस कत्लेआम में अभी तक कम से कम 14 हजार लोगों की जान जा चुकी है। जिसमें अकेले 12 हजार लोग फिलिस्तीनी हैं।

वीडियो फुटेज में हमास की क्रूरता

वीडियो में बंदूक धारियों को लोगों के पीछे भागते हुए देखा जा सकता है। इजरायल ने दावा किया है कि यह फुटेज 7 अक्टूबर को इजरायली इलाके में हुए म्यूजिक फेस्टिवल के पास का है, जहां हमास आतंकियों ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दी थीं। हजारों की संख्या में घुसे आतंकियों ने फेस्टिवल में लाशों का अंबार लगा दिया था। एक ही झटके में सैंकड़ों लोगों की जान ले ली थी। इजरायल के विदेश मंत्रालय से जुड़े एक अकाउंट ने वीडियो फुटेज के साथ सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी है, यह अच्छाई और बुराई के बीच एक युद्ध है।

रहम की भीख मांग रही लड़की को गोलियों से भूना

वीडियो के अंत में, एक महिला को बदहवाश हालत में एक लड़की दिख रही है। वह जमीन पर बैठी हुई है। उसके सामने हमास बंदूकधारी खड़ा है। लड़की हाथ जोड़कर रहम की भीख मांग रही है लेकिन कुछ ही पलों में आतंकी गोलियों से उसका सीना छलनी कर देता है। फिर वो जमीन पर गिर जाती है। वीडियो में कोई ऑडियो नहीं था, लेकिन जैसे ही आतंकी ने ट्रिगर दबाया तो जमीन से धूल का गुबार उठता देखा जा सकता है। महिला की पहचान गुप्त रखी गई है।

इजरायली अधिकारियों का दावा है कि 75 सालों के सबसे भयावह नरसंहार में हमास आतंकियों ने 7 अक्टूबर को उसके लगभग 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी, जिसमें अधिकतर नागरिक थे। इजरायल का यह भी दावा है कि उसके 240 नागरिक अभी भी हमास के कब्जे में हैं।

अमेरिका पहुंचा खालिस्तान के खिलाफ गुस्सा, भारतवंशियों ने की पन्नू को घेरने की तैयारी

अमेरिका में भारतवंशी प्रवासियों के पैनल ने एयर इंडिया से उड़ान भरने वाले लोगों को धमकी देने वाले वीडियो संदेश जारी करने के लिए आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू और उसके प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) को नो-फ्लाई सूची में शामिल करने की मांग की है। भारतीय-अमेरिकी और भारतीय-कनाडाई लोगों के एक संगठन फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज द्वारा आयोजित पैनल चर्चा में शामिल प्रतिभागियों ने कहा कि अब समय आ गया है कि सरकारें एसएफजे के अलगववादी सिख नेता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें।

एक अमेरिका स्थित संगठन है जिसे भारत सरकार ने भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहने पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत प्रतिबंधित किया हुआ है। जुलाई, 2020 में पन्नू को अलगाववाद को बढ़ावा देने और कथित तौर पर पंजाबी सिख युवाओं को हथियार उठाने के लिए उकसाने के लिए यूएपीए के तहत एक आतंकवादी घोषित किया गया था। एफआईआईडीएस के खंडेराव कांड ने कहा, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आतंक की स्वतंत्रता के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को गलत तरीके से प्रस्तुत किया और चरमपंथी निज्जर की हत्या को लेकर भारत के खिलाफ उनके आरोपों ने कनाडा में भारत विरोधी और हिंदू विरोधी अपराधों को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि ट्रूडो की नीतियां चरमपंथ के खतरों की अनदेखी करती हैं जिनका कनाडा पर भी अंतत: प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

कांड ने एक बयान में कहा, पैनल में शामिल लोगों ने वर्ष 1985 में एयर इंडिया के विमान कनिष्क में बम विस्फोट की ओर इशारा करते हुए सवाल किया कि गुरपतवंत पन्नू और एसएफजे के सदस्यों को एयर इंडिया से यात्रा करने पर धमकियों के लिए नो-फ्लाई सूची में क्यों नहीं रखा गया है। अंग्रेजों और कांग्रेस पार्टी, दोनों की ओर से हिंदुओं और सिखों के बीच नफरत के ऐतिहासिक बीज बोए जाने के संदर्भ में कैलिफोर्निया में रहने वाले सुखी चहल ने कहा कि एसएफजे सिखों का समग्र प्रतिनिधित्व नहीं करता और इसने हिंदुओं तथा सिखों के खिलाफ विकृत और घृणित दुष्प्रचार किया है।

वर्ग पहेली 6383

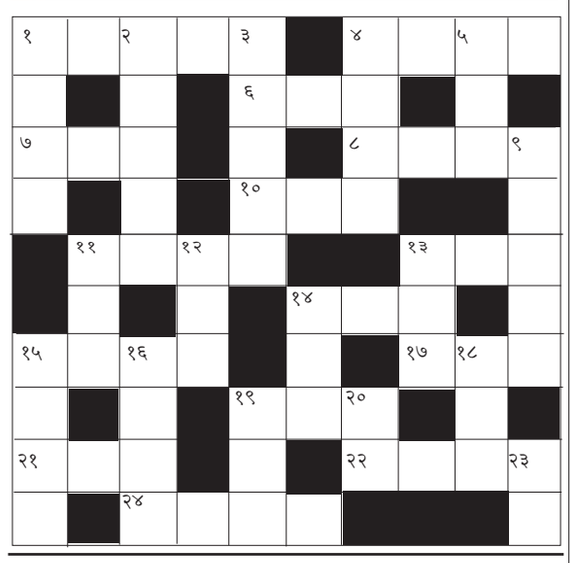

बायें से दायें:-

१. जिस पर विजय पाना कठिन हो, परमेश्वर
४. बंटवारा
६. माथा, ललाट
७. अनार
८. कोई चीज पाने के लिए हाथ बढ़ाना, झटपट चल पड़ना, किसी पर झपटना
१०. धमकाना, डराना, डांटना, क्रोध
११. शिकन आना, फर्क पड़ना (मुहावरा)
१३. गोलमाल, गड़बड़
१४. लोहे-बांस आदि की तीलियों आदि का बना एक तरह का टोकरा जैसी आकृति जिसमें पालतु पशु-पक्षी रखे जाते हैं
१५. कानूनी
१७. विफल (उर्दू)
१९. दूर में स्थित
२१. पाप रहित
२२. हवा में इधर-उधर होना
२४. कामना, अभिलाषा

ऊपर से नीचे:-

१. पीड़ादायक
२. राजप्रासाद
३. यमलोक की पीड़ा
४. किसी के खाते में खर्च की ओर कोई रकम लिखना
५. जन्म देने वाला
९. कठोर, जो कोमल न हो (उर्दू)
११. अधिकतर
१२. डर, खौफ़, दहशत
१३. कुल, वंश
१४. ललाई लिए हुए पीले रंग का, पीला
१५. पारिश्रमिक लेकर कार्य करने वाला
१६. बेजोड़, बेमिसाल
१८. मिस्र की राजधानी
१९. कठिन, मुश्किल
२०. दृढ़ और सूखी जमीन, स्थान
२३. अनेक, कई

वर्ग पहेली-6382

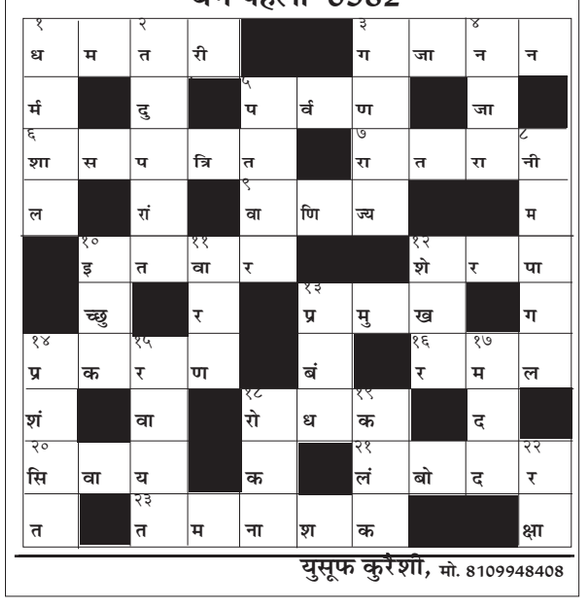

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

तैयारी

भारत में अमेरिका के राजदूत गार्सेटी बोले

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। वाशिंगटन के राजदूत एरिक गार्सेटी ने सोमवार को बताया कि अमेरिका भारत में वीजा जारी करने की गति तेज कर रहा है। अधिक कर्मचारी हैदराबाद वाणिज्य दूतावास में शामिल हो रहे हैं। बेंगलुरु और अहमदाबाद में जल्द ही नए वाणिज्य दूतावास खुलेंगे। गार्सेटी ने कहा, कुछ और लोग पहले ही हैदराबाद वाणिज्य दूतावास में शामिल हो चुके हैं। हम शहर में कर्मचारियों की संख्या बढ़ा रहे हैं।

नए वाणिज्य दूतावास स्थापित करने के लिए बेंगलुरु और अहमदाबाद में परिसरों को लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रविवार को भारत-ऑस्ट्रेलिया विश्व कप क्रिकेट फाइनल देखने के लिए शहर की यात्रा के दौरान उन्होंने उस नए परिसर को देखा, जिसे अमेरिका अहमदाबाद में वाणिज्य दूतावास स्थापित करने के लिए ले रहा है। गार्सेटी ने कहा कि बैकलॉग को खत्म करने के लिए बढ़ाए गए अभियान के तहत हाल के हफ्तों में भारत में जारी किए जाने वाले अमेरिकी वीजा की संख्या एक तिहाई बढ़ गई है।

अमेरिकी राजदूत ने कहा कि

छात्रों और पर्यटकों के लिए अमेरिकी वीजा के लिए प्रतीक्षा समय कम हो गया है और यह इस बात पर निर्भर करता है कि आवेदन किस कार्यालय में किया गया है, यह छह महीने से एक साल तक है।

हालांकि, अमेरिका का ध्यान भारतीय नागरिकों को वीजा जारी करने में तेजी लाने पर था।

उन्होंने यह भी कहा कि देरी की समस्या बड़ी संख्या में आवेदकों के बढ़ने के कारण है, इसलिए सटीक समय अंतराल बताना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि यह समस्या ब्राजील और मैक्सिको जैसे अन्य बड़े देशों में भी है।

भारत को रणनीतिक साझेदार के रूप में देखता है अमेरिका

नई दिल्ली। अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि अमेरिका भारत को न केवल एक रणनीतिक साझेदार के रूप में देखता है, बल्कि शांति स्थापित करने और तत्काल मुद्दों को हल करने में मदद करने के लिए वैश्विक रूप से प्रमुख मानता है। भारत-अमेरिका 2 प्लस 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता और आगे की राह पर बोलते हुए गार्सेटी ने कहा कि दोनों देशों द्वारा बेचे जाने वाले और सह-विकसित किए जाने वाले हथियारों के अलावा उनकी सेनाओं के बीच करीबी परिचालन स्तर का सहयोग बढ़ते रक्षा संबंधों की दिशा में एक बड़ा कदम है।

खेल जगत

इंग्लैंड के खिलाफ वेस्टइंडीज की वनडे टीम में मैथ्यू फोर्ड, रदरफोर्ड शामिल

सेंट जॉन्स (एंटीगा)। वेस्टइंडीज की अगले आईसीसी विश्व कप की तैयारी शुरू हो गई है क्योंकि कैरेबियाई टीम ने दिसंबर से इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम घोषित कर दी है, जो 3 दिसंबर से खेली जाएगी। शाई होप टीम का नेतृत्व करेंगे और अल्जारी जोसेफ को नया उप-कप्तान बनाया गया है। टीम में बैटिंग ऑलराउंडर शेरफेन रदरफोर्ड और सीम बॉलिंग ऑलराउंडर मैथ्यू फोर्ड के रूप में दो अनकैप्ड खिलाड़ी हैं, जिन्होंने सीनियर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना पहला कॉल-अप अर्जित किया है। मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने कहा, हमने अल्जारी जोसेफ को उप कप्तान नियुक्त किया क्योंकि उन्होंने हाल ही में सुपर 50 कप के दौरान लीवार्ड आइलैंड्स हरिकेंस के लिए अपने दमदार नेतृत्व गुणों का प्रदर्शन किया था।

सूर्य कुमार यादव ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज में होंगे भारत के कप्तान

- शुरू के तीन मैचों में ऋतुराज व आखिरी के दो में श्रेयस उपकप्तान
- हार्दिक अभी भी फिट नहीं, फिट अक्षर पटेल टीम में लौटे
- संजू सैमसन व शाहबाज अहमद को नहीं मिली टीम में जगह

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली। विस्फोटक बल्लेबाज सूर्य कुमार यादव मेहमान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच आईडीएफसी टी 20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की क्रिकेट सीरीज में भारत की 15 सदस्यीय क्रिकेट टीम के कप्तान होंगे। हार्दिक पांडया के अभी भी वन डे विश्व कप में चौथे मैच में लगी टखने की चोट से न उबर पाने के कारण ही सूर्य कुमार यादव को भारतीय टी-20 क्रिकेट टीम की कप्तानी का मौका मिला है। सूर्य कुमार यादव पहली बार भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी करेंगे। सूर्य कुमार यादव को कप्तानी का कोई बहुत अनुभव नहीं है।

शुरू के तीन टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ टीम के उपकप्तान होंगे जबकि श्रेयस अय्यर 1 दिसंबर को रायपुर में चौथे और तीन दिसंबर को बेंगलुरू में पाचवें व आखिरी कुल दो मैचों टीम से जुड़ने के साथ उपकप्तान की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। भारत की सीनियर पुरुष क्रिकेट चयन समिति ने विशाखापट्टनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 23 नवंबर से पहले टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों से शुरू हो रही पांच मैचों की सीरीज के लिए सोमवार देर रात भारतीय टीम की घोषणा की। दोनों देशों के बीच यह पांच टी-20 मैचों की सीरीज अहमदाबाद में वन डे विश्व कप फाइनल में भारत की ऑस्ट्रेलिया के हाथों फाइनल में हार के चार दिन बाद ही शुरू हो रही है। अब चूंकि वेस्ट इंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में आईसीसी टी-20 विश्व कप अब से करीब छह महीने बाद ही शुरू हो रहा है और इसीलिए अब पूरा ध्यान टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट पर लग गया है। भारत की इसी साल अगस्त में मेजबान आयरलैंड से टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सीरीज जीतने वाली टीम में शामिल संजू सैमसन और ऑलराउंडर शाहबाज अहमद को टीम में जगह नहीं है । साथ ही अकेले अपने असम को टी-20 सैयद मुश्तक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचाने वाले रेयन पराग और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा को भारत की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टी मैचों की सीरीज के लिए घोषित टीम में जगह मिली है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस टी-20 सीरीज के लिए ऑलराउंडरों-अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, शिवम दुबे, तिलक वर्मा को तवज्जो दी है। ऑस्ट्रेलिया के पांच टी-20 मैचों की इस सीरीज में वीवीएस लक्ष्मण भारतीय टीम के कोच होंगे। बतौर कोच लक्ष्मण के मार्गदर्शन और ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में भारत की पुरुष क्रिकेट टीम ने हांगजू एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। भारत की ऑस्ट्रेलिया से रविवार को अहमदाबाद में आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में छह विकेट से हारने वाली टीम के सूर्य कुमार यादव, इशान किशन, श्रेयस अय्यर रायपुर में और आखिर समय चोटिल हार्दिक पांडया की जगह टीम में जगह पाने वाले तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के रूप में मात्र चार खिलाड़ी ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जाने वाली टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की क्रिकेट सीरीज में खेलेंगे जबकि चोट के कारण आखिर समय वन डे विश्व कप से बाहर हुए बाएं हाथ के ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने फिट होकर टीम में वापसी की है। हालांकि पूरी टी-20 सीरीज के लिए भारत की वन डे विश्व कप के केवल तीन खिलाड़ी सूर्य, इशान और प्रसिद्ध के रूप में मात्र तीन खिलाडियों को ही टीम में जगह मिली हैंकरीब डेढ़ महीने तक चले आईसीसी वन डे विश्व कप के बाद भारत ने नौजवानों को ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सीरीज के लिए चुना है।

टी20 के लिए भारतीय टीम

सूर्य कुमार यादव (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़(उपकप्तान), इशान किशन, यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जीतेश शर्मा(विकेटकीपर),वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्ण, आवेश खान, मुकेश कुमार। (श्रेयस अय्यर सीरीज के रायुपर और बेंगलुरु में खेले जाने वाले अंतिम दो टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भारतीय टीम सश बतौर उपकप्तान जुड़ेंगे।)।

टी-20 सीरीज का कार्यक्रम

23 नवंबर, पहला टी-20 मैच, विशाखापट्नम।
26 नवंबर, दूसरा टी-20 मैच, तिरुवनंतपुरम।
28 नवंबर, तीसरा टी-20 मैच, गुवाहाटी।
1 दिसंबर, चौथा टी-20 मैच, रायपुर।
3 दिसंबर, पांचवां व टी-20 मैच, बेंगलुरू।

हॉकी इंडिया ने महिला कोचिंग शिविर के लिए 34 सदस्यीय समूह की घोषणा की

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने 5 देशों के टूर्नामेंट वालेंसिया से पहले 22 नवंबर से 10 दिसंबर तक बेंगलुरु के एसएआई सेंटर में होने वाले सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 34 सदस्यीय कोर संभावित समूह की घोषणा की है। टूर्नामेंट का आयोजन 15, 2023 दिसंबर से 22 दिसंबर के बीच होने वाला है।

वालेंसिया में पांच देशों के टूर्नामेंट में भारत, आयरलैंड, जर्मनी, बेल्जियम और मेजबान स्पेन प्रतिस्पर्धा करेंगे। यह 13 जनवरी से शुरू होने वाले सभी महत्वपूर्ण एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम की तैयारी में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस महीने की शुरुआत में झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 में शानदार प्रदर्शन के बाद कैंप में लौटने पर भारतीय महिलाएं आत्मविश्वास महसूस करेंगी। भारत ने फाइनल में जापान को 4-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। भारत उस टूर्नामेंट में भी अजेय रहा जिसमें चीन, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड ने भी भाग लिया। कोर ग्रुप में गोलकीपर सविता, रजनी इतिमारपु, बिचू देवी खारीबाम और बंसारी सोलंकी शामिल हैं। जबकि, दीप ग्रेस एक्का, गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, अक्षता अबासो ढेकाले, ज्योति छत्री और महिमा चौधरी डिफेंडरों के समूह में शामिल हैं। निशा, सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरमबम, ज्योति, नवजोत कौर, मोनिका, मारियाना कुजूर, सोनिका, नेहा, बलजीत कौर, रीना खोखर, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, और अजमीना कुजूर शिविर में बुलाए गए मिडफील्डर हैं। जबकि, लालरेमसियामी, नवनीत कौर, वंदना कटारिया, शर्मिला देवी, दीपिका, संगीता कुमारी, मुमताज खान, सुनेलिता टोप्पो और ब्यूटी डुंगडुंग फॉरवर्ड लाइन-अप में हैं। मुख्य कोच जेनेक शोपमैन ने आगामी शिविर के महत्व के बारे में बात करते हुए कहा, हम पिछले कुछ महीनों में अच्छी फॉर्म में हैं। एशियाई खेलों में कांस्य पदक और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण पदक के साथ। लेकिन, यह महत्वपूर्ण है हमें अपनी लय बरकरार रखनी है और यह सुनिश्चित करना है कि हम अगले साल महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं के लिए सही मानसिक स्थिति में रहें। हमारी नजरें पेरिस ओलंपिक पर टिकी हैं और जगह सुनिश्चित करने के लिए हमें एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

संभावित खिलाड़ी इस प्रकार हैं

गोलकीपर : सविता, रजनी इतिमारपु, बिचू देवी खारीबाम, बंसारी सोलंकी

डिफेंडर : दीप ग्रेस एक्का, गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, अक्षता अबासो ढेकाले, ज्योति छत्री, महिमा चौधरी

मिडफील्डर : निशा, सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरंबम, ज्योति, नवजोत कौर, मोनिका, मारियाना कुजूर, सोनिका, नेहा, बलजीत कौर, रीना खोखर, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, अजमीना कुजूर

फॉरवर्ड : लालरेम्सियामी, नवनीत कौर, वंदना कटारिया, शर्मिला देवी, दीपिका, संगीता कुमारी, मुमताज खान, सुनेलिता टोप्पो, ब्यूटी डुंगडुंग

विश्व कप 2023 में रिकॉर्ड तोड़ 12.5 लाख दर्शक पहुंचे

अहमदाबाद। आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 ने अब तक के सबसे अधिक दर्शकों वाला आईसीसी आयोजन बनकर इतिहास रच दिया है, जब 1,205,307 प्रशंसक सबसे बड़े क्रिकेट विश्व कप को देखने के लिए टर्नस्टाइल से गुजरे और ऑस्ट्रेलिया ने उल्लेखनीय छठा खिताब जीता।

छह मैच बचे थे और रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खचाखच भरी भीड़ के सामने विश्व कप के समापन के साथ ही दर्शकों की संख्या पहले ही दस लाख के आंकड़े को पार कर चुकी थी और गति भी बढ़ती जा रही थी। यह आयोजन 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक चला और प्रशंसकों को कार्रवाई के केंद्र में रखने का वादा किया गया, जिसमें पुरुष क्रिकेट विश्व कप के उद्घाटन मैच के लिए सबसे बड़ी उपस्थिति दर्ज की गई, जब इंग्लैंड ने 2019 के फाइनल की पुनरावृत्ति में न्यूजीलैंड का सामना किया, जिसके बाद सबसे अधिक उपस्थिति उस मैच में दर्ज की गई जब आईसीसी विश्व कप के इतिहास में पाकिस्तान के खिलाफ भारत के मैच में 14 अक्टूबर को प्रशंसकों का हुजूम उमड़ पड़ा था। 12.5 लाख से अधिक प्रशंसकों का आंकड़ा क्रिकेट के इतिहास में एक नया मानदंड है, जो किसी भी अन्य आईसीसी आयोजन की उपस्थिति के आंकड़े से कहीं अधिक है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में आयोजित आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2015 में 1,016,420 दर्शक आए थे, जबकि इंग्लैंड और वेल्स में 2019 संस्करण में 752,000 प्रशंसक आए थे।

भारत में आयोजित पुरुष क्रिकेट विश्व कप के 13वें संस्करण ने इन आंकड़ों को पीछे छोड़ दिया है और साथ ही कई प्रसारण और डिजिटल दर्शकों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, जो खेल की वैश्विक पहुंच और लगातार बढ़ती लोकप्रियता को साबित करता है।

आईसीसी के इवेंट प्रमुख क्रिस टेटली ने कहा, आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 एक बड़ी सफलता रही है, जिसने खेल के सर्वोत्तम पहलुओं को प्रदर्शित किया और दुनिया भर के करोड़ों प्रशंसकों के दिलों पर कब्जा कर लिया। चौंका देने वाली उपस्थिति क्रिकेट की अपील और एकदिवसीय प्रारूप के रोमांच को दर्शाती है। यह एक ऐसा आयोजन रहा है जिसने न केवल मनोरंजन किया है बल्कि खेल के जश्न में विश्व स्तर पर क्रिकेट प्रशंसकों को एकजुट भी किया है। आईसीसी कार्यक्रम हमारे खेल को आगे बढ़ाने और दुनिया भर के प्रशंसकों और खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हम उन सभी प्रशंसकों को धन्यवाद देना चाहते हैं जिन्होंने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 को इतनी शानदार सफलता दिलाने में योगदान दिया,और भविष्य के आईसीसी आयोजनों में सभी के लिए और अधिक रोमांचक अनुभव साझा करने के लिए तत्पर हैं।

फाइनल में हार ने भारत के लिए नॉकआउट में हार की चिर-परिचित भावना को वापस ला

नई दिल्ली। 2007 और 2013 के बीच के समय ने भारत को वैश्विक आईसीसी पुरुष स्पर्धाओं में अविस्मरणीय सफलता दिलाई- 2007 में उद्घाटन टी20 विश्व कप जीत, घरेलू धरती पर 2011 वनडे विश्व कप जीत और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी में रोमांचक जीत। लेकिन उसके बाद, ट्रॉफी कैबिनेट खाली हो गई है। 2013 के बाद, भारत कभी भी ट्रॉफी पर कब्ज़ा नहीं कर सका, जिससे उसके प्रशंसक निराश हो गए । 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में हालात अच्छे होते दिख रहे थे, जहां भारत ने सभी विभागों में अपने शानदार प्रदर्शन से प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और लगातार दस मैचों में जीत हासिल की।

बल्ले, गेंद और क्षेत्ररक्षण पर अपने प्रभुत्व के दम पर उस नाबाद दौड़ ने इसके बेहद भावुक प्रशंसकों को नॉकआउट में डूबती भावना को शांत होते देखने का एक वास्तविक मौका दिया था। लेकिन 19 नवंबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में नीले रंग के समुद्र में 92,453 प्रशंसकों के सामने, वह परिचित भावना भारत को फिर से सताने लगी जब यह सबसे ज्यादा मायने रखता था। ऑस्ट्रेलियाई टीम से छह विकेट की हार, जिसने विपक्षी टीम के प्रत्येक खिलाड़ी के लिए परिस्थितियों और योजना के संदर्भ में अपना होमवर्क बहुत अच्छी तरह से किया था, ने भारतीय टीम और स्टेडियम के साथ-साथ दुनिया भर में मौजूद उसके प्रशंसकों को एक और दिल टूटने का मौका दिया।

फाइनल के एक दिन बाद, इस बात पर खालीपन और भयानक चुप्पी का एहसास हुआ कि नॉकआउट में वह परिचित डूबती हुई भावना फिर से कैसे आई, जिसने भारत को उसकी नियति - घरेलू मैदान पर गौरव हासिल करने से वंचित कर दिया।

जैसे ही 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप पर धूल जमने लगी है, किसी को यह सोचना शुरू करना होगा कि नॉकआउट में हर बार भारत के लिए कहां गड़बड़ी होती है। पिछले तीन पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में भारत 28 में से केवल चार मैच हारा है। लेकिन यहाँ एक समस्या है - उन चार में से तीन हार नॉकआउट चरण में हुई।

पिछले दस वर्षों में, वैश्विक टूर्नामेंटों में मैचों में भारत का जीत प्रतिशत सबसे अधिक है, जो 69.15त्न है, लेकिन इसके नाम पर कोई खिताब नहीं है। नॉकआउट में परिणामों के खराब रिकॉर्ड ने भारत को एक ऐसे छात्र की तरह बना दिया है जो प्रतिभाशाली है और यूनिट परीक्षाओं में टॉप करता है, लेकिन साल के अंत की परीक्षाओं में लगातार दूसरा स्थान प्राप्त करता है।

तो, वैश्विक टूर्नामेंटों के नॉकआउट में ऐसा क्या है जो भारत और उसके प्रशंसकों को उस परिचित डूबती हुई भावना को फिर से महसूस कराता है? खैर, खेल से डरे हुए थे या वे खेल के बारे में चिंतित थे।

वे इसका इंतज़ार कर रहे थे; हम मैच को लेकर उत्साहित थे। मुझे लगा कि इस विशेष मैच में लड़कों में जो ऊर्जा और मानसिक स्थान था, वह बिल्कुल सही और अद्भुत था। बस उस दिन शायद हम प्रदर्शन नहीं कर पाए और ऑस्ट्रेलिया ने हमसे बेहतर खेला। द्रविड़ के जवाब का मतलब है कि नॉकआउट में भारत के लड़खड़ाने के सवाल पर

इसका कोई ठोस जवाब नहीं है. जब फाइनल के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल द्रविड़ से यह सवाल पूछा गया, तो वह भी कोई सटीक कारण नहीं बता सके।अगर मुझे जवाब पता होता तो मैं यही कहता। ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता. मैं अब तक तीन में शामिल रहा हूं, एक सेमीफ़ाइनल, और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप, और इसमें भी। मुझे बस यही लगता है कि हमने उस दिन वास्तव में अच्छा नहीं खेला। मुझे लगा कि सेमीफ़ाइनल में एडिलेड में हम थोड़े कमज़ोर थे। हम दुर्भाग्य से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में पहला दिन हार गए।

उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया के तीन विकेट गिरने के बाद हमने विशेष रूप से अच्छी गेंदबाजी नहीं की। और यहां हमने पहले अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। इसलिए, ऐसा कोई विशेष कारण नहीं है जिस पर आप इसे निर्भर कर सकें। ऐसा नहीं है, मेरा मतलब है, मुझे इस खेल में किसी भी स्तर पर ऐसा महसूस नहीं हुआ कि कोई घबराहट थी या लोग अभी भी कुछ ऐसा है जो स्पष्ट नहीं है। लेकिन अगर कोई पुरुषों के एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में भारत के लिए क्या गलत हुआ, इस पर गौर करें, तो दो चीजें सामने आती हैं - शीर्ष तीन से एक बड़ी पारी का गायब होना और अंतिम एकादश में गहराई की कमी।

भारत की दस जीतों में से प्रत्येक में, जहां उन्होंने प्रशंसकों का ध्यान खींचा, रोहित शर्मा या विराट कोहली या यहां तक कि दोनों ने रन बनाए। लेकिन फाइनल में, हालांकि रोहित और विराट ने योगदान दिया, लेकिन खिताबी भिड़ंत से पहले उन्होंने जैसी बड़ी पारियां नहीं खेलीं। रोहित ने 47 रन बनाए और अपने ऊँचे शॉट से चूक गए और कवर पर ट्रैविस हेड द्वारा बैक-पेडलिंग में उनका अच्छा कैच लपका गया, जबकि कोहली ने 54 रन बनाए और कप्तान पैट कमिंस की गेंद पर बोल्ड आउट हो गए। रोहित और विराट को छोड़कर शेष भारत के बल्लेबाजों ने कुल मिलाकर केवल 139 रन बनाए।

सार संक्षेप

श्रीलंका क्रिकेट टीमों को मिली अंतरराष्ट्री स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा देश की सदस्यता निलंबित करने के बावजूद श्रीलंका की टीमें अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में भाग लेना जारी रख सकती हैं। श्रीलंका को द्विपक्षीय श्रृंखला और आईसीसी आयोजनों दोनों में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देते हुए आईसीसी ने मंगलवार को श्रीलंका क्रिकेट के वित्त पोषण का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। साथ ही आईसीसी अंडर19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2024 का वेन्यू बदलते हुए दक्षिण अफ्रीका कर दिया। ये फैसले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बोर्ड ने लिए, जिसने मंगलवार को बैठक की और श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के निलंबन की शर्तों की पुष्टि की। आईसीसी ने एक बयान में कहा, एसएलसी के प्रतिनिधित्व को सुनने के बाद आईसीसी बोर्ड ने फैसला किया कि श्रीलंका द्विपक्षीय क्रिकेट और आईसीसी प्रतियोगिताओं दोनों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना जारी रख सकता है, क्योंकि हाल ही में एक सदस्य के रूप में अपने दायित्वों का उल्लंघन करने के लिए निलंबित किया गया था। एसएलसी की फंडिंग को आईसीसी द्वारा नियंत्रित किया जाएगा और आईसीसी बोर्ड ने पुष्टि की है कि श्रीलंका अब आईसीसी अंडर19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2024 की मेजबानी नहीं करेगा, जो अब दक्षिण अफ्रीका में आयोजित किया जाएगा।

पीसीबी ने उमर गुल और सईद अजमल को पुरुष टीम का गेंदबाजी कोच नियुक्त किया

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को पूर्व खिलाड़ियों उमर गुल और सईद अजमल को पुरुषों की राष्ट्रीय टीम के लिए क्रमशः तेज गेंदबाजी और स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया।

पीसीबी ने एक बयान में कहा, नवनियुक्त गेंदबाजी कोचों के उद्घाटन कार्यों में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 14 दिसंबर, 2023 से 7 जनवरी, 2024 तक होने वाली टेस्ट श्रृंखला और 12 से 21 जनवरी, 2024 तक न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप जीत के बाद डेविड वार्नर भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे

विजाग। ऑस्ट्रेलिया को भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान अपने सबसे मजबूत बल्लेबाजों में से एक की कमी खलेगी, क्योंकि अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर देश की वनडे विश्व कप जीत के बाद स्वदेश लौट जाएंगे।

वार्नर, जो अपने सफल विश्व कप अभियान के दौरान 48.63 की औसत से 535 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया के अग्रणी रन-स्कोरर थे, से उम्मीद की जा रही थी कि वे उपमहाद्वीप में रहेंगे और 23 नवंबर से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली टी20 श्रृंखला में भाग लेंगे, लेकिन उन्होंने इसके बजाय अपने अंतिम ग्रीष्मकालीन टेस्ट से पहले घर जाने का विकल्प चुना है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, चयनकर्ताओं ने फैसला किया है कि वार्नर विश्व कप के सफल लेकिन चुनौतीपूर्ण अभियान के बाद स्वदेश लौटेंगे। उभरते हुए हरफनमौला खिलाड़ी आरोन हार्डी वार्नर के

प्रतिस्थापन के रूप में ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल हुए।

वार्नर के हटने का मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप विजेता एकदिवसीय टीम के केवल सात खिलाड़ी श्रृंखला के लिए भारत में रहेंगे - सीन एबॉट, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, स्टीव स्मिथ, मार्कस स्टोइनिस और एडम ज़म्पा - साथ ही रिजर्व स्पिनर तनवीर सांघा।

स्टीव स्मिथ गुरुवार से विशाखापत्तनम में शुरू होने वाली आगामी पांच मैचों की श्रृंखला के लिए शीर्ष क्रम में वार्नर की जगह लेने के संभावित दावेदार के रूप में दिखाई दे रहे हैं। इसके अतिरिक्त, टूरिंग पार्टी में ट्रैविस हेड और मैट शॉर्ट शामिल हैं, दोनों इस भूमिका के लिए विचाराधीन हैं।

पांच मैचों की सीरीज का पहला टी20 मैच गुरुवार को विशाखापत्तनम में शुरू होगा।

ऑस्ट्रेलिया टी20 टीम

मैथ्यू वेड (कप्तान), आरोन हार्डी, जेसन बेहरनडॉर्फ, सीन एबॉट, टिम डेविड, नाथन एलिस, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर सांघा, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मार्कस स्टोइनिस, केन रिचर्डसन, एडम ज़म्पा

एचएस प्रणय, चिराग-सात्विक की जोड़ी दूसरे दौर में

शेन्ज़ेन (चीन)। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय और पुरुष युगल जोड़ी चिराग शेट्टी-सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी मंगलवार को यहां सीधे गेम में जीत दर्ज करके चीन मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गए।

एचएस प्रणय ने चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन को 50 मिनट में 21-18, 22-20 से हराया। ताइपे शटलर ने पिछले हफ्ते कुमामोटो मास्टर्स जापान के दूसरे दौर में प्रणय को हराया था। भारतीय खिलाड़ी की शुरुआत धीमी रही और वह शुरुआती गेम में 6-9 से पिछड़ गए लेकिन ब्रेक तक वो 11-10 की बढ़त के साथ आगे बढ़े। फिर, उन्होंने 17-13 पर चार अंकों की बढ़त बना ली और 21-18 से विपक्षी की चुनौती को समाप्त कर दिया।

दूसरा गेम कड़ा मुकाबला था, जिसमें दोनों खिलाड़ी पूरी जान झोंक रहे थे। पूरे गेम के दौरान कोई भी खिलाड़ी दो अंक से अधिक की बढ़त हासिल करने में सफल नहीं हो सका। गेम के मध्य ब्रेक के तुरंत बाद चेन

प्रणय से थोड़ा आगे निकल गए और 18-16 की मामूली बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, प्रणय ने इसे 18-ऑल कर दिया और अपने दूसरे मैच प्वाइंट अवसर पर मुकाबले को सील कर दिया। पुरुष युगल में दुनिया की पांचवें नंबर की जोड़ी सात्विक और चिराग ने इंग्लिश जोड़ी बेन लेन और सीन वेंडी पर केवल 37 मिनट में 21-13, 21-10 से आसान जीत दर्ज की।

सुडोकू 6383 का हल

2	3	4	8	7	9	1	5	6
7	8	5	1	6	4	3	2	9
1	6	9	5	2	3	7	4	8
9	5	6	4	3	7	2	8	1
4	7	8	9	1	2	5	6	3
3	1	2	6	5	8	9	7	4
6	2	3	7	8	1	4	9	5
8	4	1	2	9	5	6	3	7
5	9	7	3	4	6	8	1	2

अर्थ जगत

रुपया शुरुआती कारोबार में छह पैसे की बढ़त के साथ 83.32 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में मजबूती के रुख तथा विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा में कमजोरी के बीच मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया छह पैसे की बढ़त के साथ 83.32 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि सोमवार को व्यापक रूप से डॉलर में कमजोरी के बावजूद रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया था। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 83.33 पर खुला। इसके बाद यह 83.32 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद स्तर की तुलना में छह पैसे की बढ़त है।

1 दिसंबर से बदल जायेगा सिम कार्ड खरीदने का नियम : दूर संचार विभाग

नई दिल्ली। हाल ही में दूरसंचार विभाग ने सिम कार्ड के लिए नया नियम जारी किया है साथ ही सिम कार्ड के खरीदने और बेचने के नियम में भी कई बदलाव किये गए है। तो यह सबके लिए जानना जरुरी है वरना उल्लंघन पर जुर्माने तो देने ही होंगे साथ ही जेल जाना पड़ सकता है। फर्जी सिम कार्ड से होने वाले फ्रॉड को रोकने के लिए सरकार ने नए सिम कार्ड नियम जारी किए हैं। पहले ये नियम 1 अक्टूबर 2023 से लागू होने वाले थे पर इसे 2 महीना और बढ़ा दिया गया था 1 दिसंबर नए नियमों के तहत, सिम कार्ड खरीदने के लिए लोगों को अपनी पहचान और पते का प्रमाण देना होगा। इसके लिए उन्हें आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी कार्ड या पासपोर्ट जैसे दस्तावेजों को जमा करना होगा।

नए नियमों के तहत, एक व्यक्ति को एक ही आईडी पर मिलने वाले सिम कार्ड एक सिमित संख्या में ही इश्यू करा सकते है। सिम विक्रेता यानी प्वाइंट ऑफ सेल को 30 नवंबर तक रजिस्ट्रेशन करना जरुरी होगा और डीलरों को सिम कार्ड बेचने से पहले ग्राहक की पहचान और पते का वेरिफिकेशन करना होगा। सरकार का मानना है कि नए नियमों से फर्जी सिम कार्ड से होने वाले फ्रॉड को रोकने में मदद मिलेगी। सरकार ने यह कदम इसलिए उठाया है।

शेयर बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 276 अंक चढ़ा

मुंबई। *स्थानीय शेयर बाजारों में दो दिन की गिरावट के बाद मंगलवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 276 अंक के लाभ में रहा। अमेरिकी बाजारों में तेजी के रुख के बीच धातु, बैंक और ऊर्जा शेयरों में लिवाली से बाजार बढ़त में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 275.62 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 65,930.77 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 427.21 अंक तक चढ़ गया था।*

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 89.40 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,783.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में जेएसडब्ल्यू स्टील, टाइटन, टाटा स्टील, सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और टाटा मोटर्स प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, मारुति, भारतीय स्टेट बैंक और लार्सन एंड टुब्रो शामिल हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, आज बाजार में सकारात्मक रुख रहा। निवेशकों की नजर अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के रुख पर है। अमेरिका में मुद्रास्फीति में नरमी और रोजगार के बेहतर आंकड़ों से फेडरल रिजर्व की तरफ से उदार रुख का आधार बनता दिख रहा है। उन्होंने कहा कि बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट और डॉलर सूचकांक ब्याज दर के उच्चस्तर पर पहुंचने का संकेत देता है। नायर ने कहा, इससे उभरते बाजारों में संस्थागत निवेशक आकर्षित होंगे। बाजार में जो व्यापक स्तर पर लाभ है, वह टिकाऊ उपभोक्ता और रियल्टी की अगुवाई में आया है और इसकी वजह त्यौहारों के दौरान मांग का मजबूत होना है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक के आज जारी होने वाले ब्योरे से पहले अमेरिकी डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत नरम होकर 103.33 रहा। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में जबकि जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे।

यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में मिला-जुला रुख रहा। अमेरिकी बाजार सोमवार को सकारात्मक दायरे में रहे। इसका कारण बॉन्ड प्रतिफल में नरमी और डॉलर में गिरावट है। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81.82 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 645.72 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। सेंसेक्स में सोमवार को 139.58 और निफ्टी में 37.80 अंक की गिरावट आई थी।

हाजिर मांग घटने से कच्चे तेल के वायदा भाव में गिरावट

नयी दिल्ली। मजबूत हाजिर मांग के बाद कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार घटाने से मंगलवार को वायदा कारोबार में कच्चे तेल की कीमत 1.48 प्रतिशत घटकर 6,446 रुपये प्रति बैरल रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का दिसंबर माह में डिलिवरी वाला अनुबंध 97 रुपये या 1.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,446 रुपये प्रति बैरल रह गया। इसमें 11,441 लॉट के लिए कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 2.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 77.60 डॉलर प्रति बैरल हो गया जबकि ब्रेंट क्रूड का दाम 0.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81.58 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

सरकार कच्चे और रिफाइंड पाम तेल के बीच शुल्क अंतर बढ़ाए : एसईए

नयी दिल्ली। *खाद्य तेल उद्योग के निकाय एसईए ने घरेलू उद्योग के संरक्षण के लिए सरकार से कच्चे और रिफाइंड पाम तेल के बीच शुल्क अंतर को 7.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की मांग की है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के अध्यक्ष अजय झुनझुनवाला ने संगठन के सदस्यों को लिखे एक पत्र में कहा है कि भारतीय वनस्पति तेल (खाद्य और गैर-खाद्य तेल मिलाकर) रिफाइनिंग उद्योग इस समय चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने बयान में कहा, तीन लाख करोड़ रुपये के आकार वाले भारतीय खाद्य तेल उद्योग का काफी महत्व है।*

पिछले 12 वर्षों में इंडोनेशिया और मलेशिया ने रिफाइंड तेल की तुलना में कच्चे पाम तेल (सीपीओ) पर अधिक निर्यात कर लगाया है। इससे रिफाइंड तेल सस्ता हो गया है जिससे भारतीय रिफाइनिंग क्षमता बेकार हो गई है। झुनझुनवाला ने कहा कि भारत में सीपीओ और रिफाइंड पाम तेल के बीच शुल्क अंतर को घटाकर 7.5 प्रतिशत कर दिया गया है जो मलेशिया और इंडोनेशिया में रिफाइनिंग उद्योग के हितों के ही अनुकूल है। उन्होंने कहा कि दोनों तेलों के बीच शुल्क अंतर कम होने से घरेलू वनस्पति तेल रिफाइनिंग उद्योग पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार को कच्चे और रिफाइंड पाम तेल के बीच शुल्क अंतर को एक बार फिर 7.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर देना चाहिए। एसईए अध्यक्ष ने कहा कि नवंबर, 2022- अक्टूबर, 2023 के तेल विपणन सत्र में भारत ने 167.1 लाख टन वनस्पति तेलों का आयात किया, जो इसका सर्वकालिक उच्चस्तर है। खाद्य तेलों का आयात 164.7 लाख टन के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया।

न्यूयॉर्क जा रहा एअर इंडिया का विमान तकनीकी खराबी के कारण मुंबई लौटा, हुई सुरक्षित लैंडिंग

नई दिल्ली। *अमेरिका के न्यूयॉर्क जा रहा एअर इंडिया का एक विमान तकनीकी गड़बड़ी के कारण मंगलवार को सुबह मुंबई लौट आया। विमानन कंपनी की ओर से यह जानकारी साझा की गई है।*

जानकारी के अनुसार बोइंग 777 विमान की एहतियातन जांच के लिए मुंबई हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से लैंडिंग कराई गई। विमानन कंपनी ने एक बयान में कहा कि मुंबई से न्यूयॉर्क की उड़ान एआई 119 को मामूली तकनीकी खराबी की वजह से वापस मुंबई लौटना पड़ा और यात्रियों व चालक दल की सुरक्षा को देखते हुए एहतियाती जांच के लिए विमान को मुंबई में सुरक्षित रूप से उतारा गया।

विमान में कितने यात्री सवार थे, इसकी जानकारी फिलहाल नहीं दी गई है। एअर इंडिया ने कहा है कि वह मुंबई हवाई अड्डे पर यात्रियों की मदद करने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रही है। कंपनी ने कहा कि यात्रियों को होटल में ठहराने, वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था करने या उड़ान पुनर्निर्धारित करने की पेशकश की जा रही है। कंपनी के मुताबिक, उन्हें नाश्ता भी मुहैया कराया गया है।

बायजू के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की जांच अंतिम चरण में

नयी दिल्ली। *शिक्षा क्षेत्र की प्रमुख डिजिटल कंपनी बायजू और उसके संस्थापक तथा मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रवीन्द्र बायजू के खिलाफ विदेशी मुद्रा विनिमय कानून के प्रावधानों के कथित उल्लंघन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच अंतिम चरण में है।*

सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय जांच एजेंसी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत अप्रैल में दो कंपनियों और एक आवासीय परिसर की तलाशी ली थी। इसमें बायजू की पंजीकृत कंपनी - थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड भी शामिल थी। सूत्रों ने कहा कि बायजू के खिलाफ जांच तभी से जारी है और मामले में जल्द ही कंपनी को कारण बताओ नोटिस दिया जा सकता है। कंपनी ने विदेशी मुद्रा विनिमय कानून के तहत 9,000 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी के बारे में मीडिया में आई खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उसने बयान में कहा, वह बायजू के खिलाफ विदेशी मुद्रा प्रबंधन कानून के प्रावधानों के कथित उल्लंघन को लेकर मीडिया में आई रिपोर्ट को स्पष्ट तौर पर खारिज करती है। बायजू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा है कि उसे प्रवर्तन निदेशालय से अबतक कोई नोटिस नहीं मिला है।

ईडी ने अप्रैल में दावा किया था कि उसने कई संदिग्ध दस्तावेज और डिजिटल आंकड़े जब्त किये हैं। इसमें आरोप लगाया गया था कि कंपनी (थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड) ने वित्त वर्ष 2020-21 से अपने वित्तीय विवरण तैयार नहीं किये हैं और खातों का ऑडिट नहीं कराया है, जो अनिवार्य है। ईडी ने कहा कि निजी लोगों से प्राप्त 'विभिन्न शिकायतों' के आधार पर तलाशी ली गई। उसने आरोप लगाया कि रवींद्रन बायजू को कई समन जारी किये गये थे, लेकिन वह ईडी के सामने कभी पेश नहीं हुए।

खोजों से पता चला कि कंपनी को 2011-2023 के दौरान लगभग 28,000 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्राप्त हुआ। जांच एजेंसी ने कहा, कंपनी ने इसी अवधि के दौरान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के नाम पर विदेशों में लगभग 9,754 करोड़ रुपये भेजे। ईडी ने आरोप लगाया, कंपनी ने विज्ञापन और विपणन खर्चों के नाम पर लगभग 944 करोड़ रुपये दिखाये हैं, जिसमें विदेशी न्यायिक क्षेत्र को भेजी गई राशि भी शामिल है। रवींद्रन बायजू ने अपनी पत्नी दिव्या गोकुलनाथ के साथ ई-लर्निंग कंपनी की स्थापना की थी।

शादी विवाह के सीजन में 4.74 लाख करोड़ के कारोबार की उम्मीद : कैट

नई दिल्ली। *जैसे-जैसे देश रिकॉर्ड तोड़ने वाले दिवाली त्योहारी सीजन से उबर रहा है, व्यापारिक समुदाय 23 नवंबर को आगामी शादी के सीजन की शुरुआत के साथ मांग में भारी उछाल की तैयारी कर रहा है.देश भर में अनुमानित 38 लाख शादियां होने की उम्मीद के साथ, मुख्य खुदरा क्षेत्र, जिसमें सामान और सेवाएँ शामिल हैं, 4.74 लाख करोड़ रुपये के चौंका देने वाले कारोबार की उम्मीद करता है.*

यह पिछले साल के व्यापार की तुलना में एक महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाता है, जो इसी अवधि के दौरान लगभग 32 लाख शादियों के लिए 3.75 लाख करोड़ रुपये था. 23 नवंबर को देव उत्थान एकादशी से शुरू होने वाला और 15 दिसंबर तक चलने वाला शुभ विवाह सीजन, समारोहों की झड़ी का गवाह बनेगा क्योंकि सितारे शुभ विवाह तिथियों के लिए एक साथ आ रहे हैं.गणना से पता चलता है कि 23, 24, 27, 28 और 29 नवंबर के साथ-साथ 3, 4, 7, 8, 9 और 15 दिसंबर को वैवाहिक समारोहों के लिए शुभ

माना जाता है. 30 शहरों में व्यापार निकायों और हितधारकों के साथ परामर्श के बाद कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने पर्याप्त आर्थिक उछाल की भविष्यवाणी की है.कैट के अनुमान के मुताबिक, 38 लाख शादियों से बाजार में लगभग 4.74 लाख करोड़ रुपये आने की उम्मीद है, जो शादी से संबंधित खरीदारी और विभिन्न सेवाओं की खरीद दोनों को दर्शाता है. कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया और महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने इस बात पर जोर दिया कि अकेले दिल्ली में इस सीजन के दौरान 4 लाख से अधिक शादियां होने का अनुमान है, जो लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये के अनुमानित कारोबार में योगदान देगा.

व्यय पैटर्न को तोड़ते हुए, कैट को उम्मीद है कि लगभग 7 लाख शादियाँ होंगी जिनमें लगभग रु. 3 लाख, 6 लाख रुपये के साथ 8 लाख शादियां, 10 लाख रुपये के साथ 10 लाख शादियां, 15 लाख रुपये के साथ 7 लाख शादियां, 25 लाख रुपये के साथ 5 लाख शादियां, 50 लाख रुपये के साथ 50 हजार शादियां, और अन्य 50 हजार शादियां खर्च के साथ.वस्तुओं के क्षेत्र में, अनुमानित व्यापार वितरण में कपड़ा, साड़ी, लहंगा और परिधान में 10 प्रतिशत, आभूषण लेख में 15 प्रतिशत, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल्स और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में 5 प्रतिशत, सूखे मेवे में 5 प्रतिशत शामिल है. फल, मिठाईयां और नमकीन, खाद्यान्न, किराना और सब्जियों में 5 प्रतिशत, उपहार वस्तुओं में 4 प्रतिशत और शेष 6 प्रतिशत विविध वस्तुओं में.बैंक्वेट हॉल, होटल और अन्य विवाह स्थलों के लिए 5 प्रतिशत, इवेंट मैनेजमेंट के लिए 5 प्रतिशत, टेंट सजावट के लिए 12 प्रतिशत, खानपान सेवाओं के लिए 10 प्रतिशत, 4 प्रतिशत आवंटन के साथ सेवा क्षेत्र के भी फलने-फूलने की उम्मीद है.फूलों की सजावट के लिए, 3 प्रतिशत यात्रा और कैब सेवाओं के लिए, 2 प्रतिशत फोटो और वीडियो शूट के लिए, 3 प्रतिशत ऑर्केस्ट्रा और बैंड सेवाओं के लिए, 3 प्रतिशत रोशनी और ध्वनि के लिए, और शेष 3 प्रतिशत विविध सेवाओं के लिए.

भरतिया और खंडेलवाल का अनुमान है कि शादी के मौसम की गति क्रिसमस और नए साल की बिक्री में फैल जाएगी, जिसके बाद 14 जनवरी से संक्रांति के साथ शुरू होने वाले शादी के मौसम में एक और उछाल आएगा. आर्थिक परिदृश्य विवाह और बाजार की जीवंतता दोनों के संदर्भ में एक उल्लासपूर्ण उत्सव के लिए तैयार है.

बंगाल में अगले तीन वर्षों में 20,000 करोड़ निवेश करेगी रिलायंस, मुकेश अंबानी ने किया ऐलान

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमेन और एमडी मुकेश अंबानी ने मंगलवार को बंगाल ग्लोबल बिजनेस सबमिट 2023 में कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज अब तक बंगाल में 45,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश कर चुकी है। आने वाले तीन वर्षों में कंपनी करीब 20,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश राज्य में करने जा रही है। बंगाल के 98.8 प्रतिशत हिस्से में जियो की कवरेज अंबानी की ओर से आगे कहा गया कि जियो की बंगाल के 98.8 प्रतिशत हिस्से में कवरेज है। वहीं,कोलकाता के 100 प्रतिशत एरिया में जियो अपनी कवरेज दे रहा है। जियो फाइबर और एयर फाइबर तेजी से रोलआउट किया जा रहा है। जल्द ही हम बंगाल के हर घर को स्मार्ट होम में बदल देंगे। वहीं, रिलायंस रिटेल तेजी के राज्य के अलग-अलग हिस्सों में अपने कारोबार को बढ़ा रहा है। जियो मार्ट करीब 5 लाख ग्रोसरी स्टोर्स तक पहुंच चुका है। हम अगले दो वर्षों में रिलायंस रिटेल के स्टोर्स के नेटवर्क को 200 स्टोर्स से बढ़ाएंगे। फिलहाल बंगाल में रिलायंस के 1000 के करीब स्टोर्स हैं।

बायो-एनर्जी पर कंपनी का फोकस- आगे कहा कि भारत दुनिया में बायो-एनर्जी का सबसे बड़ा प्रोड्यूसर बन गया है और तेजी से इस सेक्टर में आगे बढ़ रहा है। हम अगले तीन वर्षों में 100 कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट्स लगाने जा रहे हैं। इससे दो मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिलेगी। हम बंगाल में भी कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट्स लगाने की योजना बना रहे हैं। इससे अन्न दाता को ऊर्जा दाता बनाने में सफलता मिलेगी। साथ ही उन्होंने ग्रीन एनर्जी को और तेजी से प्रमोट करने की बात कही।

बंगाल ग्लोबल बिजनेस सबमिट- बंगाल ग्लोबल बिजनेस सबमिट का आयोजन भारत सरकार की ओर से हर वर्ष किया जाता है। 2023 में 21 से 22 नवंबर के लिए आयोजित की गई है।

इरेडा ने एंकर निवेशकों से 643 करोड़ रुपये जुटाए

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (इरेडा) ने एंकर या बड़े निवेशकों से 643 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने 58 कोषों को 32 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 20,10,19,726 शेयर आवंटित किए हैं। यह मूल्य दायरे का ऊपरी स्तर है। कंपनी का 2,150 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 नवंबर को खुल गया है। यह 23 नवंबर को बंद होगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 30-32 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। पिछले साल मई में जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाद यह किसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी का पहला आईपीओ है। इरेडा आईपीओ के तहत 40.31 करोड़ नए शेयर जारी करेगी। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर कंपनी 1,290 करोड़ रुपये जुटाएगी।

भारतीय सरकारी बांडों में 25 अरब डॉलर का विदेशी निवेश संभव : डीबीएस

नई दिल्ली। *डीबीएस बैंक इंडिया के ट्रेजरी अधिकारी ने कहा कि अगर भारतीय सरकारी बॉन्ड प्रमुख ब्लूमबर्ग बॉन्ड सूचकांकों में शामिल हो जाते हैं तो उनमें करीब 25 अरब डॉलर का विदेशी इनफ्लो देखा जा सकता है।*

यदि भारत को ब्लूमबर्ग इंडेक्स में शामिल किया जाता है, तो डीबीएस बैंक इंडिया में ट्रेजरी और मार्केट के कार्यकारी निदेशक समीर करियाट के अनुसार, 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड में लगभग 7 आधार अंकों की गिरावट हो सकती है और 25 बिलियन डॉलर का निवेश आकर्षित हो सकता है। करियाट ने कहा, अगर ब्लूमबर्ग इंडेक्स में भारत को शामिल करने में देरी होती है, तो बॉन्ड यील्ड बढ़ने की संभावना नहीं है क्योंकि बाजार को इसकी उम्मीद नहीं थी। बॉन्ड व्यापारी ब्लूमबर्ग ग्लोबल एग्रीगेट और इमर्जिंग मार्केट लोकल करेंसी इंडेक्स में भारतीय बॉन्ड को शामिल करने के फैसले पर नजर गड़ाए हुए हैं और इस महीने के अंत तक इसकी घोषणा की उम्मीद कर रहे हैं। सितंबर में जेपी मॉर्गन ने घोषणा की कि भारत को जून 2024 से शुरू होने वाले प्रमुख उभरते बाजार डेट इंडेक्स में जोड़ा जाएगा। अगले वर्ष निवेशकों द्वारा भारतीय बांडों में 20 बिलियन से 25 बिलियन का निवेश करने की उम्मीद है। जेपी मॉर्गन द्वारा उन्हें अपने उभरते बाजार ऋण सूचकांक में शामिल करने के निर्णय की घोषणा के बाद से भारतीय बांडों में 16,500 करोड़ रुपये (2 बिलियन डॉलर) से अधिक का निवेश आकर्षित हुआ है।करियाट ने कहा, अमेरिकी यील्ड और तेल की कीमतों में गिरावट के साथ-साथ भारतीय बांडों में विदेशी निवेश की आमद ने बांड पैदावार को नियंत्रण में रखने में मदद की है। भारत के बेंचमार्क 10-वर्षीय बांड पर यील्ड मंगलवार को गिरकर 7.25 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीने के उच्चतम 7.40 प्रतिशत से कम है।

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज
फोन- 4067270, 9826035338
प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 13000-14000, मीडियम बोल्ड 15000-16000, फाइन 17000-17500, एकस्ट्रा बोल्ड 17500-18000, चना दाल एवरेज 7400-7600 चना दाल मार्का 7600-7800, मसूर दाल एवरेज 7800-8000, मसूर दाल फाइन 8000-8200, उड़द छिलका 11000-12000, फाइन 12500-13000, उड़द धुली 11500-12500, फाइन 13000-13500, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 10000-10200, मूंगदाल धुली 10500-10800, फाइन 10800-11000। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3000-3200, बेस्ट 3200-3400, बीपीटी चालू 3200-3400, फाइन 4000-4200,एचएमटी-5000-5300 फाइन-5500-5800 दुबराज भाटापारा 5000-5200, जेजेएल चालू 5500-6000, फाइन 6000-6500, बासमती कनकी चालू 3000-3500, बासमती कनकी मीडियम 4000-4500, बेस्ट 4500-5500, मोगरा- 4000-4500, दुबार- 5500-6000, तिबार- 7000-8000, बासमती 10000-11000, बेस्ट 12000-12500 पोहा- 4000-4200, फाइन 4200-4400, मुरमुरा- 5800-6500, फाइन- 7000-7500, रु.- लाई- 6000-6500 रु., फाइन- 8000-8500 रु.।

सोहन लाल एण्ड संस
रसल चौक फोन- 9425156095
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 62000 चांदी रिफाइन - 74500

दुल्हन श्री आभूषण
कमानिया गेट, सराफा बाजार-
मो. 9425860998,9826307100
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 62000 चांदी रिफाइन - 74500

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	83. 35
एक यूरो	91. 36
एक ब्रिटिश पाउंड	104 .66
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	54. 86
एक जापानी येन	00. 56

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.
864 मारुति शोरूम के सामने
फोन- 2412223,9329428085
जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 92 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 110 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-120 नेट प्रति किलो
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स -76 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 150 रु. प्रति किलो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स
शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070
भाव प्रति क्विं.- 5.5 एम एम 6700, 6 एम एम 6700, 8 एम एम 6200, 10 एम एम 6050,12 एम एम, 6000 एवं 16 एम 6000 रु.। तार- 75 रु. किलो।

देशबन्धु
ग्राहक सेवा

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट
टेलर्स वारिस
शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्पलेक्स, जबलपुर फोन: 2405596
मो.-9424392281, 9425152707
देग्रासे सी 30/7/2022

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज
क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें
बिना ऑपरेशन
डॉ. विश्वास
राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे
मो: 9827042596

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें।
देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अतः विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

कहां से आ रहे इतने आवारा मवेशी? लोगों को सता रही हादसे की चिंता

देशबन्धु मुद्दा

जबलपुर, देशबन्धु। संस्कारधानी कहे जाने वाले जबलपुर जिले में आवारा मवेशियों की धमचौकड़ी दिन ब दिन बढ़ती जा रही है। लगभग शहर के सभी मुख्य मार्गों में ये आवारा मवेशी झुंड के झुंड खड़े दिखाई दे रहे हैं। लेकिन विडम्बना यह है कि इन बेतरतीब घूम रहे पशुओं के लिये नगर निगम ने आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाये। जिससे सड़कों पर अपने वाहनों से जा रहे आम राहगीरों की जान अधर में अटक गई है। शहर के तिलक भूमि की तलैया, अधारताल, सुहागी, घमापुर, शीतलामाई, कलेक्ट्रेट या यह कहा जाये कि पूरे जिले में आवारा मवेशियों की भरमार हो गई तो यह गलत नहीं होगा। इसी कड़ी में इन दिनों शीतलामाई क्षेत्र में आवारा पशुओं की संख्या अचानक बढ़ गई है। बीती रात एक झुंड में सैकड़ों की संख्या में आवारा पशु देखकर राहगीरों के होश ही उड़ गये। ये मवेशी किसके हैं और कहां से आये हैं किसी को कोई जानकारी नहीं है।

बस क्षेत्रीयजनों ने देशबन्धु को इतना बताया कि रोजाना रात को ये विशाल झुंड शीतलामाई क्षेत्र में आ जाता है।

आपसी लड़ाई में दुर्घटना का डर

जिले में आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या से जिला प्रशासन को कई अखबारों ने इसके पूर्व में भी आगाह कराया है। लेकिन नगर निगम प्रशासन ने इस संबंध में कोई उचित कार्यवाही नहीं की। पिछली नगर निगम की बैठक में भी किसी जनप्रतिनिधि ने भी इस संबंध में कोई बात नहीं रखी। जिससे आलम यह है कि आवारा पशुओं की तादात शहर में तेजी से बढ़ रही है। कलेक्ट्रेट से लेकर रांझी तक पशुओं का जमावड़ा देखने को मिल रहा है। यहां तक की शीतलामाई क्षेत्र में बैलों की लड़ाई में दुकानदारों का नुकासान हो रहा है। राहगीर घायल हो रहे हैं। लेकिन नगर निगम हाथ पर हाथ धरे बैठा है। यहां आये दिन बैलों की लड़ाई रोकने के लिये दुकानदारा उन पर पानी की बौछारे करते हैं। ये यहां के क्षेत्रवासियों की रोजाना की ड्यूटी हो गई है।

गौरक्षक इस मामले में मौन

शहर में गौसेवा के नाम पर गायों की सेवा करने वाले घायल मवेशियों का इलाज करने आवारा पशुओं के खिलाफ बोलने या करने के लिये चुप्पी साध लेते हैं। लेकिन सड़क पर घूमते हुये कोई पशु वाहन से टकरा कर घायल हो जाये तब उनकी गौसेवा जाग जाती है। लेकिन ऐसी स्थिति न हो इसके लिये भी आज तक इन गौसेवकों और गौरक्षकों ने कुछ नहीं किया। जिससे आवारा पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके।

गौरक्षा के नाम पर मारपीट की घटनाएं भी कई सामने आयी हैं। जिसमें वाहनों में लोड मवेशियों को ले जाने वालों को गौतस्कर कहकर भी मारा गया है। लेकिन ऐसा जज़्बा लेकर सड़क पर आवारा पशुओं को हटाने के लिये न तो गौसेवक दिखे, न ही गौरक्षक।

दिन हो या रात सैकड़ों की संख्या में घूम रहे शहर में आवारा जानवर

बाधित हो रहा यातायात

आवारा पशुओं की बढ़ती तादात से शहर के मुख्य चौराहों पर जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। ट्रेफिक सिग्नलों के नीचे खड़े होकर यह आने-जाने वालों का रास्ता रोक रहे हैं। शहर में मदन महल फ्लायओवर के नीचे भी इनका मजमा लगा रहता है। इनके कारण पूरे शहर का यातायात बाधित हो रहा है। लेकिन प्रशासन को इसकी कोई चिंता नहीं है। इसके पूर्व में डुमना रोड पर एक गाय के कारण युवक की मौत हो गई थी। इसके पूर्व में भेड़ाघाट रोड पर मवेशियों को बचाने के चलते कार पलटने से तीन लोगों की मौत चुकी है। जिसमें मृतक महिला गर्भवती थी। इन घटनाओं के बाद अधिकारियों के कान में जू तक रेंगी और व्यवस्था जस की तस बनी हुई है। ऐसा अंदेशा लगाया जा रहा है कि अधिकारी और घटनाएं होने का इंतजार कर हैं। उसके बाद कोई ठोस कदम उठाये जायेंगे।

गौरक्षक नहीं करने देते कार्यवाही

नगर निगम के एक सूत्र तथा शहर के पूर्व कलेक्टर से इस संबंध में पूर्व में सवाल किया गया था कि शहर में आवारा मवेशियों को सड़कों से हटाने के लिये क्या कार्यवाही की गई तब उन्होंने बताया कि इसके लिये आवारा पशुओं के मालिकों पर 5 हजार का जुर्माना लगाये जाने का आदेश जारी किया था। लेकिन कलेक्टर का यह आदेश भी ठंडे बस्ते में चला गया। इसके अलावा जब निगम कर्मी मवेशियों को पकड़ने जाते हैं तो गौरक्षक उनके साथ मारपीट करते हैं। व अपने पशुओं को छुड़ा कर ले जाते हैं। और कार्यवाही को राजनीतिक रूप दे देते हैं। जिसके कारण नगर निगम भी इसमें कार्यवाही नहीं कर पाता। जिसका परिणाम यह है कि वर्तमान में शहर स्मार्ट सिटी तो बन रहा है लेकिन साथ ही साथ गौशाला भी बनते जा रहा है।

दमोह में पुलिस ने नष्ट किए अवैध पटाखा फैक्ट्री से जब्त पटाखे

जमीन हिली तो लोग समझे भूकंप के झटके

दमोह, देशबन्धु। दमोह जिले के देहात थाना की जबलपुर नाका चौकी के अथाई गांव में मंगलवार की शाम पुलिस की बीडीएस टीम ने अवैध पटाखा फैक्ट्री से जब्त किए गए पटाखों का नष्ट किया। इस दौरान धमाका इतनी तेज हुआ कि जबलपुर नाका क्षेत्र धमाके से दहल गया और झटका महसूस हुआ। इससे लोगों ने इसे भूकंप का झटका समझ लिया और सोशल मीडिया पर लिखकर इस बात की पुष्टि करने लगे कि कहीं भूकंप तो नहीं आया। जानकारी के अनुसार सोशल मीडिया पर कुछ लोग अपने-अपने क्षेत्र में झटके आने की बात लिखने लगे। तभी सोशल मीडिया पर अथाई गांव में हो रहे एक विस्फोट का वीडियो सामने आया। उसमें कुछ ही देर में इतना जोर का धमाका हुआ कि चारों ओर आग ही आग दिखाई देने लगी और

धुएं के बादल बन गए। इसके बाद दमोह सीएसपी अभिषेक तिवारी से इस बारे में जानकारी ली गई। जिसमें उन्होंने बताया कि बड़े पुल पर जिस अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हुआ था। उसी फैक्ट्री से इन पटाखों को जब्त किया गया था जिनको नष्ट करना बेहद जरूरी था। इसलिए मंगलवार को अथाई गांव में पहाड़ी के नजदीक इन पटाखों का विनष्टीकरण किया गया और लोगों को जब इस बात की जानकारी लग गई कि यह भूकंप का झटका नहीं था तब उन्होंने राहत की सांस ली।

अवैध पटाखा फैक्ट्री विस्फोट में छह लोगों ने गंवाई थी जान

दरअसल, 31 अक्टूबर की दोपहर बड़ा पुल पर संचालित अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हुआ था। उसमें फैक्ट्री संचालक अभय गुप्ता सहित दो महिलाओं की मौत हो गई थी। वहीं, तीन महिलाओं ने जबलपुर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। पटाखों के विनष्टीकरण के विस्फोट से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब लोगों ने भूकंप जैसे झटके महसूस किए तो फैक्ट्री में कितनी जोर का धमाका हुआ होगा।

मजदूर के घर में लगी आग, गृहस्थी का सामान जलकर राख

दमोह, देशबन्धु। दमोह के नोहटा में सोमवार रात करीब नौ बजे अज्ञात कारणों के चलते एक मजदूर के घर के ऊपरी हिस्से में आग लग गई, जिससे घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने नोहटा थाना पुलिस और दमकल टीम को सूचना दी, जिसके बाद टीम पहुंची। फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से भीषण आग पर काबू पाया गया। आग लगने का कारण अज्ञात है। घर के मालिक इशाक खान का कहना है कि वह मजदूरी करता है। परिवार के सभी लोग घर के निचले हिस्से में थे।

अचानक ऊपर आग लग गई। लपटें उठी तो आसपास के लोगों ने खबर की, इसके बाद हम लोग बाहर भागे। उसने बताया कि ऊपर वाले हिस्से में टीवी, फ्रिज, पलंग और बहुत सारा सामान रखा था, जो सभी जल गया। इससे उसका काफी नुकसान हुआ है। पीड़ित ने प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है।

कोरोना काल के लिये थी स्कूल फीस में छूट

जबलपुर, देशबन्धु। कोरोना काल के दौरान स्कूल फीस के संबंध में हाईकोर्ट द्वारा जारी आदेश के परिप्रेक्ष्य में कई याचिकाएं दायर की गई थी। मामलों की सुनवाई दौरान चीफ जस्टिस रवि विजय मलिमथ तथा जस्टिस विशाल मिश्रा की युगलपीठ ने पाया कि कोरोना काल समाप्त हो गया है। जिसके कारण उक्त याचिकाएं आधारहीन हो गई है। जिसके बाद युगलपीठ ने सभी याचिकाएं निराकृत कर दी। उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट ने कोरोना काल के दौरान छात्रों से ट्यूशन फीस नहीं लेने के आदेश जारी किये थे। इस आदेश के संबंध में गैर मान्यता प्राप्त सीबीएससी स्कूल संगठन, गैर मान्यता प्राप्त प्राईवेट स्कूल संगठन, नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच, सीता शरण पांडे सहित अन्य आठ की ओर से हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की गई थी। जिसमें कहा गया था कि कोरोना काल पूरी तरह से समाप्त नही हुआ है। जिसके कारण हाईकोर्ट के आदेशानुसार छात्रों से ट्यूशन फीस न ली जाये। आरोप था कि स्कूल खुलने के बाद प्रबंधन द्वारा फीस में बढ़ोत्तरी की गई है। वहीं स्कूल संचालकों की ओर से दायर याचिका में कहा गया था कि स्कूल प्रारंभ हो गये है। स्कूलों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। स्कूलों का संचालन पढ़ने वाले छात्रों की फीस से होता है। सुनवाई के दौरान युगलपीठ ने पाया कि कोरोना काल समाप्त हो गया है। युगलपीठ ने याचिकाएं आधारहीन होने के कारण का उनका निराकरण कर दिया।

याचिकाएं आधारहीन होने पर हाईकोर्ट ने किया मामलों का पटाक्षेप

27 नवम्बर से 9 दिसम्बर तक निरस्त रहेगी जनशताब्दी एक्सप्रेस

जबलपुर, देशबन्धु। 27 नवम्बर से 9 दिसम्बर के बीच जहां जनशताब्दी एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। वहीं जबलपुर से चलने वाली राजकोट एक्सप्रेस को 27 नवम्बर से जबलपुर से इटारसी की बजाय कटनी, दमोह, सागर, बीना मार्ग से भोपाल के रास्ते गंतव्य को भेजा जाएगा। इटारसी से भोपाल के बीच पड़ने वाले बुधनी, मिड घाट व बरखेड़ी स्टेशनों पर रेलवे द्वारा नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किये जाने के चलते आने वाले सप्ताह में जबलपुर-भोपाल जनशताब्दी एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनें प्रभावित रहने वाली है।

सीनियर डीसीएम राजेश शर्मा ने आगे बताया कि बिलासपुर से चलकर जबलपुर के रास्ते इंदौर जाने वाली नर्मदा एक्सप्रेस भी 27 नवम्बर से 9 दिसम्बर तक जबलपुर ना आकर कटनी,दमोह,सागर बीना मार्ग से होकर भोपाल तथा इंदौर जाएगी। इसके साथ ही जबलपुर से इंदौर जाने वाली ओवरनाईट एक्सप्रेस नम्बर 22192 भी 7 दिसम्बर से 9 दिसम्बर तक तीन दिनों तक जबलपुर से कटनी,दमोह,बीना मार्ग से भोपाल जाएगी। इसी तरह से जबलपुर से निजामुद्दीन जाने वाली श्रीधाम एक्सप्रेस को भी 27 नवम्बर से 9 दिसम्बर तक 13 ट्रिप के लिए कटनी,दमोह,सागर बीना मार्ग से निजामुद्दीन ले जाया जाएगा। इसके अतिरिक्त मुम्बई से बनारस के बीच चलने वाली कामायनी एक्सप्रेस ट्रेन नम्बर 11071/72 को भी 27 नवम्बर से 9 दिसम्बर तक कटनी,बीना के स्थान पर कटनी से जबलपुर,इटारसी मार्ग से चलाया जाएगा। इसी तरह से भोपाल दुर्ग अमरकंटक एक्सप्रेस भी 27 नवम्बर से 9 दिसम्बर तक भोपाल के स्थान पर इटारसी से प्रारंभ होकर जबलपुर होते हुए दुर्ग की ओर जाएगी एवं वापसी में भी यह गाड़ी26 नवम्बर से 8 दिसम्बर तक दुर्ग से चलकर जबलपुर के रास्ते इटारसी जाकर समाप्त होगी। उल्लेखनीय है कि बुधनी से बरखेड़ी रेलखंड में तीसरी रेल लाइन बिछाने का कार्य किया जाना है जिसके चलते ट्रेनों के परिचालन में उक्त परिवर्तन किया गया है।

15 साल का अभिनेष बना बाल आरक्षक

एसपी ने सौंपा नियुक्ति पत्र

पिता की आकस्मिक मौत पर मिली अनुकंपा नियुक्ति

कटनी, देशबन्धु। पुलिस विभाग में पदस्थ प्रधान आरक्षक की आकस्मिक मौत के बाद उनके 15 वर्षीय पुत्र को अनुकंपा नियुक्ति दी गई है। पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन ने 15 साल के अभिनेष शुक्ला को नियुक्ति पत्र दिया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सभी आवश्यक कार्रवाई पूरी करते हुये शासकीय सेवा के आदेश जारी किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन ने बाल आरक्षक को शासकीय सेवा के दौरान पदीय दायित्वों के साथ-साथ पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन काने की समझाइश भी दी। साथ ही उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। नियुक्ति पत्र देने के दौरान बाल आरक्षक की मां और उसकी बहन भी मौजूद रहीं। उल्लेखनीय है कि पुलिस विभाग में पदस्थ तत्कालीन कार्यवाहक प्रधार आरक्षक सत्येन्द्र शुक्ला की आकस्मिक मौत हो गई थी। इसके बाद उनके पुत्र अभिनेष शुक्ला को अनुकंपा नियुक्ति देने की कार्रवाइ की गई। बाल आरक्षक को नियुक्ति पत्र देने के बाद उसकी पदस्थापना रक्षित केन्द्र में की गई है।

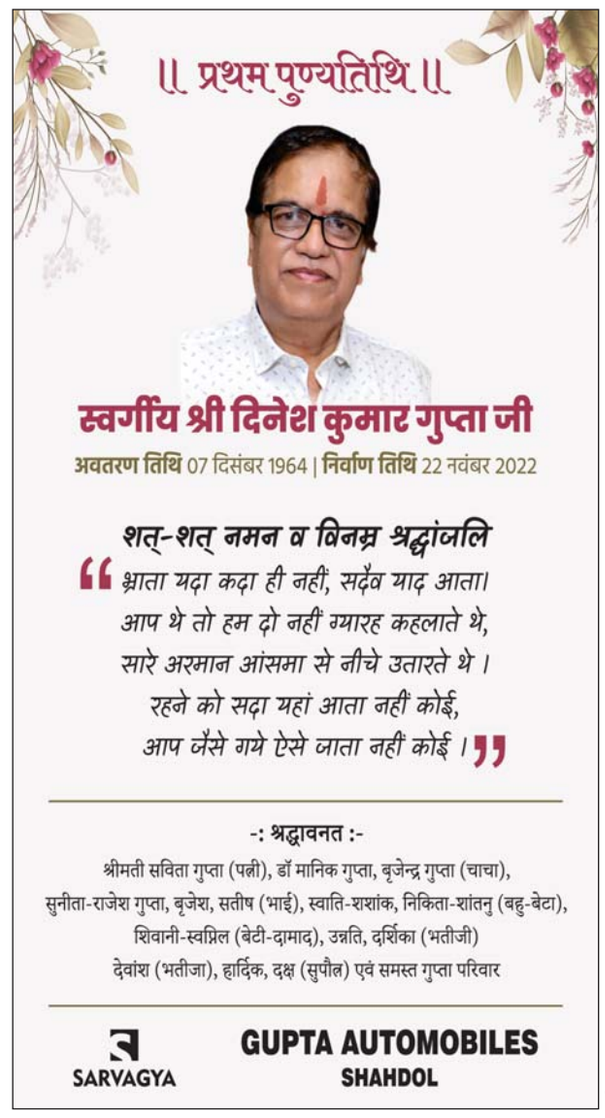

सोनू पोल्ट्री
बड़ा ब्रॉयलर - रु. 88
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 106
छोटा ब्रॉयलर - रु. 116
मोबाइल नं. 9300692405

J.B.F.A.
जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन
मुर्गा छोटा - रु. 120
मुर्गा मीडियम - रु. 110
मुर्गा बड़ा - रु. 92
मुर्गा जम्बो - रु. 82
मो.-9039925000, 9425800409

आसान किस्तों में उपलब्ध
मिश्रा इन्टरप्राइजेज
सभी ब्रांडेड कम्पनियों के टी.वी. एल.सी.डी. फ्रिज, डी.वी.डी. वुडन फर्नीचर, स्टील फर्नीचर उपलब्ध है
1. उपभोक्ता की संतुष्टि ही सफलता की सीढ़ी है।
2. उपभोक्ता सेवा ही जीवन का लक्ष्य है।

एल.जी. सेमसन, फिलिप्स, बी.पी. एल. सोनी, वेस्टन व अन्य कंपनियों के उपलब्ध है।
441, सरकारी कुंआ, शीतलामाई वार्ड
पश्चिमी घमापुर, जबलपुर
मो. 9200000162 फोन- 2626496